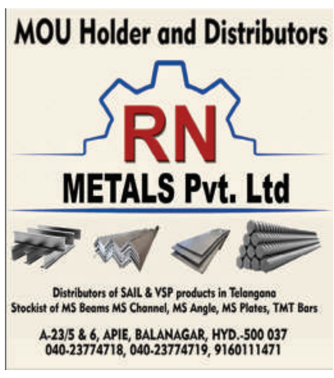

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 31 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-30

सोना-चाँदी टूटे

चाँदी में 93,000 रुपये और सोने में 25,000 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
शुक्रवार का दिन सोना-चांदी निवेशकों के लिए सबसे खराब साबित हुआ। पिछले 24 घंटों में चांदी के भाव में 93,000 रुपये की जबरदस्त गिरावट आई और यह 3.27 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई। सोने में भी 16,263 रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जो अब करीब 1.68 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोने-चांदी की रैली अब खत्म हो चुकी है और निवेशकों को क्या रणनीति अपनानी चाहिए?

रिकॉर्ड हाई से भारी गिरावट, गुरुवार को बना था ऑल टाइम हाई मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुक्रवार शाम 7 बजे मार्च वायदा चांदी 72,000 रुपये गिरकर 3.27 लाख रुपये पर बंद हुई। इसका रिकॉर्ड हाई 4.20 लाख रुपये था, यानी रिकॉर्ड स्तर से 93,000 रुपये की गिरावट। इसी तरह अप्रैल वायदा सोना 16,263 रुपये टूटकर 1.68 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इसका ऑल टाइम हाई 1.93 लाख रुपये था, यानी रिकॉर्ड से 25,000 रुपये की कमी। बता दें कि महज एक दिन पहले यानी 29 जनवरी (गुरुवार) को सोना-चांदी ने रिकॉर्डतोड़ उछाल दिखाया था। चांदी 30,000 रुपये से ज्यादा चढ़कर 4.20 लाख रुपये के पार पहुंची थी, जबकि सोना 16,000 रुपये उछलकर 1.93 लाख रुपये के स्तर को छू गया था।

ट्रंप के फेड बयान से डॉलर मजबूत, मुनाफावसूली ने बढ़ाई गिरावट सोने-चांदी में आई इस भारी गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को माना जा रहा है। ट्रंप ने फेडरल रिजर्व चेयर जेरोम पॉवेल की जगह अपने पसंदीदा पूर्व गवर्नर केविन वार्श को नियुक्त करने का संकेत दिया है, क्योंकि मई में पॉवेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इस बयान के बाद अमेरिकी डॉलर में मजबूती आई, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी के भाव तेजी से गिरे। इसके अलावा लगातार रिकॉर्ड हाई पर पहुंचने के बाद भारी मुनाफावसूली (प्रॉफिट बुकिंग) हुई। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 20% तक की गिरावट दर्ज की गई। फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस सेगमेंट में शॉर्ट सेलिंग भी हावी रहा, जिससे गिरावट और तेज हुई। जियो-पॉलिटिकल तनाव में कुछ कमी आने से भी कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा।

अब क्या करें निवेशक? एक्सपर्ट्स की सलाह एक्सपर्ट्स का कहना है कि डॉलर की मजबूती और जियो-पॉलिटिकल तनाव में कमी के कारण सोने-चांदी में गिरावट आई है। पिछले कुछ समय से इन धातुओं में बेतहाशा तेजी आई थी, इसलिए मुनाफावसूली स्वाभाविक है।

यदि आपके पास सोना-चांदी के ईटीएफ या अन्य एसेट हैं, जिन्हें आपने सस्ते दामों पर खरीदा था, तो कुछ प्रॉफिट बुकिंग कर सकते हैं। नए निवेशक अभी सतर्क रहें, ▶10 पर

तेलंगाना माँगे मोर

केंद्र के पास लंबित 47 मुद्दों पर मांगा सहयोग

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार 01 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से पहले, तेलंगाना सरकार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से 12 प्रमुख विभागों से संबंधित 47 लंबित मुद्दों को हल करने का आग्रह किया है। राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं के लिए बजटीय सहायता और नीतिगत मंजूरी की मांग की है, जिसमें बुनियादी ढांचा, उद्योग, ऊर्जा, शहरी विकास और सामाजिक क्षेत्र के प्रस्ताव शामिल हैं।

सड़क और भवन क्षेत्र में, तेलंगाना ने रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के लिए कैबिनेट की मंजूरी और 34,367.62 करोड़ की फंडिंग मांगी है। इसके अलावा, आउटर रिंग रोड को प्रस्तावित आरआरआर से जोड़ने वाली 10 ग्रीनफील्ड रेडियल सड़कों के लिए 45,000 करोड़ की मंजूरी मांगी गई है। राज्य ने तेलंगाना के प्रस्तावित ड्राई पोर्ट ▶10 पर

मेडीगड्डा बैराज सबसे असुरक्षित

केंद्र ने लोकसभा में दी जानकारी

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना की महत्वाकांक्षी कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के प्रमुख घटक, मेडीगड्डा बैराज को राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने देश में सबसे गंभीर सुरक्षा कमियों वाले सिंचाई प्रोजेक्ट के रूप में चिन्हित किया है। इस रिपोर्ट ने बैराज की संरचनात्मक स्थिरता और दीर्घकालिक व्यवहार्यता पर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। 2025 में भारत भर के 1,681 निर्दिष्ट बांधों के मानसून के बाद के निरीक्षण के बाद, एनडीएसए ने मेडीगड्डा को श्रेणी-1 के तहत रखा है। यह उच्चतम जोखिम वाली श्रीणी है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि अनसुलझी कमियां विफलता का कारण बन सकती हैं।

ब्लॉक 7 को हटाने और पुनर्गर्मण की सिफारिश

एनडीएसए ने बैराज के ब्लॉक 7 को पूरी तरह से हटाने और फिर से बनाने की सिफारिश की है, जहाँ अक्टूबर 2023 में कुछ खंभे धंस गए थे। इसके साथ ही अन्य उपचारात्मक उपायों की भी सलाह दी गई है। इसी तरह के सुरक्षा हस्तक्षेपों का सुझाव सुंडिला और अन्नाराम बैराज के लिए भी दिया गया है। तेलंगाना सरकार वर्तमान में आवश्यक डिजाइन तैयार करने के लिए एक सलाहकार को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

यह मूल्यांकन केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने गुरुवार को लोकसभा में टीडीपी सांसदों जी. लक्ष्मीनारायण और बायरेड्डी शबरी द्वारा 50 वर्ष से पुराने बांधों की सुरक्षा पर उठाए गए सवालों के लिखित जवाब में प्रस्तुत किया। मेडीगड्डा बैराज, जिसे तेलंगाना के विशाल क्षेत्रों की सिंचाई के लिए डिज़ाइन किया गया था, अक्टूबर 2023 से गहन जांच के दायरे में है, जिससे राजनीतिक विवाद, तकनीकी जांच और कई सुरक्षा ऑडिट शुरू हो गए हैं।

श्रेणी-1 के जोखिम और देशव्यापी स्थिति

वर्गीकरण की व्याख्या करते हुए मंत्री ने कहा कि श्रेणी-1 के बांध गंभीर कमियों से ग्रस्त हैं जिनमें तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। मेडीगड्डा के अलावा, उत्तर प्रदेश के लोअर खजुरी बांध और झारखंड के बोकारो बैराज को भी इस उच्चतम जोखिम श्रेणी में रखा गया है। मंत्री ने कहा, श्रेणी-1 के बांधों में गंभीर सुरक्षा चिंताएं और कमजोरियां हैं जो महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती हैं। इनमें से तेलंगाना के मेडीगड्डा बैराज को संरचना की अखंडता और मजबूती की रक्षा के लिए एनडीएसए द्वारा अनुशंसित निवारक और शमन उपायों को लागू करने के लिए कहा गया है। मेडीगड्डा बैराज के एक हिस्से का धंसना 2023 में एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया था, ▶10 पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत के यार्न ने घुसकर किया युनुस का खेल खत्म.......स्पिनिंग मिल्स बंद होने की कगार पर

ढाका, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री, जो कभी दुनिया की रेडीमेड गारमेंट का हब मानी जाती थी, आज बंद होने की कगार पर पहुंच चुकी है। देश की लगभग सारी स्पिनिंग मिल्स 1 फरवरी से अनिश्चित समय तक बंद होने की चेतावनी दे रही हैं। स्पिनिंग मिल्स वह स्टेज है जहाँ कपास से यार्न बनता है, और यही यार्न आगे चलकर शर्ट, टी-शर्ट और अन्य कपड़ों में बदलता है। अगर स्पिनिंग मिल्स रुक जाएं, तब पूरी गारमेंट इंडस्ट्री प्रभावित हो जाती है।

इस संकट की जड़ बांग्लादेश सरकार की हाल की नीतियों में है। कुछ महीने पहले सरकार ने रेडीमेड गारमेंट एक्सपोर्ट करने वाली कंपनियों को ड्यूटी-फ्री यार्न इंपोर्ट की अनुमति दे दी। यह कदम एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए सही लगता था, लेकिन भारत के लिए मौका बन गया। भारत दुनिया के बड़े यार्न उत्पादकों में से एक है, और उसकी यार्न क्वालिटी अच्छी, कीमत कम और सप्लाई स्थिर है। जैसे ही बांग्लादेश में ड्यूटी-फ्री इंपोर्ट खुला, गारमेंट फैक्ट्रियों ने तुरंत स्थानीय यार्न छोड़कर भारतीय यार्न खरीदना शुरू कर दिया। इसके बाद भारत से आने वाले यार्न पर लैंड पोर्ट पर रोक लग गई, लेकिन समुद्री रास्ते से कोई प्रतिबंध नहीं था। परिणामस्वरूप भारतीय यार्न और अधिक मात्रा में बांग्लादेश पहुंचने लगा और स्थानीय बाजार में उसकी पकड़ मजबूत हो गई। आज बांग्लादेश की स्पिनिंग मिल्स वित्तीय रूप से अस्थिर हो गई हैं। स्थानीय उत्पादन घटने और भारतीय यार्न की बढ़ती उपलब्धता ने देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को गहरी वित्तीय मुसीबत में डाल दिया है। सरकार की नीतियों का असर, भारतीय यार्न की प्रतिस्पर्धा और सप्लाई की मजबूती ने मिलों को बंद करने पर मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि बांग्लादेश की रेडीमेड गारमेंट इंडस्ट्री, जो कभी वैश्विक मान्यता की हकदार थी, आज संकट में है। इस पूरी स्थिति से स्पष्ट है कि नीति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की रणनीति ने स्थानीय उद्योग को कमजोर कर दिया है और भारत ने यार्न के माध्यम से बाजार में दबदबा बना लिया है।

न्यूज ब्रीफ

परमाणु वैज्ञानिकों ने चेताया कहा- विनाश की घड़ी बता रही है प्रलय में मात्र 85 सेकंड शेष...

न्यूयार्क। वर्तमान में दुनिया भर में जारी युद्ध और अस्थिरता के बीच मानवता के भविष्य को लेकर अब तक की सबसे डरावनी चेतावनी सामने आई है।

परमाणु वैज्ञानिकों के एक समूह ने डूम्सडे क्लाक (विनाश की घड़ी) की सुइयों को आधी रात यानी वैश्विक तबाही से महज 85 सेकंड पहले पर सेट कर दिया है। 1947 में अपनी स्थापना के बाद से इस प्रतीकात्मक घड़ी ने कभी भी इतना खतरनाक संकेत नहीं दिया था। यह बदलाव स्पष्ट करता है कि मानव सभ्यता अब विनाश के उस मुहाने पर खड़ी है जहाँ से वापसी का रास्ता बेहद संकरा होता जा रहा है। पिछले वर्ष यह समय प्रलय से 89 सेकंड की दूरी पर था, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के लंबा खिंचने, ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और परमाणु हथियारों की नई होड़ ने इसे चार सेकंड और आगे बढ़ा दिया है। सुनने में यह अंतर मामूली लग सकता है, लेकिन विज्ञान और सुरक्षा बोर्ड के विशेषज्ञों के लिए यह एक वैश्विक आपातकाल का संकेत है। उनके मुताबिक, दुनिया अब पहले से कहीं ज्यादा अस्थिर और अनिश्चित हो चुकी है। यह घड़ी कोई ज्योतिषीय भविष्यवाणी नहीं है, बल्कि यह एक ठोस वैज्ञानिक विश्लेषण है जो बताता है कि वैश्विक नेताओं की विफलता हमें किस दिशा में ले जा रही है। तबाही के इस बढ़ते जोखिम के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। यूक्रेन और मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में चल रहे युद्धों ने न केवल हजारों जानें ली हैं, बल्कि परमाणु संपन्न देशों के बीच सीधे टकराव का खतरा भी पैदा कर दिया है।

ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष पावेल का उत्तराधिकारी खोजा

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को नया अध्यक्ष जल्द मिलने वाला है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पावेल का उत्तराधिकारी खोज लिया है। वह फेड के नए अध्यक्ष की घोषणा शुक्रवार को करेंगे। प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप पर बनी फिल्म मेलानिया के प्रीमियर में राष्ट्रपति ने कहा कि इस खोज में पांच माह का वक्त लगा। इस पद को भरने के लिए प्रक्रिया सितंबर में 11 उम्मीदवारों के साथ शुरू हुई थी। इसमें पूर्व और वर्तमान फेड अधिकारी, अर्थशास्त्री और वाल स्ट्रीट निवेश पेशेवर शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार, माना जाता है कि इन उम्मीदवारों में से अंतिम चार में पूर्व फेड अध्यक्ष केविन वार्श, नेशनल इकोनामिक काउंसिल के निदेशक केविन हैसेट, मौजूदा फेड गवर्नर क्रिस्टोफर वालर और ब्लैकराक के फिक्स्ड इनकम के मुख्य निवेश अधिकारी रिक रीडर शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, मैं कल सुबह फेड चेयर के नाम की घोषणा करूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने सच में किसी एक नाम पर फैसला कर लिया है, तो उन्होंने जवाब दिया, हां, मैंने कर लिया है। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप इस पद के लिए केविन वार्श के नाम की घोषणा कर सकते हैं। बताया गया है कि वार्श को गुरुवार को व्हाइट हाउस में भी देखा गया है। इस पर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप सही समय पर फेडरल रिजर्व के लिए अपनी पसंद के बारे में घोषणा करेंगे।

उल्टा पड़ा टैरिफ का दांव, अमेरिका में आसमान छू रही महंगाई

वाशिंगटन। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल ने अमेरिका में बढ़ती महंगाई

को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उनका मानना है कि अमेरिका में महंगाई का मुख्य कारण उपभोक्ता मांग नहीं, बल्कि आयातित सामान पर लगा टैरिफ हैं। यह टिप्पणी तब आई है जब पूरी दुनिया अमेरिकी व्यापार नीति और इसके वैश्विक असर पर नजर बनाए हुए है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन पावेल ने कहा, महंगाई के ये ऊंचे आंकड़े ज्यादातर वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को दर्शाते हैं और इसका मुख्य कारण टैरिफ हैं। उन्होंने बताया कि सेवाओं के क्षेत्र में कीमतों का दबाव धीरे-धीरे कम हो रहा है। इसी बैठक में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने ब्याज दरों को फिलहाल 3.5 से 3.75 प्रतिशत के दायरे में बनाए रखने का फैसला किया। पावेल ने कहा कि मौजूदा नीति सही है, क्योंकि महंगाई अभी भी फेड के 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। टैरिफ के असर पर पावेल ने कहा कि इसका बड़ा हिस्सा अब अर्थव्यवस्था में दिख चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया, टैरिफ आम तौर पर एक बार की कीमत बढ़ोतरी की तरह होते हैं। इससे जुड़ी महंगाई पहले तेजी से बढ़ती है, फिर धीरे-धीरे उच्चतम स्तर पर पहुंचकर घटने लगती है। उन्होंने बताया कि जहां वस्तुओं की कीमतें व्यापार उपायों के कारण बढ़ी हैं, वहीं सेवाओं में महंगाई में कमी का सिलसिला जारी है। दिसंबर तक के 12 महीनों में व्यक्तिगत उपभोग वस्तुओं में महंगाई 3.0 प्रतिशत रही, जबकि कुल पीसीई महंगाई 2.9 प्रतिशत दर्ज की गई। पावेल ने कहा कि फेडरल रिजर्व बैंक बारीकी से देख रहा है कि टैरिफ से जुड़ी कीमतों में बढ़ोतरी आगे कैसे बदलती है। उनका अनुमान है कि अगर कोई नया बड़ा टैरिफ नहीं लगाया गया, तो वस्तुओं में महंगाई पहले चरम पर पहुंचेगी और फिर धीरे-धीरे नीचे आने लगेगी।

9 साल की बच्ची को खेलते-खेलते मिला 4.5 अरब साल पुराना रहस्यमयी पत्थर

लंदन, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

दुनिया के एक कोने से ऐसी विस्मयकारी घटना सामने आई है जिसने न केवल आम जनता, बल्कि वैज्ञानिक जगत को भी हैरान कर दिया है। दक्षिण वेल्स में खेल-खेल में एक 9 साल की बच्ची के हाथ एक ऐसा पत्थर लगा है, जो असल में ब्रह्मांड का एक प्राचीन और बेशकीमती हिस्सा है। जिस पत्थर को बच्ची खिलौना समझकर खेल रही थी, वह वास्तव में हमारी धरती की उम्र के बराबर पुराना एक दुर्लभ उल्कापिंड निकला है। यह घटना साउथ वेल्स के पेनार्थ बीच की है, जहाँ 9 साल की आरियाना चर्च अपने परिवार के साथ घूमने आई थी। आरियाना को अक्सर समुद्र किनारे से पुराने जीवाश्म और रंगीन कांच के टुकड़े इकट्ठा करने का शौक है। इसी तलाश के दौरान उसे रेत में दबा हुआ एक अजीबोगरीब पत्थर मिला। यह पत्थर आकार में टेनिस बाल के बराबर था, लेकिन सामान्य पत्थरों के मुकाबले काफी भारी और बनावट में धातु जैसा दिखाई दे रहा था। आरियाना ने इसे अपने संग्रह में शामिल कर लिया और घर ले आई। आरियाना के माता-पिता की नजर जब इस पत्थर पर पड़ी, तो उन्हें इसकी बनावट कुछ असामान्य लगी। जिज्ञासावश उन्होंने स्मार्टफोन के गूगल लेंस फीचर का उपयोग कर इसकी तस्वीर सर्च की। इंटरनेट पर मिले परिणामों ने उन्हें स्तब्ध कर दिया। शुरुआती वैज्ञानिक जांच और तुलनात्मक अध्ययन के बाद यह पता चला कि यह पत्थर करीब 4.5 अरब साल पुराना है। उल्लेखनीय है कि हमारी पृथ्वी की अनुमानित उम्र भी लगभग 4.54 अरब साल मानी जाती है। इसका अर्थ यह है कि यह पत्थर उस सुदूर अतीत का गवाह है जब सौर मंडल का निर्माण हो रहा था और ग्रह अपना आकार ले रहे थे। वैज्ञानिकों ने इस पत्थर का सूक्ष्म विश्लेषण करने पर पाया कि इसकी सतह पर रेग्मागि्लप्ट्स यानी छोटे-छोटे गड्ढों के निशान हैं। ये निशान तभी बनते हैं जब कोई अंतरिक्षीय चट्टान प्रचंड गति और भीषण गर्मी झेलते हुए पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उल्कापिंड कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि एक टाइम कैप्सूल है। इसके अध्ययन से सौर मंडल के शुरुआती दिनों की स्थितियों और पृथ्वी के बनने से पहले अंतरिक्ष में मौजूद तत्वों की महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

हजारों साल पुराना मानव कंकाल मिला, वैज्ञानिकों ने खोले कई राज

लंदन। दक्षिण अमेरिका के वैज्ञानिकों को ऐसे शख्स का कंकाल मिला है, जो करीब 12,000 साल पहले धरती पर रहता था। उस शख्स का न केवल स्वास्थ्य बेहतर था, बल्कि उसके दांत आज के इंसानों से भी कहीं ज्यादा मजबूत थे। दक्षिण अमेरिका में पाया गया यह अब तक का सबसे पुराना मानव कंकाल है, जिसे मैन आफ लास विलोस नाम दिया गया है। पुरातत्वविद सीजर मेंडेज के अनुसार, इस कंकाल की खोज चिली के कोकिम्बो क्षेत्र में लास रिएलेस नामक पुरातात्विक स्थल पर हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि यह खोज किसी सोची-समझी खुदाई का हिस्सा नहीं थी, बल्कि सीवेज पाइपलाइनों को बिछाने के काम के दौरान अचानक सामने आई। खुदाई में मिला यह कंकाल एक शेल मिडन (पुराने समय के शिकारियों द्वारा फेंके गए सीपों का ढेर) के नीचे दबा हुआ था। मेंडेज ने बताया कि यह शख्स सीपों की परत के नीचे करवट होकर लेटा था। वैज्ञानिक विश्लेषण से पता चला है कि मौत के समय इस व्यक्ति की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच रही होगी। उस दौर के हिसाब से यह एक लंबी और स्वस्थ उम्र मानी जा सकती है। वह पूरी तरह फिट था और उसके दांतों की मजबूती एक्सपर्ट्स को हैरान कर रही है। जांच में यह भी पाया गया कि वह एक टूटी हुई पसली के दर्द से भी उबर चुका था, यानी उसके शरीर में घावों को भरने की अद्भुत क्षमता थी। उसकी डाइट का विश्लेषण करने पर पता चला कि वह मुख्य रूप से मछली और सीफूड पर निर्भर था। सीजर मेंडेज ने बताया कि उस व्यक्ति के शरीर में नाइट्रोजन का स्तर काफी उच्च था, जो अक्सर उन लोगों में पाया जाता है जो समुद्री भोजन का अधिक सेवन करते हैं। वह संभवत: सी लायंस और मछलियों का शिकार करना बखूबी जानता था। इतना ही नहीं, यह वह दौर था जब धरती पर विशालकाय नोटोमास्टोडन प्लेटेंसिस (हाथियों के पूर्वज) भी मौजूद थे। हालांकि, तब तक ये विशाल जीव विलुप्ति की कगार पर थे, इसलिए वे इस व्यक्ति के भोजन का मुख्य हिस्सा नहीं थे।

अमेरिका के नेपाली दूतावास ने अपने नागरिकों से कहा - नियमों का पालन करें अन्यथा वीजा ही नहीं ग्रीन कार्ड भी हो सकता है रद्द

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित नेपाल दूतावास ने अमेरिका में रह रहे नेपाली नागरिकों से अमेरिकी कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। दूतावास ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर वीजा ही नहीं, बल्कि ग्रीन कार्ड तक रद्द किया जा सकता है। दूतावास ने गुरुवार रात जारी सार्वजनिक सूचना में अध्ययन, यात्रा, रोजगार, व्यवसाय या पारिवारिक यात्रा के उद्देश्य से अमेरिका में रह रहे नेपाली नागरिकों से आग्रह किया कि वे किसी भी अवैध गतिविधि में संलिप्त न हों और अमेरिकी नागरिकों के लिए निर्धारित सुविधाओं का अवैध लाभ उठाने हेतु गलत या भ्रामक जानकारी प्रस्तुत न करें। दूतावास ने कहा कि उसे अमेरिकी अधिकारियों से जानकारी मिली है कि कोई भी विदेशी नागरिक यदि सब्सिडी युक्त स्वास्थ्य सेवा, आवास, पारिवारिक सहायता या शैक्षणिक सहायता जैसी सुविधाओं पर अवैध या धोखाधड़ी के माध्यम से निर्भर पाया जाता है, तो उसके वीज़ा या ग्रीन कार्ड की स्थिति पर सीधे प्रभाव पड़ सकता है, जिसमें रद्दीकरण भी शामिल है। सूचना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रवर्तित कड़े वीजा नीति का भी उल्लेख किया गया है और नेपाली नागरिकों से बदलते नियमों के प्रति सतर्क और अनुपालक बने रहने का आग्रह किया गया है। दूतावास ने याद दिलाया कि वर्ष 2024 में अमेरिकी सरकार द्वारा सब्सिडी प्राप्त सेवाओं के शीर्ष लाभार्थियों में नेपाली नागरिक भी शामिल पाए गए थे, जिसके बाद अमेरिका ने नेपालियों के लिए प्रवासी वीज़ा को अस्थायी रूप से निलंबित करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी की थी। इसके अलावा, दूतावास ने बी1 (व्यवसाय) और बी2 (पर्यटन) वीज़ा के दुरुपयोग के प्रति भी चेताया। दूतावास के अनुसार, बी1/बी2 वीजा पर निर्धारित अवधि से अधिक समय तक ठहरने और बिना अनुमति रोजगार में संलग्न होने के मामलों के कारण अमेरिकी सरकार ने 21 जनवरी 2026 से 5,000 से 15,000 अमेरिकी डालर तक की वीज़ा बान्ड अनिवार्यता लागू करने का निर्णय लिया है। दूतावास ने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियां नेपाल के प्रति अमेरिकी वीज़ा नीति को और नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं, जिससे भविष्य के आवेदकों के लिए वीज़ा प्राप्त करना कठिन हो सकता है और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुंच सकता है।

दक्षिण अफ्रीका के डरबन में सड़क हादसा, 11 की मौत

डरबन (दक्षिण अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका में डरबन के पास गुरुवार सुबह सड़क हादसे में एक बच्चे समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा क्वाजुलु-नटाल में हुआ। सूचना मिलते ही राहत और बचाव कर्मचारी मौके पर पहुंचे। द साउथ अफ्रीकन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक और मिनी बस की सीधी टक्कर में 11 लोगों की जान चली गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पास के प्राथमिक उपचार केंद्र ले जाया गया। कई लोग अभी भी मिनी बस में फंसे बताए गए हैं। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने इस हादसे में 11 लोगों के मरने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। घायलों में मिनी बस का ड्राइवर भी शामिल है। इस घटना से एक सप्ताह पहले जोहान्सबर्ग में हुए सड़क हादसे में 14 स्कूली बच्चों की मौत हो गई थी।

अमेरिका में शटडाउन टालने के लिए समझौता

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन टालने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीनेट डेमोक्रेट्स ने गुरुवार को समझौता कर लिया। यह जानकारी राष्ट्रपति और सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर के कार्यालय ने दी है। इस समझौते के अंतर्गत सितंबर तक गृह सुरक्षा विभाग (होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट) को छोड़कर बाकी सभी सरकारी विभागों को फंड मिलेगा। इस समझौते से जुड़े पांच सूत्रों के अनुसार, गृह सुरक्षा विभाग दो सप्ताह के स्टापगैप बिल पर काम करेगा। इसका मकसद यह है कि मिनियापोलिस में दो अमेरिकी नागरिकों की हत्या पर जनता के गुस्से के बाद डेमोक्रेट्स की मांग पर बातचीत के लिए समय मिल सके।

रिपोर्ट के अनुसार, फंडिंग समझौते पर सीनेट में वोटिंग गुरुवार रात को ही हो सकती है। अगर यह समझौता नहीं हो पाता तो शनिवार आधीरात बाद कई एजेंसियों के लिए फंडिंग अस्थायी रूप से बंद हो जाएगी। अगर इस समझौते पर दोनों सदनों की मुहर लग जाती है तो इसका असर कम होने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए कि ज्यादातर संघीय कर्मचारी सप्ताहांत पर काम नहीं करते हैं। राष्ट्रपति ने दोनों पक्षों के सांसदों से इस द्विदलीय समझौते के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने गुरुवार रात ट्रुथ सोशल पर कहा, हमारे देश को धीमा करने वाली एकमात्र चीज एक और लंबा और नुकसानदायक सरकारी शटडाउन है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स एक साथ आए हैं ताकि सरकार के ज्यादातर विभागों को सितंबर तक फंड मिल सके। एवं गृह सुरक्षा विभाग को भी विस्तार दिया जा सके। यह समझौता सीनेट ते 1.2 ट्रिलियन डालर के बड़े फंडिंग पैकेज को खारिज करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ है।

हेलिक्स नेबुला ने दिखाया सूरज की मौत के समय सौर मंडल कैसा दिखेगा

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

वैज्ञानिकों ने दूर अंतरिक्ष में मौजूद बूढ़े और मरते सितारों का अध्ययन कर हमारे सौर मंडल के भविष्य की एक साफ तस्वीर सामने रखी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्रह्मांड में कुछ भी स्थायी नहीं है और इसमें हमारा सूरज भी शामिल है। जो सूरज आज हमें रोशनी और जीवन दे रहा है, वह भी एक दिन अपना अंत देखेगा। हाल ही में 20 जनवरी 2026 को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने हेलिक्स नेबुला की जो नई तस्वीरें भेजी हैं, उन्होंने वैज्ञानिकों के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर दिया है। यह नेबुला पृथ्वी से करीब 650 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और इसे इसकी आंख जैसी आकृति के कारण सौरन की आंख या भगवान की आंख कहा जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह नेबुला हमें दिखाता है कि अरबों साल बाद हमारे सूरज की मौत के समय सौर मंडल कैसा नजर आएगा। सितारों का जीवन उनके भीतर मौजूद ईंधन पर निर्भर करता है। हमारा सूरज करोड़ों वर्षों से अपने केंद्र में हाइड्रोजन को जलाकर ऊर्जा पैदा कर रहा है। लेकिन एक समय ऐसा आएगा जब इसका हाइड्रोजन ईंधन खत्म हो जाएगा। तब सूरज अपनी मौजूदा स्थिर अवस्था को छोड़ देगा और उसका आकार तेजी से बढ़ने लगेगा। वह एक विशाल लाल दानव यानी रेड जायंट बन जाएगा।

इस दौरान सूरज इतना फैल सकता है कि वह अपने नजदीकी ग्रहों को निगल ले। वैज्ञानिकों के अनुसार बुध और शुक्र का अस्तित्व पूरी तरह समाप्त हो जाएगा, जबकि पृथ्वी की सतह भी भीषण गर्मी से जलकर राख में बदल जाएगी। इसके बाद सूरज अपनी बाहरी परतों को संभाल नहीं पाएगा और वे परतें अंतरिक्ष में फैलने लगेंगी। जब किसी तारे की बाहरी परतें अंतरिक्ष में फैलती हैं, तो वह अपने पीछे गैस और धूल का एक सुंदर लेकिन रहस्यमयी घेरा छोड़ देता है, जिसे प्लैनेटरी नेबुला कहा जाता है। हेलिक्स नेबुला इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। यह कुंभ तारामंडल में स्थित है और लंबे समय से खगोलविदों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। पहले हबल टेलीस्कोप ने इसकी शानदार तस्वीरें ली थीं, लेकिन जेम्स वेब टेलीस्कोप की नई तस्वीरों ने इसके भीतर की संरचना को कहीं ज्यादा गहराई से दिखाया है। इन तस्वीरों में गैसों की परतें ऐसे दिखाई देती हैं, जैसे किसी मरते हुए तारे की अंतिम सांसें अभी भी चमक रही हों। वैज्ञानिकों ने हेलिक्स नेबुला में हजारों रहस्यमयी गांठों की पहचान की है, जिन्हें कामेटरी नाट्स कहा जाता है। ये गैस और धूल के सघन गोले हैं, जो मरते हुए तारे से निकलने वाली तेज हवाओं का सामना कर रहे हैं। हेलिक्स नेबुला में करीब 40 हजार ऐसी गांठें मौजूद हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से हर एक गांठ आकार में हमारे पूरे सौर मंडल से भी बड़ी है, हालांकि उनका द्रव्यमान उतना नहीं है। ये गांठें आगे की ओर चमकती हैं और पीछे गैसों की लंबी पूंछ छोड़ती हैं, जिससे वे अंतरिक्ष में उड़ते धूमकेतुओं जैसी दिखती हैं। हेलिक्स नेबुला जैसे प्लैनेटरी नेबुला ज्यादा लंबे समय तक नहीं टिकते। इनकी उम्र सिर्फ 10 से 20 हजार साल होती है, जो ब्रह्मांडीय समय के हिसाब से एक क्षण भर है। आने वाले हजारों वर्षों में यह नेबुला बिखर जाएगा और इसकी गैसें अंतरिक्ष में फैल जाएंगी। लेकिन यह अंत नहीं होगा। यही गैस और धूल भविष्य में नए सितारों और ग्रहों के निर्माण का आधार बनेगी।

सीएम योगी का निर्देश, विभागों की वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक स्वीकृत हो

लखनऊ,30 जनवरी (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री स्तर से मिलने वाली स्वीकृति की सीमा, जो अभी 10 करोड़ रुपए तक है, उसे बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए किया जाए। 50 से 150 करोड़ रुपए तक की परियोजनाओं की मंजूरी वित्त मंत्री स्तर से और 150 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की स्वीकृति मुख्यमंत्री स्तर से दी जाए, जिससे परियोजनाओं को समय पर वित्तीय मंजूरी मिले और काम तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपनी वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक हर हाल में स्वीकृत करा लें। समयसीमा का पालन न करने वाले विभागों की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी परियोजना की लागत में 15% से ज्यादा बढ़ोतरी होने पर विभाग कारण सहित पुनः अनुमोदन प्राप्त करे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राज्य की राजकोषीय स्थिति, बजट प्रबंधन, पूंजीगत व्यय, निर्माण कार्यों की व्यवस्था, एकमुश्त प्रावधान, डिजिटल वित्तीय सुधार, कोषागार प्रक्रियाएं, पेंशन व्यवस्था और विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को सुदृढ़, पारदर्शी और रिजल्ट ओरिएंटेड वित्तीय प्रबंधन का आदर्श राज्य बनाना है। इसके लिए सभी विभाग समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता और डिजिटल

प्रक्रियाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में राज्य गारंटी पॉलिसी लागू की जाए।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अल्प-वेतनभोगी कर्मियों, जैसे आशा बहनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय हर माह तय तारीख को उनके बैंक खातों में पहुंच जाए। जिन योजनाओं में केंद्रांश मिलता है, वहां राज्य अपने मद से मानदेय समय पर जारी करे, ताकि किसी कर्मी को देरी न हो। यह व्यवस्था यथाशीघ्र लागू की जाए।बैठक में बताया गया कि वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश का 1,10,555 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय देश में सबसे अधिक रहा। राज्य ने जितना शुद्ध लोक ऋण लिया, उससे भी ज्यादा राशि पूंजीगत कार्यों पर खर्च की, जो वित्तीय अनुशासन का मजबूत संकेत है। कुल व्यय का 9.39% निवेश पर खर्च कर उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा। राजकोषीय घाटा, राजस्व घाटा और ऋण/जीएसडीपी अनुपात जैसे सभी संकेतक एफआरबीएम मानकों के अनुरूप रहे। वर्ष 2024-25 में राज्य की कुल देयताएं घटकर जीएसडीपी के 27% पर आ गईं। नीति आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश का कंपोजिट फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2014 में 37 से बढ़कर 2023 में 45.9 हो गया है और राज्य फ्रंट रनर श्रेणी में पहले स्थान पर है।मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि आरबीआई की रिपोर्ट में भी राज्य का अपना कर राजस्व राष्ट्रीय हिस्सेदारी में 11.6% के साथ देश में दूसरे स्थान पर बताया गया है। विकास व्यय (जीएसडीपी अनुपात में) राष्ट्रीय औसत से लगातार अधिक रहा है और स्वास्थ्य व्यय में भी उत्तर प्रदेश प्रमुख राज्यों में शीर्ष पर है।वित्त विभाग ने पिछले तीन वर्षों में बजट, कोषागार और डिजिटल वित्तीय प्रशासन में ऑनलाइन बजट मॉड्यूल, वेंडर मैनेजमेंट सिस्टम, साइबर ट्रेजरी, पूरी तरह ऑनलाइन बिल प्रेषण, जीपीएफ अनियमितताओं की रोकथाम, वेतन बिलों का एजी को ऑनलाइन भेजना, डिजिलॉकर पर जीपीएफ स्लिप उपलब्ध कराना जैसे कई सुधार किए हैं। कोषागार सुधारों के तहत साइबर ट्रेजरी के माध्यम से खातों का पूर्णत: पेपरलेस प्रेषण अप्रैल 2026 तक पूरा हो जाएगा।फर्म्स, सोसाइटी एवं चिट्स विभाग के नवाचारों के बारे में बताया गया कि विभाग ने अपनी सभी प्रमुख सेवाओं को डिजिटल किया है। पुराने अभिलेख डिजिटल हो रहे हैं। 'सादर' पोर्टल के माध्यम से जनता को अभिलेखों तक आसान पहुँच मिली है।

देशभर के स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को मुफ्त सैनेटरी पैड अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने में राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां) । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया है कि देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक पढ़ने वाली लड़कियों को मुफ्त सैनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। यह फैसला मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि छात्राओं का अधिकार है कि उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक माहौल मिले। कोर्ट ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे अलग-अलग जेंडर के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था करें और वहां पूरी प्राइवेसी सुनिश्चित करें। साथ ही, दिव्यांग छात्रों के अधिकारों का भी पूरा ध्यान रखा जाए। अदालत ने यह भी कहा है कि स्कूलों के टॉयलेट के अंदर मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड उपलब्ध होने चाहिए। ये पैड मशीनों के माध्यम से या स्कूल परिसर में तय किए गए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा छात्राओं को दिए जाएं ताकि किसी तरह की झिझक या परेशानी न हो।इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सभी स्कूलों में 'मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कॉर्नर' बनाने का निर्देश दिया है। इन कॉर्नर में मासिक धर्म से जुड़ी सभी जरूरी चीजें और जानकारी उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि छात्राएं खुद को सुरक्षित और जागरूक महसूस कर सकें।

अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे तीन महीने के भीतर रिपोर्ट दें और बताएं कि इस फैसले को जमीन पर कैसे लागू किया गया है। साथ ही, कोर्ट ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय स्तर पर एक नीति बनाने को भी कहा है ताकि देशभर में एक समान व्यवस्था लागू हो सके।

यह याचिका मध्य प्रदेश की सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर ने दायर की थी। उन्होंने मांग की थी कि स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों को मुफ्त सैनेटरी पैड और अन्य मेंस्ट्रूअल प्रोडक्ट उपलब्ध कराए जाएं ताकि किसी भी छात्रा की पढ़ाई सिर्फ इस वजह से न रुके।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी कहा कि वे मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर अपने-अपने स्तर पर जो योजनाएं और फंड से चलने वाली नीतियां हैं, उनकी जानकारी केंद्र सरकार को दें।

YSRCP ने चंद्रबाबू नायडू से तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोप पर स्पष्टीकरण मांगा

अमरावती,30 जनवरी (एजेंसियां) । वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के राज्य कॉर्डिनेटर सज्जाला रामकृष्ण रेड्डी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से तिरुपति लड्डू में जानवरों की चर्बी की मिलावट के आरोपों पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को या तो लड्डूओं में जानवरों की चर्बी की मिलावट के अपने बयान की जिम्मेदारी लेनी चाहिए या प्रयोगशाला रिपोर्ट्स के मद्देनजर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

क्योंकि रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लड्डू में जानवरों की चर्बी नहीं पाई गई। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि प्रयोगशाला रिपोर्ट्स से स्पष्ट है कि तिरुपति लड्डू में जानवरों की चर्बी नहीं थी। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू की इस मुद्दे पर टिप्पणी ने भक्तों के बीच आक्रोश पैदा किया है। इसलिए इसको गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उनके गैर-जिम्मेदाराना बयान के लिए उन्हें फटकार लगाई जानी चाहिए।

मीडिया से बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि उच्च पद पर आसीन चंद्रबाबू ने तिरुपति लड्डू में मिलावट होने की गैरजिम्मेद-राना टिप्पणी करके इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि लड्डू में जानवरों की चर्बी नहीं है। चंद्रबाबू से उन टिप्पणियों के लिए पूछताछ की जानी चाहिए, जिनसे दुनिया भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

कर्नाटक सरकार पर 6,000 करोड़ के शराब घोटाले का आरोप, सुधांशु त्रिवेदी बोले-विकास नहीं सत्ता संघर्ष है कांग्रेस का मॉडल

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां) । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर 6,000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले का आरोप लगाया गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब केंद्र में भाजपा विपक्ष में थी, तब भी गुजरात मॉडल की खूब चर्चा होती थी, लेकिन आज हम बात करेंगे कि कांग्रेस पार्टी जिन राज्यों में सरकार चला रही है, वहां वह किस तरह का मॉडल पेश कर रही है। कांग्रेस सरकार पर 6,000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले का आरोप लगा है। यह आरोप केंद्र सरकार ने नहीं, बल्कि उसी राज्य के शराब व्यापारियों ने लगाया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस की जिन राज्यों में सरकार है, वे कैसा मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं, उसकी बानगी हम आपके सामने रखना चाहते हैं। वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने बताया है कि रेस्टोरेंट से लेकर होटलों तक, किस प्रकार अलॉटमेंट के नाम पर सरकार के विभिन्न स्तरों पर बैठे मंत्रियों और अन्य लोगों तक यह पैसा जाता था।सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अगर प्रदेश की जनता किसी भी दल को सत्ता देती है तो अपेक्षा करती है कि वह सरकार विकास और सुशासन के मार्ग पर प्रदेश को

ले जाएगी। मध्य प्रदेश में हमने ऐसी योजनाएं लागू की थीं, जिससे बच्चियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। कर्नाटक में जब 2008 में हमारी सरकार थी, तब हमने किसानों को एक साल के लिए बिना ब्याज के ऋण देने का प्रयास किया था और सफल रहे थे।

उन्होंने कहा कि जैसे हमारी सरकार के पास विकास का एक मॉडल है, वैसे ही कांग्रेस के पास भी अपना मॉडल है जहां मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के बीच लगातार सत्ता की लड़ाई चलती रहती है, चाहे वह कर्नाटक हो, मध्य प्रदेश हो या राजस्थान हो। कांग्रेस ने कर्नाटक के लोगों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है, जिन्होंने उन्हें इतना बड़ा जनादेश दिया था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को एक सख्त निर्देश दिया है, जिसमें कहा गया है कि सीमा पर बाड़ लगाने के काम के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रिया 31 मार्च 2026 तक साफ की जाए। यह साफ दिखाता है कि घुसपैठियों के वोटों के लालच में राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया गया। इस फैसले से यह सच्चाई सामने आ गई है कि टीएमसी घुसपैठियों के प्रति हमदर्दी रखती है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग तृणमूल सरकार को नकार देंगे, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला है और आने वाले चुनावों में भाजपा को चुनेंगे।उन्होंने कहा कि लेकिन यह एक बहुत दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और विचलित करने वाला प्रश्न उठाता है। यह दर्शाता है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में देश की सीमाओं पर सुरक्षा की कीमत पर, घुसपैठियों के वोट के लालच में, केवल क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ के लिए राष्ट्र की सुरक्षा का सौदा किया जा रहा था। उच्च न्यायालय का यह निर्णय तृणमूल कांग्रेस की नीतियों पर करारा प्रहार है।

इंडिगो फ्लाइट को हाईजैक कर बम से उड़ाने की धमकी : अहमदाबाद में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद,30 जनवरी (एजेंसियां) । कुवैत से दिल्ली लौट रहे इंडिगो विमान की शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी के बाद अहमदाबाद में आपात लैंडिंग कराई गई। सभी यात्रियों को नियंत्रित तरीके से विमान से बाहर निकाला गया और एयरपोर्ट के एक सुरक्षित इलाके में ले जाया गया। इस प्रक्रिया के दौरान किसी के घायल होने या मेडिकल इमरजेंसी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। जानकारी सामने आई कि इस विमान में 180 यात्रियों समेत 186 लोग सवार थे। शुक्रवार को विमान में मिले एक टिश्यू पेपर पर धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। हाथों से लिखे गए इस नोट में हाईजैकिंग और बम का जिक्र था, जिसके बाद फ्लाइट क्रू ने तुरंत कार्रवाई की। स्टैंडर्ड एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को अलर्ट किया और विमान को सबसे नजदीकी अहमदाबाद एयरपोर्ट की ओर मोड़ने का फैसला किया। फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट

पर सुरक्षित उतर गई, जहां उसके आने से पहले ही सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया था।

एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एन. डी. नाकुम ने कहा कि धमकी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई की। उन्होंने कहा, धमकी मिलने के बाद सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। बम निरोधक दस्ते ने विमान की पूरी तरह से जांच की। अब तक कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक चीज नहीं मिली है। विमान की जांच प्रक्रिया पूरी हो गई है।

बम निरोधक दस्ते, सीआईएसएफ टीमों, डॉग स्क्वॉड और एयरपोर्ट सुरक्षा टीमों ने विमान की विस्तृत जांच की। विमान के अलावा, सभी यात्रियों के सामान की भी जांच की गई और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के अनुसार यात्रियों की व्यक्तिगत सुरक्षा जांच की गई।

ऑपरेशन के दौरान पूरे एयरपोर्ट पर भारी पुलिस बल तैनात था। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा जांच जारी रहने के दौरान फ्लाइट ऑपरेशन मामूली और अस्थायी बदलावों के साथ जारी रहे।फिलहाल, अधिकारी हाथ से लिखे धमकी भरे नोट की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इसे विमान के अंदर कैसे रखा गया था। अधिकारियों ने कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट में शामिल सैन्यकर्मियों से की मुलाकात

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां) । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस परेड तथा बीटिंग रिट्रीट समारोह 2026 में भाग लेने वाले तीनों सेनाओं के बैंड टुकड़ियों और तीनों सेनाओं के प्रोवोस्ट आउट्राइडर्स के कर्मियों से मुलाकात की। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में हुई इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने सेना, नौसेना और वायु सेना के बैंड तथा आउट्राइडर्स के अधिकारियों और जवानों के साथ ग्रुप फोटोग्राफ भी खिंचवाई। गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट समारोहों में इन टुकड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उल्लेखनीय है कि त्रि-सेवा बैंड और प्रोवोस्ट आउट्राइडर्स गणतंत्र दिवस तथा उसके समापन अवसर पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट समारोह की औपचारिक और पारंपरिक गरिमा को बनाए रखने में अहम योगदान देते हैं। गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित इन समारोहों में सशस्त्र बलों की अनुशासनबद्ध प्रस्तुतियां और परंपरागत सैन्य परिधान विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

गौरतलब है कि इस वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में देश की मजबूत होती स्वदेशी सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता व जन भागीदारी का अदभुत संगम देखने को मिला था। कर्तव्य पथ पर तीनों सेनाओं व पुलिस बलों द्वारा शानदार परेड आयोजित की गई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया। यूरोपीय यूनियन के दो बड़े नेता एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डर लेयेन मुख्य अतिथि थे।इस साल के गणतंत्र दिवस समारोह में 'वंदे मातरम्' के 150 साल, देश की तरक्की, स्वदेशी सैन्य उपकरण, सेना की ताकत, भारत की संस्कृति और आम लोगों की भागीदारी सब कुछ एक साथ देखने को मिला था। इसके उपरांत गुरुवार शाम बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी आयोजित की गई थी।

मध्य प्रदेश में प्रतिभाशाली गरीब बच्चों के लिए बनाया सीएम राइज स्कूल : शिवराज सिंह चौहान

सीहोर,30 जनवरी (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश में सीएम राइज स्कूल प्रतिभाशाली और गरीब बच्चों के लिए शिक्षा के बेहतर सरकारी संस्थान साबित हो रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्होंने राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए गरीब बच्चों के लिए बेहतर शिक्षण संस्थान देने के मकसद से इन स्कूलों की शुरुआत की थी। केंद्रीय मंत्री चौहान ने विदिशा संसदीय क्षेत्र के रायसेन जिले के शाहगंज में सीएम राइज स्कूल भवन का उद्घाटन करते हुए अपने छात्र जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं जैत में पैदा हुआ, नर्मदा किनारे छोटा सा स्कूल था। हम सरकारी स्कूल में पढ़े, लेकिन मैंने मेहनत की तो जैत के बाहर भी गया। मैंने सोचा कि गरीब के बच्चे प्राइवेट स्कूल में नहीं पढ़ सकते, उसकी फीस ज्यादा होती है। बड़े लोग तो पढ़ा लेंगे, लेकिन गरीब का बेटा क्या करेगा? जब मुझे कोरोना हुआ, तब अस्पताल के बिस्तर पर बैठकर ख्याल आया कि एक ऐसा स्कूल खुले, जिसमें गरीब के बच्चे भी प्राइवेट स्कूल जैसी शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान अस्पताल से ही विशेषज्ञों से राय ली कि कैसे अच्छा स्कूल बना सकते हैं। तीन दिन विचार करने के बाद निर्णय लिया कि सर्वसुविधायुक्त सीएम राइज स्कूल बनाओ। यहां मल्टी परपज हॉल है, फिजिक्स, मैथ्स और केमिस्ट्री लैब है, लाइब्रेरी है, स्टाफ रूम अलग है, प्राचार्य और उप प्राचार्य का रूम अलग है, मिड डे मील के लिए मॉड्यूलर किचन का प्रावधान है, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग है, हॉरटीकल्चर की व्यवस्था है, ट्रांसफार्मर, गेट, पार्किंग, कंक्रीट सड़क, खेल के लिए रनिंग ट्रैक, खेल के मैदान हैं, नया फर्नीचर है, स्मार्ट क्लास है, सोलर पैनल है, लैब फर्नीचर और उपकरण हैं। ये ऐसा स्कूल है जो प्राइवेट स्कूलों से कई गुना बेहतर है।

अहमदाबाद में 1.50 करोड़ रुपए की चोरी की वस्तुएं बरामद, दो गिरफ्तार

अहमदाबाद,30 जनवरी (एजेंसियां) । अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने शहर के सैटेलाइट इलाके में स्थित मानेकबाग सोसाइटी में हुई एक बड़ी चोरी के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 1.47 करोड़ रुपए की चोरी की गई संपत्ति बरामद की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चोरी की घटना 11 जनवरी से 16 जनवरी के बीच हुई, जब एक डॉक्टर का परिवार उत्तरायण पर्व के दौरान घर बंद करके शहर से बाहर गया हुआ था। आरोपी ने डॉक्टर परिवार की अनुपस्थिति का फायदा उठाते हुए घर में घुसकर नकदी और गहने चुरा लिए।

घटना के बाद, क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसने गहन जांच शुरू की।

कई टीमें गठित की गईं और आसपास के इलाकों से 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की गई।

पुलिस ने बताया कि तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी विश्लेषण और अन्य खुफिया जानकारियों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चांदखेड़ा निवासी कमलेश उर्फ गुगो परमार और शाहपुर निवासी मेहुल परमार के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से बनासकांठा जिले के निवासी हैं।

क्राइम ब्रांच के अनुसार, कमलेश आदतन अपराधी है और अहमदाबाद और अन्य स्थानों के विभिन्न पुलिस थानों में उसके खिलाफ घर में सेंधमारी और चोरी के कम से कम 10 मामले दर्ज हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने त्योहारों के दौरान बंद घरों को निशाना बनाया। ऑपरेशन के दौरान, क्राइम ब्रांच ने चोरी की गई पूरी संपत्ति का पता लगाया और उसे कानूनी रूप से जब्त कर लिया।

बरामद की गई संपत्ति में 45 लाख रुपए नकद, लगभग 1.01 करोड़ रुपए मूल्य के सोने के आभूषण, लगभग 50,000 रुपए मूल्य के चांदी के आभूषण और हीरे के आभूषण शामिल हैं।

CBI ने 2 करोड़ से अधिक के चिट फंड घोटाले में आरोपी तन्मय मिर्धा को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2 करोड़ रुपए से अधिक के चिट फंड घोटाले में फरार चल रहे आरोपी तन्मय मिर्धा को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी 29 जनवरी को पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के ब्रह्म नगर इलाके से की गई। सीबीआई ने यह मामला 23 जून 2020 को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद दर्ज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सक्रिय चिट फंड कंपनियों से जुड़े मामलों की गहन जांच के आदेश दिए थे। सीबीआई

को जांच के दौरान पता चला कि आरोपी तन्मय मिर्धा एक्सप्रेस कल्टीवेशन लिमिटेड, कोलकाता का डायरेक्टर था और उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर आम जनता से निवेश के नाम पर भारी धनराशि एकत्र की।आरोपी ने आकर्षक रिटर्न का लालच देकर निवेशकों से करीब 2.1 करोड़ रुपए जुटाए और बाद में इस धन का गलत इस्तेमाल किया। निवेशकों को न तो तय समय पर वापस मिला और न ही उनकी मूल राशि वापस की गई, जिससे बड़ी संख्या में लोग आर्थिक नुकसान का शिकार हुए।सीबीआई ने विस्तृत जांच पूरी करने के बाद 4 फरवरी 2022 को इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी, हालांकि आरोपी जांच के दौरान एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुआ और लगातार फरार बना रहा। इसके बाद कोलकाता स्थित एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

फिल्म बॉर्डर-2 में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा, बताया कैसा रहा शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। 'बॉर्डर-2' जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं।

फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

'बॉर्डर-2' में 'बॉर्डर' से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली।

वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

'तू या मैं' में मेरा किरदार साइड रोल नहीं कहानी की मजबूत कड़ी है: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म 'तू या मैं' में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, ''आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।''

पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, ''मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।'' पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, ''एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ-साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों।''

पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, ''मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत खुश, आभारी और उत्साहित हूं और चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर जरूर देखें।''

फिल्म शतक का दमदार टीजर रिलीज बताएगी संघ की अनसुनी कहानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर आधारित फिल्म 'शतक' का टीजर शुक्रवार को जारी कर दिया गया है। यह फिल्म संघ के सौ साल की यात्रा, उसके विचार और सामाजिक योगदान को केंद्र में रखकर बनाई गई है। यह फिल्म 100 साल के लंबे पड़ाव के पूरे होने की कहानी को प्रस्तुत करती है, जिसने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। टीजर देखकर पता चलता है कि संघ से जुड़े कई सालों पुराने भ्रम और गलतफहमियों पर भी फिल्म में प्रकाश डाला गया है। टीजर से स्पष्ट होता है कि यह सिर्फ विवादों या चर्चाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि संघ के इतिहास, विचार और विकास को सही संदर्भ में पेश करती है। इसमें स्वतंत्रता संग्राम में आरएसएस का योगदान, विभिन्न समय पर लगे प्रतिबंध और आपातकाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों की झलक भी दिखाई देती है।

हाल ही में दिल्ली के केशव कुंज स्थित आरएसएस कार्यालय में फिल्म का गीत 'भगवा है अपनी पहचान' लॉन्च किया गया। इस गीत को आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया। इस गीत को प्रसिद्ध गायक सुखविंदर सिंह ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। देशभक्ति से भरा यह गीत फिल्म की भावना और मूल विचार को प्रस्तुत करता है।

फिल्म के निर्देशक आशीष मॉल ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए एक व्यक्तिगत यात्रा जैसी है। फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे संघ से जुड़े कई ऐसे पहलू समझने को मिले, जिन पर सामान्यतः चर्चा तक नहीं होती है। इस फिल्म के जरिए समाज में फैली गलतफहमियों को ईमानदारी से सामने लाना हमारी प्राथमिकता थी।

फिल्म के निर्माता वीर कपूर ने बताया, यह फिल्म पुस्तकों, दस्तावेजों और उपलब्ध साहित्य के आधार पर तैयार की गई है। हमारा प्रयास रहा कि संघ की वैचारिक परंपरा को एक सूत्र में पिरोकर सिनेमाई भाषा में प्रस्तुत किया जाए। 1875 से 1950 के बीच प्रारंभ हुए अनेक आंदोलनों में से केवल संघ ही ऐसा संगठन रहा जो बिना टूटे निरंतर आगे बढ़ता रहा। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति रही। फिल्म की टैगलाइन 'ना रुके, ना थके, ना झुके' इसी भाव को दर्शाती है।

फिल्म के सह-निर्माता आशीष तिवारी हैं। अनिल डी अग्रवाल की परिकल्पना पर आधारित और आशीष मॉल द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 फरवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल : रानी मुखर्जी

भारतीय सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों की बात होती है, तो रानी मुखर्जी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। खासतौर पर 'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है, जो सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि अपनी सोच और बयानों के जरिए भी महिलाओं की ताकत को सामने रखती हैं। इस बीच रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' होने के मायने पर खुलकर बात की और भारतीय महिलाओं की शक्ति, सहनशक्ति और साहस को बयां किया। रानी मुखर्जी ने कहा, ''मैं हमेशा सभी से यही कहती हूं कि महिलाएं अपने आप में शक्ति का स्वरूप होती हैं। जब किसी महिला को प्यार और सम्मान मिलता है, तो वह देवी गौरी और देवी पार्वती की तरह शांत, कोमल और करुणामयी होती है। लेकिन अगर कोई महिला को परेशान करता है, उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है, तो वही महिला देवी चंडी और देवी दुर्गा का रूप भी धारण कर सकती है। महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल है, क्योंकि वे हालात के अनुसार खुद को बदलना और हर चुनौती का सामना करना जानती हैं।''

रानी ने आगे कहा, ''मैं हमेशा भारतीय महिलाओं को सबसे अच्छे और सशक्त रूप में दिखाना चाहती हूं। हर भारतीय महिला के भीतर एक 'सुपरपावर' छिपी होती है, चाहे वह गृहिणी हो, टीचर हो, पत्रकार हो या पुलिस अफसर। महिलाएं न सिर्फ अपने काम को पूरी ईमानदारी और खूबसूरती से निभाती हैं, बल्कि परिवार और जिम्मेदारियों के बीच भी बेहतरीन संतुलन बनाए रखती हैं।''

रानी मुखर्जी ने कहा, ''वर्दी पहनने वाली या ताकतवर पदों पर बैठी महिलाएं भी आम महिलाओं की तरह रोजमर्रा की जिंदगी जीती हैं, लेकिन उनके भीतर एक खास मानसिक और भावनात्मक ताकत होती है, जो उन्हें हर मुश्किल से लड़ने की हिम्मत देती है। एक भारतीय महिला होने के नाते मेरे लिए यह बेहद जरूरी है कि मैं दुनिया को दिखा सकूं कि असली 'मर्दानी' कौन होती हैं और असली हीरो किसे कहा जाता है।''

उन्होंने कहा, ''मैं ऐसी सभी महिलाओं से गहराई से प्रेरित हूं जो बिना शोर मचाए, बिना सुर्खियों में आए, हर दिन समाज और अपने परिवार के लिए संघर्ष करती हैं।''

अंकिता लोखंडे ने उषा नाडकर्णी को बताया रॉकस्टार सोशल मीडिया पर लिखा दिल छू लेने वाला नोट

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय सेतुपति की आगामी फिल्म 'गांधी टॉक्स' का टीजर मंगलवार को सामने आ गया। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है। फिल्म में एआर रहमान का म्यूजिक है, जो कहानी के उतार-चढ़ाव को जीवंत करेगा। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मराठी और हिंदी सिनेमा की वरिष्ठ कलाकार उषा नाडकर्णी भी शामिल हुईं। उन्हें फिल्म में काम करते देख उनकी पुरानी को-स्टार और 'पवित्र रिश्ता' फेम अभिनेत्री अंकिता लोखंडे भावुक हो गईं। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम पर उषा नाडकर्णी का एक वीडियो शेयर करते हुए उनके प्रति अपना सम्मान और प्यार व्यक्त किया। अंकिता उन्हें प्यार से 'आई' (मां) कहकर बुलाती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में उषा जी की जमकर तारीफ की और उन्हें एक 'रॉकस्टार' बताया।

अंकिता ने लिखा, आई, आप वास्तव में एक रॉकस्टार हैं और हर तरह से हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। आपसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आप आज भी अपने काम के प्रति जुनूनी, समर्पित और विनम्र हैं। आपकी ईमानदारी और सादगी को मेरा सलाम है। मुझे आपसे बहुत प्यार है।

बता दें कि अंकिता और उषा ने टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में साथ में काम किया था। इसमें उषा ने अंकिता की सास का रोल निभाया था। यह सीरियल 2009 में ऑन एयर हुआ था, जिसमें अंकिता लोखंडे और दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने अर्चना और मानव के रूप में लीड रोल निभाया था।

किशोर पांडुरंग द्वारा निर्देशित फिल्म 'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति के अलावा अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ जाधव और महेश मांजरेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'गांधी टॉक्स' के ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर पहले ही हलचल मचा दी है। यह फिल्म एक बेरोजगार की कहानी है, जिसे पड़ोसन अदिती राव से प्यार हो जाता है। एआर रहमान के दमदार संगीत और सेतुपति, स्वामी और अदिति के शानदार अभिनय ने ट्रेलर को और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है। '

2 फरवरी से आरंभ होगा हिंदू नववर्ष का आखिरी मास फाल्गुन

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हिंदू नववर्ष का आखिरी महीना यानी 12वां माह फाल्गुन मास होता है। फागुन मास 2 फरवरी से आरंभ होकर 3 मार्च तक चलेगा। फाल्गुन माह का प्राकृतिक, वैज्ञानिक और धार्मिक रूप से विशेष महत्व है। इस माह में आने वाले त्योहार होली, महाशिवरात्रि बहुत खास माने गए हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि फाल्गुन महीने का आरंभ 2 फरवरी से शुरू हो रहा है और 3 मार्च को होली के साथ इसका समापन होगा। फाल्गुन माह के त्योहार और व्रत सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होते हैं। इस महीने होली का त्योहार मनाया जाता है। सभी इस त्योहार के लिए काफी उत्साहित रहते हैं। इसके साथ ही महाशिवरात्रि भी इस महीने मनाई जाती है। इस खास मौके पर भगवान शिव की पूजा की जाती है। पूरे देश में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ शिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि चंद्रमा का जन्म भी इसी माह में हुआ था। फाल्गुन में चंद्र देव की भी विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से मानसिक तनाव दूर होता है। अगर आपकी कुंडली में चंद्र दोष है, तो इस महीने में चंद्रमा की पूजा करने से यह दूर हो सकता है।

फाल्गुन लगने के साथ ही शहर में जगह-जगह मंदिरों में भगवान के सामने फागोत्सव खेला जाएगा। इस पूरे माह चंग व ढप के साथ पारंपरिक होली के गीत गाए जाएंगे। वहीं इस माह शादी के लिए 12 सावे हैं, जिनमें से 19 फरवरी फुलेरा दोज का अबूझ सावा भी रहेगा। फाल्गुन माह का प्राकृतिक, वैज्ञानिक और धार्मिक रूप से भी विशेष महत्व है। होली से पहले महाशिवरात्रि पर्व भी मनाया जाएगा। होली के दूसरे दिन से हिंदू नववर्ष चैत्रमास का भी शुभारंभ हो जाएगा। होलिका दहन 2 मार्च को होगा। इससे 8 दिन पहले होलाष्टक लग जाता है, इस वजह से इस दौरान शुभ मंगल कार्य वर्जित रहेंगे।

फाल्गुन महीना

फाल्गुन महीना 2 फरवरी से शुरू हो रहा है, जिसका समापन 3 मार्च 2026 को होगा। इस महीने की पूर्णिमा पर चंद्रमा फाल्गुनी नक्षत्र में होते हैं। जिस कारण इस महीने का नाम फाल्गुन कहा जाता है। मान्यता है कि इस महीने में दान करने से अक्षय पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

क्यों पड़ा फाल्गुन का नाम

शास्त्रों के अनुसार, हिंदू कैलेंडर के सभी नामों का नाम नक्षत्रों के नाम पर रखे गए हैं। किसी भी महीने की पूर्णिमा तिथि के बाद चंद्रमा जिस नक्षत्र में जाता है, तो उस महीने का नाम उसी आधार पर रखा जाता है। ऐसे ही जब चंद्रमा फाल्गुनी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तो फाल्गुन माह शुरू हो जाता है।

फाल्गुन में 12 सावे

फाल्गुन माह में शादी के लिए 12 सावे हैं। 19 फरवरी को फुलेरा दोज पर अबूझ सावा रहेगा। फुलेरा दोज के दिन सामूहिक विवाह सम्मेलनों की धूम रहेगी।

फरवरी 2026 - 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 फरवरी

खरमास और चातुर्मास 2026

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

14 मार्च 2026 को सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास पुनः प्रारंभ हो जाएगा। खरमास 13 अप्रैल 2026 तक रहेगा। इस दौरान विवाह नहीं हो सकेंगे। इसके बाद, विवाह का मौसम पुनः शुरू हो जाएगा, जो चातुर्मास के प्रारंभ तक जारी रहेगा। ज्येष्ठ अधिकमास (17 मई से 15 जून) इस बार ज्येष्ठ का महीना दो बार पड़ रहा है, इसलिए पहले महीने में शादी-ब्याह नहीं हो सकेंगे। चातुर्मास देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होकर देवउठनी एकादशी पर समाप्त होता है। देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है और इसके साथ ही शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। 2026 में देवशयनी एकादशी 25 जुलाई 2026 को और देवउठनी एकादशी 20 नवंबर 2026 को पड़ेगी। इसलिए, 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 के बीच कोई भी शुभ कार्य नहीं होंगे।

होलाष्टक

होलाष्टक का आरंभ 24 फरवरी से हो जाएगा। इस दौरान किसी भी प्रकार के शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं और न ही कोई नई वस्तमु खरीदी जाती है। होली से 8 दिन पहले होलाष्टक लग जाते हैं। यानी कि होलाष्टक 24 फरवरी से लग जाएंगे। होलाष्टक में कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है। होली से 8 दिन पहले फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक लग जाते हैं और इन 8 दिनों के लिए कोई भी शुभ कार्य शादी, विवाह मुंडन आदि पर रोक लग जाती है। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होली जलाई जाती है और उसके अगले दिन फाल्गुन कृष्ण पक्ष की पहली तिथि को रंगों की होली खेली जाती है। होली इस साल 2 मार्च की रात को जलाई जाएगा और 3 मार्च की सुबह रंग खेले जाएंगे। होलाष्टक को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस दौरान सभी ग्रह उग्र स्वभाव में होते हैं, इसलिए इस वक्त कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। उसमें बाधा आने की आशंका होती है।

फाल्गुन के व्रत और त्यौहार

02 फरवरी	फाल्गुन की शुरुआत
05 फरवरी	द्विजप्रिय संकष्टी
07 फरवरी	यशोदा जयंती
08 फरवरी	भानु सप्तमी, शबरी जयन्ती
09 फरवरी	जानकी जयंती , कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
13 फरवरी	कृष्ण भीष्म द्वादशी, कुम्भ संक्रान्ति, विजया एकादशी
14 फरवरी	शनि त्रयोदशी, शनि प्रदोष व्रत
15 फरवरी	महाशिवरात्रि
17 फरवरी	सूर्य ग्रहण, फाल्गुन अमावस्या
19 फरवरी	फुलेरा दूज
22 फरवरी	स्कन्द षष्ठी
24 फरवरी	होलाष्टक शुरू,मासिक दुर्गाष्टमी
27 फरवरी	आमलकी एकादशी
01 मार्च	रवि प्रदोष व्रत
02 मार्च	होलिका दहन
03 मार्च	होली

माघ मास की त्रयोदशी तिथि, जानें शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले पंचांग के अनुसार तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण का ध्यान रखना आवश्यक है। 31 जनवरी को माघ मास की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि रहेगी, जो सुबह 8 बजकर 25 मिनट तक प्रभावी है। इसके बाद चतुर्दशी तिथि शुरू होकर 1 फरवरी सुबह 5 बजकर 52 मिनट तक चलेगी। दिन शनिवार है, जो भगवान शनिदेव, महादेव और श्रीराम के परम भक्त हनुमान की आराधना के लिए विशेष रूप से उत्तम माना जाता है। शनिवार को हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ या हनुमान और शनिदेव की विधि-विधान से पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शनिदेव और भगवान शिव की उपासना इस दिन फलदायी सिद्ध होती है। दृक पंचांग के अनुसार, शनिवार को चंद्रमा मिथुन राशि में गोचर करेंगे। नक्षत्र पुनर्वसु रहेगा, जो रात 1 बजकर 34 मिनट तक रहेगा, उसके बाद पुष्य नक्षत्र शुरू होगा। योग विष्कम्भ सुबह 1 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। करण तैतिल सुबह 8 बजकर 25 मिनट तक प्रभावी है। सूर्योदय 7 बजकर 10 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 59 मिनट पर होगा।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 24 मिनट से 6 बजकर 17 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 56 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 23 मिनट से 3 बजकर 6 मिनट तक रहेगा। अमृत काल रात 11 बजकर 21 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक और रवि योग सुबह 7 बजकर 10 मिनट से रात 1 बजकर 34 मिनट तक रहेगा। इन समयों में पूजा-पाठ, ध्यान या नए कार्य शुरू करना शुभ फलदायी होता है।

वहीं, अशुभ समय का विचार भी महत्वपूर्ण है। राहुकाल सुबह 9 बजकर 52 मिनट से 11 बजकर 14 मिनट तक रहेगा, जिसमें कोई शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। यमगण्ड दोपहर 1 बजकर 56 मिनट से 3 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। शनिवार होने के कारण विशेष रूप से श्रीराम भक्त हनुमान, शनिदेव और महादेव की पूजा-अर्चना करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इसके लिए सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें और शाम को गोधूलि मुहूर्त में दीपक जलाकर घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखें।

शनिदेव को सरसों का तेल, काला तिल, नीला फूल और गुड़ चढ़ाएं। वहीं, महादेव को भी शिवलिंग पर तिल और गुड़ मिश्रित जल चढ़ाने के साथ ही श्रीराम भक्त को चना गुड़ चढ़ाना लाभदायी होता है। इससे रोग-दोष की मुक्ति और भगवन की कृपा मिलती है।

माता लक्ष्मी कहां मिलती हैं, सप्ताह के सात दिन और धन प्राप्ति का रहस्य

एक समय की बात है, एक बूढ़ा व्यक्ति था। उसकी छह बेटियां थीं, परंतु वह बूढ़ा व्यक्ति कोई काम-काज नहीं करता था। एक दिन उसकी पत्नी बोली, ऐसे कैसे घर का गुज़ारा होगा? कुछ काम-काज किया करो। बूढ़ा बोला, ठीक है, रोटी बना दो, कहीं काम मिल जाए तो देखता हूं।

बुढ़िया ने रोटियां बनाकर दे दीं। व्यक्ति उन्हें लेकर चल पड़ा। वह रास्ते में एक रेत के टीले पर जाकर बैठ गया। दोपहर तक वहीं रहा, फिर हाथ-पैर धोकर रोटियाँ खा लीं और चलने लगा। उसी समय मां लक्ष्मी वहां से गुजर रही थीं। उन्होंने देखा, यह बूढ़ा व्यक्ति कितना भोला और निष्कपट है। आज जब यह घर जाएगा, तो इसकी पत्नी ज़रूर पूछेगी, 'क्या कमाकर लाए?' इसे खाली हाथ देखकर दुःखी होगी। मैं ही इसके साथ चलती हूं। माँ लक्ष्मी ने एक छोटी कन्या का रूप धारण किया और खेलने लगीं।

जब बूढ़ा व्यक्ति वहां से गुज़रा, तो वह बोली, बाबा, मैं तुम्हारे साथ चलूंगी, मैं लक्ष्मी हूं? उस व्यक्ति ने कहा, चलो बेटी। लक्ष्मी बोली, पर मैं तीन काम नहीं करूंगी, न तो बर्तन मांजूंगी, न झाड़ू लगाऊंगी और न बिस्तर बिछाऊंगी। बूढ़े व्यक्ति ने हंसकर कहा, कोई बात नहीं, मेरे घर और लड़कियां हैं, वे सब काम कर लेंगी। फिर उसने उसे कंधे पर बैठाया और घर ले आया। घर पहुंचते ही पत्नी ने पूछा, क्या कमाकर लाए? बूढ़ा व्यक्ति मुस्कराया और बोला, कुछ नहीं, मैं तो इस छोटी कन्या लक्ष्मी को साथ ले आया हूं। पत्नी बोली, ठीक है, जहां और सब खाएंगे, वहीं यह भी खा लेगी। पर आश्चर्य! उस कन्या के घर में आते ही धन-धान्य की वर्षा हो गई, हर ओर सुख और समृद्धि छा गई।

कुछ दिन बाद वह लक्ष्मी कन्या बोली, बापू, मेरा सिर दुख रहा है, अब मैं चलूंगी। बूढ़ा बोला, अरे, कोई औषधी ले लो और भीतर जाकर आराम करो। वह बोली, नहीं बापू, मैं तो जाने वाली हूं, एक ही जगह ठहरना मेरे स्वभाव में नहीं है।'' बूढ़े व्यक्ति ने पूछा, तो फिर तुझे दोबारा तुम कहां मिलोगी? वह बोली, सोमवार को शिवजी के मंदिर में, मंगलवार को हनुमानजी के मंदिर में, बुधवार को श्रीराम के मंदिर में, गुरुवार को केले के पेड़ के नीचे, शुक्रवार को संतोषी माता के मंदिर में, शनिवार को पीपल के नीचे और रविवार को सूर्यदेव के सानिध्य में मिलूंगी। यह कहकर लक्ष्मी मां अदृश्य हो गईं। इस कथा का श्रवण करने के बाद अंत में यही कहा जाता है, 'हे लक्ष्मी माता! जिस प्रकार उस बूढ़े ब्राह्मण को आपने धन-सम्पदा दी, उसी प्रकार सब पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें।'

लाल किताब के ये उपाय धन संबंधी समस्याओं से दिलाएंगे राहत

कई बार जीवन में कड़ी मेहनत और प्रयास करने के बाद भी अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं। ऐसे में व्यक्ति को एक के बाद एक कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नौकरी मिलने में बाधा, धन अटकना, पैसों की तंगी, तरक्की में रुकावट आदि आर्थिक बाधाएं व्यक्ति को परेशान करने लगती हैं। लेकिन लाल किताब में इन समस्याओं से राहत पाने के उपाय बताए गए हैं। दरअसल लाल किताब ज्योतिषशास्त्र की ही एक शाखा है जिसके उपायों को बहुत प्रभावशाली, सटीक और आसान माना जाता है। ऐसे में लाल किताब के कुछ उपाय करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है।

धन-धान्य में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

लाल किताब के अनुसार, ऑफिस या अपने रोजमर्रा के कार्यों को पूरा करने के बाद घर लौटते समय खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। इसकी बजाए अपने घर कुछ न कुछ जरूर लेकर जाना चाहिए। ऐसा करने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है।

फंसा हुआ धन प्राप्त करने का उपाय

अगर लंबे समय से आपका पैसा कहीं अटका हुआ है को लाल किताब का सरल उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए प्रतिदिन नियमित रूप से लाल मिर्च के 11 बीज लेकर उसे एक लोटा जल में डालें। अब इस जल से सूर्य को अर्घ्य दें। फिर, सूर्यदेव के मंत्रों का जाप करते हुए मन में धन वापस प्राप्त करने की कामना करनी चाहिए। इस उपाय को करने से फंसा हुआ धन मिलने के नए मार्ग खुल सकते हैं।

जीवन में सुख-समृद्धि का उपाय

माना जाता है कि घर की पहली रोटी गाय को और आखिरी रोटी कुत्ते को देनी चाहिए। इससे धन लाभ के द्वार खुल सकते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, लाल किताब के मुताबिक हर शनिवार के दिन काले कुत्ते को तेल से चुपड़ी रोटी खिलानी चाहिए। साथ ही मन में धन-धान्य के बने रहने की मनोकामना करें। इस उपाय को करने से शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

घर में बरकत बढ़ाने का उपाय

लाल किताब के अनुसार, गेहूं पिसवाने से पहले उसमें 11 तुलसी के पत्ते और थोड़ा सा केसर डालें। अब इसमें से एक मुट्ठी गेहूं को लेजाकर अपने मंदिर में रखें। विधिपूर्वक पूजा के बाद एक रात के लिए गेहूं के मिश्रण को वहीं रखा रहने दें। अगले दिन उसे उठाकर बाकी गेहूं मिलाकर पिसवा लें। इस उपाय को करने से घर में बरकत बढ़ती है और धन में भी वृद्धि हो सकती है।

अचानक धन प्राप्ति का उपाय

लाल रंग के वस्त्र में पांच गोमती चक्र बांधकर एक पोटली बना लें। इसके पश्चात पोटली शुक्रवार के दिन अपने कार्यालय की चौखट पर बांध दें। इस उपाय को करने से अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, लाभ के मार्ग खुल सकते हैं। इस उपाय को श्रद्धा पूर्वक और शांत मन से करना चाहिए। लाल किताब के अनुसार उपाय को कभी भी अधूरी नहीं छोड़ना चाहिए। इन उपायों को दिन के समय करना उत्तम माना जाता है। साथ ही, एक दिन में एक ही उपाय करना चाहिए। नियम पूर्वक उपाय करने से जातक के धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है।

घर की इस दिशा में रखकर देखें ऊंट की मूर्ति करियर में मिलेगी तरक्की, बढ़ेगा सुख सौभाग्य

वास्तु, फेंगशुई और ज्योतिषशास्त्र में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही करियर में तरक्की मिलती है और सौभाग्य भी बढ़ता है। अपने घर और जीवन में गुड लक के लिए लोग कई प्रकार की पेंटिंग, मूर्तियां आदि घर में लाकर रखते हैं। वास्तुशास्त्र और फेंगशुई के अनुसार घर पर ऊंट की मूर्ति रखने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। लेकिन ऊंट की मूर्ति को सही दिशा में रखना आवश्यक होता है। साथ ही, इससे जुड़े नियमों का ध्यान रखते हुए घर में ऊंट की मूर्ति रखने से सुख सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। आइए विस्तार से जानें ऊंट की मूर्ति रखने की सही दिशा स्थान, लाभ और कुछ वास्तु नियम...

घर में ऊंट की मूर्ति रखने की सही दिशा

वास्तु के अनुसार घर में ऊंट की मूर्ति रखना शुभ होता है। इसे अपने घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। ऊंट की मूर्ति के लिए यह दिशा सबसे उत्तम मानी गई है। अगर ऐसा संभव न हो पाए तो आप पूर्व या उत्तर दिशा में भी इसे रख सकते हैं। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है।

घर में किस स्थान पर रखें ऊंट की मूर्ति

कोई भी मूर्ति घर में रखने से पहले दिशा के साथ-साथ सही स्थान का ख्याल रखना भी आवश्यक होता है। वास्तु के अनुसार, ऊंट की मूर्ति को घर में लिविंग रूम या ड्राइंग रूम में रखना सबसे शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है और परिवार के सदस्यों पर भी इसका अच्छा प्रभाव पड़ता है।

घर में ऊंट की मूर्ति रखने के नियम

* वास्तु के अनुसार, ऊंट की मूर्ति को घर में हमेशा जोड़े में रखनी चाहिए। इस प्रकार की मूर्ति रखने से जातक को व्यापार और करियर के क्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है।

* ऊंट की मूर्ति को भूलकर भी बेडरूम, बाथरूम के पास, सीढ़ियों के नीचे, फर्श पर और मुख्य द्वार के सामने नहीं रखना चाहिए। इन स्थानों पर मूर्ति रखना शुभ नहीं माना जाता है।

* पीतल या तांबे से निर्मित ऊंट की मूर्ति को घर में रखना शुभ माना जाता है। लेकिन अगर ऐसा संभव न हो तो लकड़ी या पत्थर से बनी मूर्ति भी घर में रख सकते हैं।

* ऊंट की मूर्ति लेते समय उसके साइज का भी ध्यान रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, मूर्ति अत्यधिक बड़ी या अत्यधिक छोटी नहीं लेनी चाहिए। मध्यम साइज की ऊंट की मूर्ति घर में रखना शुभ माना गया है।

* मान्यता है कि ऊंट की मूर्ति का मुख मुख्य दरवाजे की ओर नहीं रखना चाहिए। उनका मुख घर के अंदर की ओर रखना अधिक शुभ माना जाता है।

* भूलकर भी घर में टूटी हुई मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। इससे प्रतिकूल प्रभावों को सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, उसकी साफ-सफाई का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए और आप जिस स्थान पर भी ऊंट की मूर्ति रखें उसे स्वच्छ रखना आवश्यक माना गया है।

घर में ऊंट की मूर्ति रखने के फायदे

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, घर में ऊंट की मूर्ति सही दिशा और स्थान पर रखने सुख सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही, अगर आप नौकरी या व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो उससे भी राहत मिल सकती है। इससे व्यापार में उन्नति के मार्ग खुलते हैं और करियर में भी लाभ मिलता है। घर में ऊंट की मूर्ति रखने से जरूरी कार्यों में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे कम हो सकती हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

बाल मन में नायक

राहों पर निकलते युगों की पहचान कर लें, तो भविष्य की यात्राएं सुखद रहेंगी। हिमाचल में सियासी तौर पर शिक्षा को सजाने के कई दरबार बन गए और जहां हाजिरी में सिर्फ भवन तसदीक हुए। ऐसा नहीं कि पढ़ाई के दौरान कई सफल चरित्र पहचान बन गए, लेकिन हमने कतारबद्ध डिग्रियों को सरकारी नौकरी के परचम से बांध दिया। हम या तो कर्मचारी राज्य बनते गए या सरकारी नौकरी की दरगाह में मानसिक कमजोरी से पहुंचने लगे। हमारे सामने शिक्षा की हिस्ट्री ने अल्पमत विश्वास, सरकारी रोजगार या अभिभावकों का करार चुन लिया। इसी तरह हिमाचल के उदाहरण बने और एक पीढ़ी ने ऐसी उपाधियां ओढ़ लीं जो सरकारी नौकरी की मोहनी सूरत और अपनी क्षमता की मृगतृष्णा में उलझ गए। इसी दौरान स्कूल-कालेजों से ऐसे बच्चे निकले जो डिग्रियों की औपचारिकता से कहीं दूर, अपनी सफलता के क्षितिज पर अलग-अलग विषयों में डंका बजाने लगे। क्या हमें याद है कि किस कालेज से कोई युवा फिल्म उद्योग तक कैसे पहुंचा। किसने संगीत के माहौल में कालेज के दिनों को कैसे बुना। मोहित चौहान को ही लें, तो धर्मशाला कालेज परिसर में चीड़ के पौधों के नीचे कब संगीत गूंजा या धौलाधार के साक्ष्यों ने विश्वास किया। शिमला की ओकोहवा में प्रिटि जिंटा ने सिने वल्ड के डग भरे, तो कालेज की सखियों ने खुद को गौरवान्वित समझा। विक्रम बतरा ने पालमपुर के शैक्षणिक माहौल से उठकर सरहद पर नाम लिखने का बीड़ा उठाया, तो किसने सोचा होगा कि यह बच्चा डिग्रियों के कदमताल से ऊपर, देश का टीका लगाने के लिए अपने लहू का रंग इस्तेमाल करेगा। कहने का संदर्भ यह कि शैक्षणिक संस्थानों में पनपती उत्कंठा को समझने या इतिहास बनाने निकले युवाओं को याद करने की एक परंपरा होनी चाहिए। पिछली सरकार ने स्कूलों से निकले चेहरों को याद करने के लिए शुरुआत तो की, लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया। ऐसे में आधी सदी या इससे भी अधिक समय गुजार चुकी तमाम शिक्षण संस्थाओं को अपने इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। हम तात्कालिक अर्थों में व्यक्तित्व विकास के मुहावरे बनाते हैं, जबकि हमारे आसपास का मानव इतिहास प्रेरणाओं से भरा है। हर कालेज की परिधि में अगर कुछ साहित्यकार, पत्रकार, ब्यूरोक्रेट, अधिकारी, गायक और खिलाड़ी निकले हैं, तो उनकी उपलब्धियों के इतिहास का लेखाजोखा शैक्षणिक संस्थान को स्वर्णिम अक्षरों में लिखना चाहिए। स्कूलों के वार्षिक समारोह जिस रौनक के आदी हो गए हैं, वहां एक परिचय सफल उजालों से भी होना चाहिए। उस सोच की गुलामी से हिमाचल की प्रतिभा को मुक्त करने का वक्त आ गया है जो सरकार से असंभव उम्मीदों का वातावरण बनाए रखती है। जीवन की किश्ती अगर एक ही दिशा-एक ही लक्ष्य की ओर चलेगी, तो भंवर सिर्फ नजरअंदाज होंगे-फतह नहीं। स्कूलों में हर बच्चे के भीतर 'एक नायक मन' है। उसकी सृजनशीलता के ताबूत पर अभिभावकों के ताले, स्कूली पाठ्यक्रम के हस्ताक्षर और सियासी लक्ष्यों के फासले लिख दिए जाते हैं। आश्चर्य तो यह कि विश्वविद्यालय भी सियासी आडंबर में खुद को समायोजित करते रहते हैं। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन की परिपाटी, सोच की दिशा, शोध की परिकल्पना और आशाओं का सवेरा लाने के लिए शैक्षणिक परिसर के उद्गार बदलने होंगे। प्रदेश का भाषा-संस्कृति विभाग के प्रकाशन बाल मन में नायकत्व पैदा करने की पुस्तकें प्रकाशित करे। प्रदेश के पुराने स्कूल-कालेजों पर केंद्रित साहित्य, प्राचीन शहरों और गांवों के इतिहास पर लिटरेचर सामने आए तो हम ज्ञात अनुभूतियों से ऊपर अपने गौरव की पाठशाला में बच्चों के निश्चय व निर्णायक आभा को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए जोराबर सिंह, बजीर राम सिंह पठानिया या पहाड़ी गांधी कांशीराम सरीखे नायकों पर नाटकों का मंचन करें या पाठ्य पुस्तकों के प्रवाह में हिमाचल के सफल चरित्रों का वर्णन करें, तो एक आशा व प्रेरणावादी माहौल जरूर बनेगा।

हिमाचल में सियासी तौर पर शिक्षा को सजाने के कई दरबार बन गए और जहां हाजिरी में सिर्फ भवन तसदीक हुए। ऐसा नहीं कि पढ़ाई के दौरान कई सफल चरित्र पहचान बन गए, लेकिन हमने कतारबद्ध डिग्रियों को सरकारी नौकरी के परचम से बांध दिया। हम या तो कर्मचारी राज्य बनते गए या सरकारी नौकरी की दरगाह में मानसिक कमजोरी से पहुंचने लगे। हमारे सामने शिक्षा की हिस्ट्री ने अल्पमत विश्वास, सरकारी रोजगार या अभिभावकों का करार चुन लिया। इसी तरह हिमाचल के उदाहरण बने और एक पीढ़ी ने ऐसी उपाधियां ओढ़ लीं जो सरकारी नौकरी की मोहनी सूरत और अपनी क्षमता की मृगतृष्णा में उलझ गए। इसी दौरान स्कूल-कालेजों से ऐसे बच्चे निकले जो डिग्रियों की औपचारिकता से कहीं दूर, अपनी सफलता के क्षितिज पर अलग-अलग विषयों में डंका बजाने लगे। क्या हमें याद है कि किस कालेज से कोई युवा फिल्म उद्योग तक कैसे पहुंचा। किसने संगीत के माहौल में कालेज के दिनों को कैसे बुना। मोहित चौहान को ही लें, तो धर्मशाला कालेज परिसर में चीड़ के पौधों के नीचे कब संगीत गूंजा या धौलाधार के साक्ष्यों ने विश्वास किया। शिमला की ओकोहवा में प्रिटि जिंटा ने सिने वल्ड के डग भरे, तो कालेज की सखियों ने खुद को गौरवान्वित समझा। विक्रम बतरा ने पालमपुर के शैक्षणिक माहौल से उठकर सरहद पर नाम लिखने का बीड़ा उठाया, तो किसने सोचा होगा कि यह बच्चा डिग्रियों के कदमताल से ऊपर, देश का टीका लगाने के लिए अपने लहू का रंग इस्तेमाल करेगा।

पहली दिशा थी अपने युग की कुरीतियों से लडने की और दूसरी दिशा थी लोधी वंश के विदेशी शासन को उखाड़ फेंकने की

गुरु रविदास जी का जीवन दर्शन

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

माता कलसा, पिता संतोख दास। भविष्य पुराण में भी रविदास जी का उल्लेख मिलता है, जिसके अनुसार, 'मानदासस्य पुत्रो रविदास इति विश्रुत', (भविष्य पुराण खंड 4, अ 14, श्लोक 57) अर्थात मानदास का बेटा रविदास के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उनकी माता का नाम करमा देवी था। जाति व्यवस्था से संचालित हिंदू समाज सूर्यवंशी और चंद्रवंशी नाम के दो वर्गों में बंटा हुआ है। रविदास जी के पिता चन्द्रवंशी थे। रविदास जी की जन्म तिथि को लेकर विवाद चलता रहता है। लेकिन अब लम्बे अरसे से रविदास जी की जयन्ती माघ मास की पूर्णिमा के रविवार को मनाई जाती है। इसलिए व्यावहारिक रूप से यही दिन उनके जन्म का स्वीकृत किया गया है। उनका जन्म विक्रमी सम्वत 1433 (ईस्वी 1376) को हुआ था। कर्म सन्त दास जी का यह दोहा इसकी पुष्टि भी करता है- चौदह सौ तैंतीस की, माघ सुदि पंदरास।/दुखियों के कल्याण हित, प्रगटे स्री रविदास।। रविदास जी का निर्वाण विक्रमी सम्वत 1584 (ईस्वी 1527) में चित्तौड़ में हुआ।

रविदास जी का जीवन काल चौदहवीं शताब्दी से लेकर सोलहवीं शताब्दी के बीच माना जाता है। उनका जन्म काशी के समीप मंडुआ ढही में रविवार के दिन हुआ था। यही कारण है कि घरवालों ने रविवार होने के कारण ही उनका नाम रविदास रख दिया। माता कलसा, पिता संतोख दास। भविष्य पुराण में भी रविदास जी का उल्लेख मिलता है, जिसके अनुसार, 'मानदासस्य पुत्रो रविदास इति विश्रुत', (भविष्य पुराण खंड 4, अ 14, श्लोक 57) अर्थात मानदास का बेटा रविदास के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उनकी माता का नाम करमा देवी था। जाति व्यवस्था से संचालित हिंदू समाज सूर्यवंशी और चंद्रवंशी नाम के दो वर्गों में बंटा हुआ है। रविदास जी के पिता चन्द्रवंशी थे। रविदास जी की जन्म तिथि को लेकर विवाद चलता रहता है। लेकिन अब लम्बे अरसे से रविदास जी की जयन्ती माघ मास की पूर्णिमा के रविवार को मनाई जाती है। इसलिए व्यावहारिक रूप से यही दिन उनके जन्म का स्वीकृत किया गया है। उनका जन्म विक्रमी सम्वत 1433 (ईस्वी 1376) को हुआ था। कर्म सन्त दास जी का यह दोहा इसकी पुष्टि भी करता है- चौदह सौ तैंतीस की, माघ सुदि पंदरास।/दुखियों के कल्याण हित, प्रगटे स्री रविदास।। रविदास जी का निर्वाण विक्रमी सम्वत 1584 (ईस्वी 1527) में चित्तौड़ में हुआ। उस समय उनकी आयु 151 साल थी। गुरु रविदास जी की इस लम्बी आयु को लेकर आज कुछ हिचकिचाहट हो सकती है, लेकिन यह आयु इतनी नहीं है कि इसे एकदम से नकार दिया जाए। भारत में आज भी 100 से 120 साल की आयु के बुजुर्ग कहीं कहीं मिल ही जाते हैं। आज से छह-सात सौ साल पहले किसी साधक तपस्वी और श्रम साधना में विश्वास रखने वाले महापुरुष का 151 साल की आयु तक पहुंच जाना अविश्वसनीय नहीं कहा जा सकता। यह सर्वविदित है कि रविदास जी का जीवन काल तुगलक वंश के शासन काल से लेकर लोधी वंश के शासन काल तक फैला हुआ था। दरअसल भारत में एटीएम के अरब, तुर्क और मुगलों का शासन काल 1206 से ही गुलाम वंश (1206-1290) जिसे ममलूक वंश भी कहा जाता है, से शुरू हो गया था। गुलाम वंश के बाद खिलजी वंश (1290-1320), तुगलक वंश (1320-1413), सैयद वंश (1413-1451) और 1451 सन् में लोधी वंश का शासन शुरू हो गया था। बहलोल लोधी इस वंश का पहला शासक था। उसका शासन 1489 तक रहा और उसके बाद सिकन्दर लोधी का शासन 1517 तक रहा। इस वंश का अंतिम शासक इब्राहिम लोधी था जिसने 1527 तक राज किया। गुरु रविदास का आन्दोलन दो दिशाओं में था। पहली दिशा थी अपने युग की कुरीतियों से लडने की और दूसरी दिशा थी लोधी वंश के विदेशी शासन को उखाड़ फेंकने की। रविदास जी के जीवन संबंधी एक कथा यह भी प्रचलित है कि उस

समय के तुर्क बादशाह सिकन्दर लोधी ने रविदास जी को डराया, धमकाया व प्रताड़ित भी किया, लेकिन रविदास अपने पथ पर अडिग रहे। कहा जाता है कि सिकन्दर लोधी ने रविदास जी को हाथी के पैरों तले कुचलवाने का आदेश दे दिया था। लेकिन हाथी रविदास जी को देखकर आगे नहीं बढ़ा। सिकन्दर लोधी इतिहास में अपने अत्याचारों के लिए प्रसिद्ध है। जो विदेशी शासन के विरुद्ध लोक चेतना को जागृत करते थे, उन्हें वह किसी प्रकार भी नहीं बख्शता था। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद इसे विश्लेषित करते हुए लिखते हैं- 'इन घटनाओं से इतना तो सत्य सिद्ध होता ही है कि सिकन्दर लोधी ने उस समय के हिंदू संस्कृति के उन्नायक तथा संरक्षक प्रभावशाली व्यक्तियों को अवश्य ही किसी न किसी प्रकार दंडित एवं भयभीत किया होगा। शाह सिकन्दर लोधी अपने ऐसे कृत्यों के लिए इतिहास में काफी बदनाम है।' (आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद, गुरु रविदास, पृष्ठ 29)। रविदास जी ने विदेशी लोधी शासकों के राज्य के स्थान पर ऐसे राज्य की कल्पना की है जिसमें सभी प्रजाजन सुखी और प्रसन्न हों। यह तभी सम्भव है यदि शासक अपने राजधर्म का पालन करें। लेकिन कोई विदेशी शासक दूसरे देश में राज धर्म का पालन क्यों करेगा? वह तो देश के लोगों का शोषण ही करेगा। वे लिखते हैं- बेगमपुरा शहर को नांव, दुख अंदोह नहीं तिस ठांव।/न तसवीस, खिराज न माल, खौफ, खता न तरस जवाल।।/कायम दायम सदा पातशाही, दोग न सोम, सब एक सो आही।/आबादान सदा मसहूर, वहां गण बसैं मामूर। रविदास जी उन गिने चुने साधु सन्तों में से थे जो परलोक के साथ साथ इस लोक की भी चिन्ता करते थे। वे यह भी कहते ही थे कि इस लोक में सबसे बड़ा कष्ट देश की पराधीनता ही है। रविदास इसे स्वयं स्पष्ट करते हैं- पराधीनता पाप है, जान लेहु रे मीत।/रविदास दास पराधीन सौं, कौन करे है पात।।/पराधीन को दीन क्या, पराधीन बेदीन।/रविदास दास पराधीन की, सबही समझै हीन।। रविदास उस राज्य व्यवस्था के लिए भारतीयों को तैयार कर रहे थे जो उनकी दृष्टि में आदर्श राज्य होना चाहिए। उन्होंने उच्च स्वर में घोष किया था- ऐसा चाहौं राज मैं, मिले सबन कौ अन्न।/छोट बड़ों सभ सम बसैं, रविदास रहै प्रसन्न।। यही स्वराज्य और सुराज की कल्पना है। यह देश के पराधीन हो जाने के कारण पूरी नहीं हो सकती। यही कारण है कि रविदास जी पराधीनता को पाप बताते हैं। जाहिर है पराधीनता के खिलाफ पहला मोर्चा पंजाब में ही खोला जा सकता है और खोला जाना चाहिए, क्योंकि इसी रास्ते से ये हमलावर भारत में आते हैं। लोधी वंश का शासन सुल्तान काल का अंतिम शासन था। अब तक उनके खिलाफ जन आक्रोश भी बढ़ गया था। वाराणसी में केन्द्रित भक्ति आन्दोलन की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका थी ही। लोधी शासकों के आक्रोश की मार के शिकार रविदास जी भी हुए। रविदास जी के सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक विचारों के प्रचार प्रसार के लिए देश के अनेक हिस्सों में आज अनेक आश्रम कार्यरत हैं। रविदास जी के अनुयायी शिष्यों की संख्या आज करोड़ों में है। देश के हर हिस्से में उनके अनुयायी मिलते हैं। ऐसा कहा जाता है कि रविदास जी के गुरु स्वामी रामानन्द जी ने देहावसान से पहले अपने विभिन्न शिष्यों को अलग अलग स्थानों पर प्रचार प्रसार के लिए निर्देश दिया था। रामानन्द जी का देहान्त 1467 विक्रमी में 111 वर्ष की आयु में हुआ था। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद ने 'भारत दिग्विजय' को उद्धृत करते हुए लिखा है, 'रामानन्द जी ने अपना निर्वाण समय समीप जानकर धन्ना, कबीर, रविदास और सेन को काशी में रहकर, सुरसुरानन्द को पंजाब में, भावानन्द को दक्षिण में, नरहर्यानन्द को उत्कल में, गालवानन्द को कश्मीर में, पीपा तथा योगानन्द को गुजरात में रहकर समाजसेवा, धर्म एवं भक्ति का प्रचार करने का आदेश दिया था।' (आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद, गुरु रविदास, पृष्ठ 6)। उन दिनों काशी यद्यपि पूरे भारतवर्ष का सांस्कृतिक केन्द्र था, परन्तु उत्तरी भारत की वह सांस्कृतिक राजधानी ही कही जा सकती थी। इसीलिए भक्ति आन्दोलन के प्रमुख कर्णधारों का केन्द्र भी काशी ही था। भक्ति आन्दोलन के कर्णधारों के आचार्य भारत के दक्षिणी क्षेत्र के थे। सप्त सिन्धु क्षेत्र भारत पर अरबों, तुर्कों व मुगलों के आक्रमणों का रास्ता था। भक्ति काल के सन्त महात्मा एक स्तर पर विदेशी हमलावरों को चुनौती भी दे रहे थे। इसलिए सप्त सिन्धु क्षेत्र या पंजाब में लोक चेतना जागृत करने के लिए पंजाब में उनकी यात्राओं का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। सबसे बड़ी बात यह कि पंजाब उत्तरापथ पर स्थित है। उत्तरापथ विदेशी आक्रमणकारियों के लिए भी सहायक बना। इसी उत्तरापथ से गुरु रविदास जी के पंजाब में प्रवास के विवरण मिलते हैं। रविदास जी के आश्रम आज भी विद्यमान हैं।

देश दुनिया से

सुनो नहरों की पुकार : जब आस्था पर्यावरण से संवाद करती है

आज जब हम पूजा, परंपरा और श्रद्धा की बात करते हैं, तो अक्सर भूल जाते हैं कि धर्म का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा है—विनाश नहीं। जल, जो जीवन का आधार है, वही यदि हमारी आस्था के नाम पर अपवित्र हो जाए, तो यह आत्ममंथन का विषय बनता है। "सुनो नहरों की पुकार" ऐसा ही एक जनजागरण अभियान है, जो हमें हमारी ही भूलों से रूबरू कराता है और बताता है कि सच्ची पूजा क्या है। नहरें सिर्फ़ पानी का बहाव नहीं हैं। वे खेतों की हरियाली, पशुओं की प्यास, गाँवों की संस्कृति और सभ्यता की धमनियाँ हैं। इन्हीं नहरों के सहारे किसान अपने खेतों में सोना उगाता है, पशु जीवन पाते हैं और ग्रामीण समाज की अर्थव्यवस्था चलती है। परंतु आज यही जीवनरेखाएँ हमारी असावधानी और अंधी परंपराओं के कारण कराह रही हैं। पूजा के बाद की सामग्री—मूर्तियाँ, फूल, कपड़े, प्लास्टिक, सिंदूर, अगरबत्ती, नारियल, यहाँ तक कि मृत पालतू पशु—नहरों में प्रवाहित कर दिए जाते हैं। जो कर्म श्रद्धा के नाम पर किए जाते हैं, वे दरअसल प्रकृति के विरुद्ध अपराध बन चुके हैं। इसी पीड़ा और चिंता से जन्मा "सुनो नहरों की पुकार" अभियान। इसकी शुरुआत रोहतक में डॉ. जसमेर सिंह हुड्डा (संयोजक) और हिसार में माननीय भूपेंद्र सिंह गोदारा के प्रयासों से हुई। यह कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या और निरंतर जागरूकता का परिणाम है। यह अभियान न किसी राजनीतिक लाभ के लिए है, न किसी संगठनात्मक प्रसिद्धि के लिए। इसका उद्देश्य केवल एक है—नहरों को प्रदूषण से मुक्त करना और समाज की सोच में बदलाव लाना। गुरेरा गाँव की मिट्टी से उठे मास्टर भूपेंद्र गोदारा ने इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले अनेक जागरूक साथी—सुबेदार मेजर दलीप सिंह, टेकचन्द बागड़ी, श्री दलवीर पोटलिया, रिटायर्ड आचार्य विजेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, प्राचार्य अजीत सिंह, निहाल सिंह गोदारा, श्री पवन कुमार सहित कई समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता। इन सभी का स्पष्ट विश्वास है कि जब तक समाज अपनी आदतें नहीं बदलेगा, तब तक नहरों की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। नियम-कानून अपनी जगह हैं, पर वास्तविक बदलाव तभी आएगा जब जनमानस जागेगा। कोरोना जैसे भयावह समय में भी यह कारवाँ नहीं रुका। रविवार हो या छुट्टी, त्योहार हो या बारिश—टीम नहरों के किनारे हाथों में तख्तियाँ लिए खड़ी दिखाई दी। तख्तियों पर

लिखे वाक्य केवल नारे नहीं थे, बल्कि समाज से संवाद थे "जल है तो कल है", "नहरों को प्रदूषित मत करो", "आस्था है तो स्वच्छता भी हो"। हिम्मत सिंह, राममूर्ति, नरेंद्र कुल्हड़िया, प्रवीण वकील, सुरेंद्र गोदारा, संदीप, सीताराम, शेर सिंह, विकास गोदारा, रामभगत पुनिया जैसे समाजसेवियों ने इस आवाज़ को मजबूती दी। वहीं सुमन गोदारा, संतोष गोदारा, रचना, पुष्पा, कमला, सुनीता, शीला, तारा देवी, सुदेश ढांडा जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को सामाजिक गहराई प्रदान की। गुरेरा से इंस्पेक्टर उदयभान गोदारा ने भी लोगों से आह्वान किया कि जब तक यह संदेश हर गली और हर घर तक नहीं पहुँचेगा, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा। जब जीवनदायिनी जलधारा में प्लास्टिक, रसायन और जैविक कचरा घुल जाता है, तो वही जल विष बन जाता है। यह विषाक्त जल खेतों में जाता है, मिट्टी को बीमार करता है, फसलों की गुणवत्ता घटाता है और अंततः हमारे भोजन में प्रवेश करता है। यह संकट केवल कृषि तक सीमित नहीं है। नहरों का पानी पीने वाले पशु, पक्षी और अन्य जीव रोगग्रस्त हो जाते हैं। जलजनित रोग, त्वचा रोग, पाचन संबंधी समस्याएँ और दीर्घकाल में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि जल प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए एक मौन आपदा बन चुका है। "सुनो नहरों की पुकार" अभियान का मूल संदेश सीधा और स्पष्ट है—धर्म का अर्थ है प्रकृति की रक्षा। यदि भगवान सर्वव्यापी हैं, तो वे नदियों, नहरों, पेड़ों और जीवों में भी हैं। फिर उनकी पूजा के नाम पर इन्हीं तत्वों को दूषित करना कैसी आस्था है? पूजा सामग्री को नहरों में बहाना धर्म नहीं, बल्कि अधर्म है। मास्टर भूपेंद्र गोदारा का प्रश्न समाज से सीधा संवाद करता है— "हे प्रभु, आपके नाम पर लोग प्रकृति का इतना अपमान क्यों कर रहे हैं? यह कैसी श्रद्धा है, जो जीवनदायिनी नहरों को विष से भर रही है?" यही प्रश्न इस आंदोलन की आत्मा है। कोई भी आंदोलन तब तक सफल नहीं होता, जब तक जनता उसका हिस्सा न बने। इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि इसने हजारों लोगों की सोच बदली है। अब अनेक स्थानों पर लोग पूजा सामग्री को नहरों में बहाने के बजाय मिट्टी में दबा रहे हैं, पौधों के नीचे रख रहे हैं या जैविक खाद बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। ये छोटे-छोटे कदम दिखने में साधारण हैं, लेकिन इन्हीं से बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। जब आदतें बदलती हैं, तभी संस्कृति बदलती है। "सुनो नहरों की पुकार" केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक सामूहिक प्रार्थना है— नहरों को स्वच्छ रखो, जीवन को सुरक्षित रखो। यदि नहरें बचेंगी तो खेत हरे-भरे रहेंगे, पशु-पक्षी सुरक्षित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ जल का उपहार पाएँगी। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि जल ही जीवन है और इसकी रक्षा करना किसी एक व्यक्ति या संगठन की नहीं, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। आज समय आ गया है कि हम आस्था और अंधविश्वास के बीच का अंतर समझें। सच्ची श्रद्धा वही है, जो जीवन को बचाए—न कि उसे संकट में डाले। "सुनो नहरों की पुकार" दरअसल हमारी अंतरात्मा की पुकार है।

आप का नज़रिया

गांधी जी को नमन

देश के स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया परिचित है। वे जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। अहिंसा की राह पर चलते हुए देश को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर कई किताबें भी लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनका अहिंसा का सिद्धांत, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया। गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है जिसे आप अगर दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था। महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय हमारे देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि अब देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आंदोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आंदोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से साफ इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया, लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था। गांधी जी की शादी पोरबंदर के एक व्यापारी परिवार की बेटी कस्तूरबा के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए थे, जहां से वकालत की पढ़ाई करके स्वदेश वापस आने के बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया। उनका संघर्ष काफी लंबा चला, बहरहाल, पुण्यतिथि पर उन्हें नमन।

वे जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। अहिंसा की राह पर चलते हुए देश को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर कई किताबें भी लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनका अहिंसा का सिद्धांत, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया। गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है जिसे आप अगर दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है।

कुछ अलग

कुर्सी लागे प्यारी...

पच्चीस वर्ष का गबरु नौजवान परसादी लाल विधायक का चुनाव जीतकर अपनी माता के, श्री चरणों में गिरकर बोला- 'मैया मोहे कुर्सी लागै प्यारी।' माता बोली- 'उठो बेटा, कुर्सी तुम्हारे लिए बाल्यकाल से प्यारी लगती है। जब तुम छोटे थे तो तुम्हारे बाबा तुम्हारे लिए एक कुर्सी लाए थे, जिसको तुम छोड़ ही नहीं पाते थे और हमेशा उस पर बैठे रहते थे। स्कूल में तुम्हारा पढने में मन नहीं लगता था तथा सदैव नेतागिरी में लगे रहना तुम्हारा शगल था। आज तुमने उसी शगल को व्यवसाय में बदल दिया है। मुझे अत्यंत खुशी हो रही है कि तुम विधायक बन गए।' परसादी लाल उठ खड़ा हुआ और बोला- 'माते, पढ़-लिखकर मैं क्या करता। बेकारी की लम्बी लाइन में जा लगता और तुम्हारे लिए सिरदर्द बन जाता। मैंने दल-दल को नहीं पाला। मैंने निर्दलीय जीत हासिल की है। माते, आजकल गठबंधन सरकारें बनती हैं और उन्हें बहुमत के लिए विधायकों की दरकार रहती है। चिंता मत करो मेरा यह कुर्सी मोह ही मुझे जल्दी ही मंत्री पद भी दिलवाएगा। माता! हारने वाले दल के प्रत्याशियों की बहुत दुर्गति होती है। वे पांच वर्ष एक खूंटे के बंधे अपने कर्मों को कोसते हैं। माता मुझे आशीर्वाद दीजिये।' परसादी लाल की माता ने उसे गले से लगा लिया और बोली- 'जाओ मंत्री बनो।' परसादी की बांछें खिल गईं। वह बोला- 'माते, चुनाव में अधिकतम सीटें प्राप्त करने वाले दल के पास सरकार बनाने जितने विधायक नहीं हैं और उसकी तरफ से मुझे ऑफर मिल रहे हैं। अभी बारगेनिंग चल रही है। भगवान ने चाहा तो मुझे चुनाव में खर्च किया हुआ धन और मंत्री पद दोनों मिल जाएंगे।

दृष्टि कोण

वैश्विक समस्याओं का समाधान सहयोग से संभव है, टकराव से तो कतई नहीं!

दुनिया का थानेदार अमेरिका और उसका विकल्प बनने की चाहत रखने वाले चीन समेत अन्य विघ्नसंतोषी देशों को शांतिप्रिय व गुटनिरपेक्ष देश भारत ने एक नहीं बल्कि कई बार स्पष्ट कूटनीतिक संदेश दिए हैं कि वैश्विक समस्याओं का समाधान पारस्परिक सहयोग से ही संभव है, टकराव से कतई नहीं लेकिन उनकी शहंशाही प्रवृत्ति है कि मानती नहीं बल्कि तरह तरह से भारत को घेरने या चिढ़ाने की कोशिश करती रहती है। यही वजह है कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाले नए भारत ने ऐसे देशों की अनदेखी, अनसुनी करते हुए अपनी सकारात्मक पहलों से अक्सर चौंकाने वाले परिणाम देने शुरू कर दिए हैं, जिससे भारत की प्रतिष्ठा और साख दोनों में अभूतपूर्व इजाफा हुआ है। खासकर, वैश्विक समस्याओं जैसे जलवायु परिवर्तन, महामारी और गरीबी का समाधान सहयोग से ही संभव है क्योंकि ये सीमाओं से परे हैं। पारस्परिक युद्धों की तरह इन मुद्दों पर टकराव ऐसी समस्याओं को बढ़ाता ही है, जबकि अंतरराष्ट्रीय साझेदारी संसाधनों और प्रयासों को एकजुट करती है। यदि पारस्परिक सहयोग के कतिपय प्रमुख उदाहरणों की बात की जाए तो साल 2019 की अंतरराष्ट्रीय महामारी कोविड-19 के वैक्सीन के विकास में वैश्विक सहयोग ने रिकॉर्ड समय में टीके तैयार किए, जैसे COVAX पहल और वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय साझेदारी ने। कहना न होगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), Gavi, CEPI और UNICEF के सह-नेतृत्व में COVAX ने COVID-19 टीके 146 देशों को 2 अरब खुराकें वितरित कीं, जिससे निम्न-आय वाले देशों में 2.7 मिलियन मौतें टलीं। इसप्रकार यह पहल वैश्विक महामारी प्रबंधन का एक उत्कृष्ट मॉडल बनी। इससे पहले पेरिस समझौता ने 2015 से ही देशों को एकजुट कर जलवायु लक्ष्य निर्धारित करने में सफलता पाई जिससे नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बढ़ा। देखा जाए तो जलवायु पर पेरिस समझौता (2015) ने 196 देशों को वैश्विक तापमान वृद्धि 2°C से नीचे रखने के

लक्ष्य पर एकजुट किया जिससे नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बढ़ा। यह UNFCCC के तहत बहुपक्षीय सहमति का प्रतीक है। वहीं संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच पर्यावरण और शांति के लिए विशेष समूह गठित कर साझेदारी को बढ़ावा देते हैं। जहां तक पारस्परिक टकराव के नकारात्मक प्रभाव की बात है तो रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक अनाज आपूर्ति बाधित कर 27.6 करोड़ लोगों को भुखमरी की कगार पर पहुंचाया। जबकि सूडान, गाजा और माली जैसे संघर्षों ने 2024 में 14 करोड़ लोगों को भयानक भुखमरी का शिकार बनाया। विशेषकर, शांति स्थापना में UN मिशन अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के 63 शांति अभियान 37 देशों में सक्रिय हैं, जैसे पूर्वी स्लावोनिया (UNTAES) और कोसोवो (UNMIK) में सफल संक्रमणकालीन प्रशासन। इस दिशा में भारत ने 2.9 लाख शांति रक्षक तैनात कर सबसे बड़ा योगदान दिया। जहां तक अन्य क्षेत्रीय सफलताएँ की बात है तो BRICS ने यूक्रेन में मध्यस्थता और गाजा में युद्धविराम के लिए कूटनीति चलाई। जबकि QUAD और ASEAN जैसे मंच सुरक्षा व जलवायु पर सहयोग बढ़ाते हैं। इस प्रकार देखा जाए तो किसी भी प्रकार के टकराव असमानता बढ़ाते हैं और बहुपक्षीय व्यवस्था को कमजोर करते हैं। लिहाजा यदि आगे की सही राह निकालनी है तो देर सबेर बहुपक्षवाद को मजबूत कर वित्त, तकनीक और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए देश-दुनिया के नेताओं को राष्ट्रीय हित से ऊपर उठकर वैश्विक साझेदारी अपनानी चाहिए।

युवा ज्ञान, विनम्रता, सफलता और शक्ति के साथ सेवा भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं : सैनी

चण्डीगढ, 30 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं का आह्वान किया कि वे ज्ञान, विनम्रता, सफलता, संवेदनशीलता और शक्ति के साथ सेवा भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। यही हमारे महान गुरुओं का संदेश और जीवन का मार्गदर्शन है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को चण्डीगढ के श्री गुरु गोबिन्द सिंह कॉलेज के 61 वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सिख एजुकेशन सोसायटी को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सिख एजुकेशन सोसायटी की सराहना करते हुए कहा कि समारोह में आकर उन्हें अत्यंत गर्व और गौरव की अनुभूति हो रही है। यह समारोह धर्म, शौर्य और बलिदान के प्रतीक दसवें पातशाह, श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि जब हम श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का स्मरण करते हैं, तो आंखों के सामने एक वीर योद्धा का स्वरूप उभर कर आता है जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानवता, धर्म और न्याय के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने हमें सिखाया कि सिर कटाया जा सकता है, पर सिद्धांत नहीं, शरीर मिट सकता है, पर आत्मसम्मान नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉलेज का यह स्थापना दिवस उस महान परंपरा, विचारधारा और चेतना का उत्सव है, जिसने सदियों से भारत की आत्मा को जागृत रखा है, जो कॉलेज के स्थापना वर्ष 1966 में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर की गई थी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गुरु जी ने त्याग, साहस व मानवता का संदेश दिया, उसी प्रकार इस कॉलेज का उद्देश्य विद्यार्थियों में गुरु जी के महान गुणों का विकास करना है और यही इस कॉलेज की आत्मा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भी अहम भूमिका होती है जो केवल पाठ्यक्रम ही नहीं पढ़ाते बल्कि जीवन का मार्ग भी दिखाते हैं। इसके अलावा गुरु परम्परा का निर्वहन करते हुए शिक्षक ज्ञान के साथ साथ बच्चों को संस्कारवान बनाने का भी कार्य करते हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु गोबिन्द सिंह कॉलेज केवल शिक्षा ज्ञान प्रदान करने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण और मानव निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस कॉलेज ने देश को ऐसे प्रतिभाशाली महानुभाव दिए हैं जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में बड़ा नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना ही सच्चा धर्म बताते हुए डर से नहीं, धर्म से जियो, स्वार्थ से नहीं, सेवा से जियो का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संस्थान की नींव ही त्याग, बलिदान, साहस और सत्य जैसे मूल्यों पर रखी गई है। हरियाणा सरकार भी प्रदेश के हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्य और रोजगार के समान अवसर दिलाने के लिए कृतसंकल्प है। इसके लिए हरियाणा में शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप, खेल और रोजगार आदि हर क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर सृजित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि युवाओं को उच्चतर शिक्षा, अनुसंधान एवं शोध के लिए हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष बनाया गया, जिसमें अब तक 360 से अधिक परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी के अनुरूप ढालने के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। हर जिले में एक राजकीय मॉडल संस्कृति महाविद्यालय तथा 20 किलोमीटर के दायरे में एक कॉलेज खोलने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति की सफलता, प्रभावी मापनीय व समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु पंचकूला में इंटेलिजेंट डेटा ड्रिवन डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, नीव पोर्टल शुरू किया गया है जो नीति निर्माण और संस्थागत क्रियान्वयन के बीच की दूरी को समाप्त करेगा।

ऑस्ट्रेलिया में विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने की न्यू साउथ वेल्स विस अध्यक्ष ग्रेग पाइपर से विधायी विषयों पर चर्चा

चंडीगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण अपने सात दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। इस दौरान शुक्रवार को उन्होंने न्यू साउथ वेल्स की विधान सभा के अध्यक्ष ग्रेग पाइपर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों विधायी संस्थाओं की परंपराओं, संसदीय कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान विधानसभा संचालन, विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक के उपयोग, सदन की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने, विधायकों के प्रशिक्षण, समितियों की भूमिका तथा संसदीय मर्यादाओं के पालन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों अध्यक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि मजबूत विधान सभाएं लोकतंत्र की रीढ़ होती हैं और इनके माध्यम से जनआकांक्षाओं को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया जा सकता है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि दोनों विधान सभा लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखती हैं। एक-दूसरे के संसदीय अनुभवों से सीख लेकर विधायी संस्थाओं को और अधिक सक्षम, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाया जा सकता है। उन्होंने हरियाणा विधान सभा में अपनाई जा रही विभिन्न नवाचारों और सुधारात्मक प्रयासों की जानकारी भी साझा की। न्यू साउथ वेल्स विधान सभा अध्यक्ष ग्रेग पाइपर ने हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का स्वागत करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी संसदीय परंपराएं अत्यंत समृद्ध हैं। हरियाणा भारत में विशिष्ट स्थान रखता है। दोनों विधान सभाओं के बीच संवाद और सहयोग से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूती मिलेगी।

ई-नीलामी से पूर्व विकास कार्य पूर्ण करना आवश्यक : राइट टू सर्विस कमीशन

चंडीगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने सेक्टर 77 फरीदाबाद में एचएसवीपी द्वारा किए गए एक ई-नीलामी प्रकरण की समीक्षा करते हुए यह स्पष्ट किया है कि किसी भी प्लॉट को ई-नीलामी में शामिल करने से पूर्व सभी आवश्यक विकास कार्यों का पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया आवंटियों की सुविधा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निहित रूप से आवश्यक है। आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आम नागरिक सरकार पर विश्वास कर ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेते हैं। ऐसे में यह अपेक्षित है कि संबंधित विभाग द्वारा सभी आधारभूत सुविधाओं एवं विकास कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाए, जिससे आवंटी बिना किसी असुविधा के निर्माण कार्य आरंभ कर सकें। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने यह भी संज्ञान लिया कि आवंटन पत्र की शर्तों के अनुरूप, समय पर कब्जा न दिए जाने की स्थिति में देय ब्याज का भुगतान विलंब से किया गया। आयोग के हस्तक्षेप के पश्चात इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई। आयोग ने एस्टेट ऑफिसर को निर्देश दिए हैं कि आवंटी को देय विलंबित ब्याज का भुगतान किया जाए, कब्जे की तिथि में आवश्यक संशोधन किया जाए तथा वसूली गई एक्सटेंशन फीस नियमानुसार वापस की जाए। इस संबंध में अनुपालना रिपोर्ट 05 फरवरी 2026 तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

ई-नीलामी से संबंधित अभिलेखों की समीक्षा में यह तथ्य भी सामने आया कि संबंधित प्लॉट को क्लियर दर्शाया गया था, जबकि उसके सामने की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में थी। आयोग ने इस विषय पर प्रशासनिक स्तर पर और अधिक सावधानी एवं समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया है। इस संपूर्ण प्रकरण की जानकारी हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव के संज्ञान में भी लाई गई है, ताकि आवश्यक प्रशासनिक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें। आयोग ने प्रभावित आवंटी श्री मनोज वशिष्ठ को हरियाणा राइट टू सर्विस एक्ट, 2014 के प्रावधानों के तहत 5,000 रुपये तक का मुआवज़ा प्रदान करने के आदेश दिए हैं, जिसका भुगतान एचएसवीपी द्वारा 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। साथ ही, विभाग को यह स्वतंत्रता दी गई है कि नियमानुसार यह राशि संबंधित अधिकारियों से वसूल की जा सके।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में राजस्थान के वित्तीय प्रबंधन, सामाजिक नवाचारों को मिली सराहना

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वित्तीय अनुशासन, संसाधनों के कुशल उपयोग और विकासोन्मुखी खर्च के माध्यम से राज्य की आर्थिक बुनियाद मजबूत हो रही है, जिसके सुपरिणाम भी सामने आ रहे हैं। भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में राजस्थान के आर्थिक प्रबंधन, सामाजिक स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचारों, बेस्ट प्रैक्टिसेज तथा प्रशासनिक सुधारों को उल्लेखनीय रूप से रेखांकित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा राजस्व संतुलन बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को आर्थिक सर्वेक्षण में रेखांकित करते हुए राजस्थान के राजस्व घाटे में आ रही कमी को इंगित किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में प्रदेश का राजस्व घाटा 38 हजार 954 करोड़ रुपए तक पहुंच गया था, वह मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमानों में घट कर 31 हजार 939 करोड़ रुपए रह गया। वर्ष 2025-26 के बजट के आय व्ययक अनुमान में इसके 31 हजार 9 करोड़ रुपए रहने की संभावना व्यक्त की गई थी। ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2023-24 में राजस्थान में मुद्रा स्फीति 6.39 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2024-25 में घटकर 4.34 प्रतिशत पर आ गई। वर्ष 2025-26 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान राजस्थान में खुदरा मुद्रा स्फीति 0.81 प्रतिशत रही है, जो प्रभावी आपूर्ति प्रबंधन, लक्षित हस्तक्षेप और प्रशासनिक समन्वय को दर्शाती है।

बाल एवं मातृ कुपोषण से निपटने के लिए प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर और बारां जिलों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना के लाभ हस्तांतरण को एकीकृत कर लागू किए राजस्थान के कैश प्लस मॉडल को आर्थिक सर्वेक्षण में विशेष रूप से बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में सराहा गया है।

पहले बड़ी संख्या में लाभार्थियों द्वारा धन का उपयोग पोषण के स्थान पर अन्य कार्यों के लिए किया जा रहा था। इसमें बदलाव लाने के लिए दोनों नकद अंतरण योजनाओं को एकीकृत करने के साथ ही खान-पान की पुरानी आदतों और बच्चों के पोषण के बारे में व्यवहार परिवर्तन लाने पर फोकस किया गया। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर पोषण पर सलाह देने के लिए प्रशिक्षित किया गया। एएनएम ने गर्भावस्था के दौरान देखभाल पर व्यक्तिगत परामर्श दिया।

पत्रकार सकारात्मक पत्रकारिता के माध्यम से समाज को नई दिशा दिखाने का काम करें : वासुदेव देवनानी

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पत्रकारों का आह्वान किया है कि वे सामाजिक सरोकारों से जुड़ कर सकारात्मक पत्रकारिता के माध्यम से समाज को नई दिशा दिखाने और मार्गदर्शन देने का कार्य करें। साथ ही लोकतन्त्र को मजबूत बनाने एवं नई पीढ़ी में देश भक्ति की भावना पैदा करने और हमारे देश की सनातन संस्कृति को उजागर करने का काम भी करे तभी भारत विश्व का सिरमोर बन सकेगा। विधानसभाध्यक्ष देवनानी गुरुवार सायं जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में नेशनल मीडिया फाउंडेशन,नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने पत्रकारों से अपील की कि वे लोकतन्त्र के चौथे स्तंभ की अपनी भूमिका का सही अर्थों में पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 की कल्पना को साकार करने में सहभागी बनें । उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने जा रहा है और भविष्य में भारत के दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की भी उम्मीद है। विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि भारत ने कभी आक्रमण के जरिए दुनिया पर अपना दबदबा बनाना नहीं चाहा। हमारा महान देश किसी तरह विश्व की महाशक्ति भी बनना नहीं चाहता बल्कि, हम अपने सनातन मूल्यों के द्वारा पूरे विश्व के लिए एक महान मार्गदर्शक बनना चाहते है और दुनिया के महानायक बन कर विश्व में शान्ति, सद्भाव, प्रेम, विश्वास और अपनत्व की भावना विकसित करने में विश्वास रखते है। पूरी दुनिया हमारा अपना परिवार हैं तथा विश्व बंधुत्व और अहिंसा हमारा मूल मंत्र है, जिसके कारण हम पहले भी विश्व गुरु थे,आज भी है और आगे भी विश्व गुरु बने रहेंगे। देवनानी ने कहा कि आज विश्व की परिस्थितियों एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। ऐसे में पत्रकारों को सत्य को उजागर कर जन जागरण के कार्य में अपनी महती भूमिका को निभाना होगा। आज हमारे पड़ोसी देश बांगला देश में हो रहे मानवाधिकारों के हनन की घटनाओं को लेकर कोई भी नहीं बोल रहा, ऐसे में भारतीय मीडिया को विश्व के सामने सही तस्वीर को उजागर करने के लिए आगे आना चाहिए। साथ ही अपनी गुरुत्तर जिम्मेदारियों को समझते हुए ऐसी कोई भी अतिरंजित खबरे देने से भी परहेज करना चाहिए जिससे भारत की सुरक्षा आवश्यकताओं को तनिक भी खतरा उत्पन्न हो जाए।

इंडिया स्टोन मार्ट के आयोजन से राजस्थान के पत्थर उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन : राठौड़

जयपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इंडिया स्टोन मार्ट के आयोजन से राजस्थान के पत्थर उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश के कारीगरों को देश-विदेश में इस क्षेत्र की नवीनतम तकनीक की जानकारी मिल सकेगी। रीको, सीडोस और लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह कार्यक्रम नीति संवाद, तकनीक और वैश्विक सहयोग का अंतरराष्ट्रीय मंच बनेगा। कर्नल राठौड़ ने शुक्रवार को इंडिया स्टोन मार्ट 2026 के संबंध में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान इस आयोजन में शामिल होने वाले देश-विदेश के प्रतिभागियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। पत्थर उद्योग क्षेत्र से जुडे सभी हितधारकों को एक अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2000 में शुरू हुए इंडिया स्टोन मार्ट का इस वर्ष 13वां संस्करण है। यह अब तक का सबसे भव्य आयोजन होगा। इसमें चीन, तुर्की, ईरान, थाइलैंड, इटली सहित अन्य देशों से प्रदर्शक भी शामिल होंगे। स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा ने कहा-

इंडिया स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा ने बताया कि इस बार इंडिया स्टोनमार्ट 2026 अपने इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण होने जा रहा है। आयोजन लगभग 25,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में किया जा रहा है, जिसमें 539 स्टॉल्स लगाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस संस्करण की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय भागीदारी है।पहली बार चीन, तुर्की, ईरान, थाईलैंड, इटली, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका जैसे 8 देशों से प्रदर्शक इंडिया स्टोनमार्ट में भाग ले रहे हैं।

आज हरियाणा भवन में आयोजित होने वाले मां बनभौरी वाली जी के आठवें अमृतमहोत्सव में भाग लेने हेतु बनभौरी धाम के पुजारी श्री सुशील जी कौशिक और पंडित संजय शर्मा जी का शमशाबाद एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए संस्था के सुशील मित्तल ,रमेश मित्तल, सुनील सिंघल, एडवोकेट श्री अनिरुद्ध शर्मा और अन्य

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। ज़रूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आखिर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दु:ख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख-दर्द भुला देता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवनसाथी के मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दख़ल देना उसकी झुंझलाहट का कारण बन सकता है। ग़ुस्से को फिर से भड़कने से रोकने के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आसानी से इस परेशानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मातहतों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करना सकारात्मक परिणाम देगा। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ूबसूरत परिवर्तन हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फ़ायदेमंद होगी। ख़ास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें – हो सकता है कि वे आपकी ज़रूरतों को ज़्यादा गंभीरता से न लें। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगें। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान-पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हल्का-सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फ़ैसले ख़ुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 जनवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 08:28 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 01:35 तक
योग : विष्कुंभ दोपहर 01:33 तक
करण : तैतिल प्रातः 08:28 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 08:28 तक
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुरु गोरखनाथ – विश्वकर्मा जयंती ,श्री करपात्रीजी पुण्य तिथि , भद्रा रात्रि 05:53 से , चतुर्दशी तिथि का क्षय, शुक्र तारा अस्त है

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जिला कलेक्टर हरिता ने मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया

नगर निकाय चुनाव में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर

आसिफाबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला एकीकृत कार्यालय परिसर (कलेक्ट्रेट) के कक्ष संख्या 13 में स्थापित मीडिया सेंटर एवं मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी सेल (एमसीएमसी) का उद्घाटन शुक्रवार को जिला कलेक्टर एस. के. हरिता ने राज्य मंडल धिकारी लोकेश्वर राव के साथ किया।

उद्घाटन के दौरान कलेक्टर ने मीडिया सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा एमसीएमसी सेल के कर्तव्यों एवं व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी नगर निकाय चुनाव से संबंधित सभी जानकारी समय-समय पर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को उपलब्ध कराई जाए।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गठित एमसीएमसी सेल द्वारा पेड न्यूज का पता लगाने, अभियान विज्ञापनों से संबंधित चुनाव व्यय की समय पर गणना करने तथा सोशल मीडिया पर पोस्ट की निगरानी करने पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले किसी भी पोस्ट पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की कि वे पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव कराने में पूर्ण सहयोग करें।

कार्यक्रम में जिला नागरिक संपर्क पदाधिकारी वाई. संपत कुमार, समाहरणालय प्रशासन पदाधिकारी किरण कर्मचारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय स्नातक महाविद्यालय साइंस में विस्तार व्याख्यान का आयोजन

बिहारी के दोहों पर कुमारी लक्ष्मी प्रसन्न ने किया व्याख्यान

आदिलाबाद/आसिफाबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना शासकीय स्नातक महाविद्यालय (साइंस), आसिफाबाद में शुक्रवार को हिंदी विभाग की ओर से विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना आदिवासी आवासीय स्नातक महाविद्यालय (पुरुष), बोथ, आदिलाबाद की हिंदी विभागाध्यक्ष कुमारी लक्ष्मी प्रसन्न ने विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने रीतिकाल काल के प्रमुख कवि बिहारी के दोहों पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनकी भाषा शैली, भाव पक्ष तथा सामाजिक प्रासंगिकता पर गहन चर्चा की।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जे. संगीता ने मुख्य वक्ता कुमारी लक्ष्मी प्रसन्न को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष सहायक आचार्य राठौड़ श्रावण, प्राध्यापिका डॉ. राधा तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को हिंदी साहित्य की रीतिकालीन कविता से परिचित कराने और उनकी रुचि बढ़ाने का प्रयास किया गया।

मंचेरियाल नगरपालिका चुनाव: भाजपा पार्षद उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर सख्त हमला, हिंदू एकजुटता और विकास का संकल्प

मंचेरियाल, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रघुनाथ के दृढ़ नेतृत्व और जिला अध्यक्ष वेंकटेश्वर गौड़ के संरक्षण में पार्टी के पार्षद उम्मीदवारों ने आगामी नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किए। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक एवं एमएलसी मलका कोमुरैया तथा गुज्जला प्रेमेंद्र रेड्डी उपस्थित रहे।

उम्मीदवारों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की आकांक्षाओं और हिंदू समाज के प्रबल संकल्प के साथ कांग्रेस के भ्रष्ट, अराजक तथा भ्रष्टाचार से ग्रस्त शासन को समाप्त करने का संकल्प लिया। यह कोई साधारण राजनीतिक कदम नहीं, बल्कि लोगों के धैर्य की सीमा पार होने और हिंदू आत्मसम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष की शुरुआत है।भाजपा ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब और बर्दाश्त नहीं होगा! कांग्रेस में धोखाधड़ी की कोई गुंजाइश नहीं बची। यदि धर्म पर हमला हुआ तो भाजपा इसका कड़ा विरोध करेगी, यदि जनता को लूटा जा रहा है तो भाजपा ही समाधान है, और यदि संस्कृति का अपमान हुआ तो पार्टी दहाड़ उठेगी।

इस नगर निगम चुनाव में सभी हिंदू भाई-बहन एकजुट होकर भाजपा के साथ खड़े हैं। पार्टी के पास अच्छाई, न्याय और समृद्धि प्रदान करने की पूर्ण क्षमता है। अब समय आ गया है कि जनता अपना फैसला सुने और बदलाव लाए।

दो दिवसीय वार्षिक गंगापुरी जतारा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं, एक लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

मंचेरियाल, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के गंगापुर गांव में स्थित श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी देवस्थानम के प्रसिद्ध वार्षिक गंगापुरी जतारा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। यह दो दिवसीय उत्सव 31 जनवरी से 1 फरवरी तक मनाया जाएगा।

आयोजकों और प्रशासन ने बताया कि इस बार लगभग एक लाख श्रद्धालुओं के जतारे में शामिल होने की संभावना है, जिसमें जिले के विभिन्न हिस्सों के साथ पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचेंगे।

उत्सव के सुचारू संचालन के लिए पीने का पानी, 25 अस्थायी शौचालय, पूरे परिसर में उचित प्रकाश व्यवस्था तथा सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। स्वच्छता बनाए रखने के लिए 200 सफाई कर्मचारियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर 100 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भगदड़ रोकने के लिए बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थलों की व्यवस्था तथा उपद्रवियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

मुख्य आयोजन शनिवार को भगवान बालाजी और माता पद्मावती का दिव्य विवाह होगा, जिसमें जन प्रतिनिधि और अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उत्सव का प्रमुख आकर्षण रविवार शाम को होने वाला भव्य रथोत्सव होगा, जिसमें उत्सव की मूर्तियों को रथों में सजाकर श्रद्धालु जुलूस में ले जाएंगे।

श्रद्धालु मंदिर पहुंचने से पहले पास के झरने में पवित्र स्नान करेंगे और विशेष प्रार्थनाएं करेंगे। टीजीआरटीसी ने आसिफाबाद, गंगापुर और मंचेरियाल से गंगापुर गांव के लिए विशेष बस सेवाएं शुरू की हैं। अधिकारियों ने जनता से इन बसों का उपयोग करने की अपील की है।

यह प्राचीन मंदिर, जिसका निर्माण 16वीं शताब्दी में माना जाता है, एक सुरम्य धारा के किनारे छोटी पहाड़ी पर स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता एवं धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है।

मदनूर में धान मिल के पास बाघ दिखाई दिया, सीसीटीवी में कैद

वन विभाग को सूचना, ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

मदनूर, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कमूरम भीम आसिफाबाद जिले के मदनूर मंडल के मेनूर गांव में एक बाघ के घूमने की घटना सामने आई है। गांव के सरपंच ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि 29 जनवरी की देर रात करीब 12:28 बजे मेनूर गांव से मदनूर जाने वाले राजमार्ग के किनारे स्थित धान मिल के आसपास एक बाघ घूमता हुआ देखा गया। यह घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है और फुटेज की जांच के बाद इसकी पुष्टि बाघ के रूप में हुई है।

सरपंच ने किसानों, ग्रामीणों और क्षेत्र में काम करने वाले लोगों से अपील की है कि वे अगले कुछ दिनों तक विशेष रूप से रात और सुबह के समय कोहरे वाले इलाकों में जाते समय अत्यधिक सतर्क रहें। उन्होंने कहा, मैंने वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी है। सभी से अनुरोध है कि धान मिल के आसपास या राजमार्ग के निकट काम करते समय या आने-जाने के दौरान सावधानी बरतें।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में हल्की आशंका का माहौल है। वन विभाग से जल्द कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है ताकि बाघ को सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में वापस भेजा जा सके और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कागजनगर में प्लास्टिक मुक्ति रैली का आयोजन

कागजनगर, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोमुराम भीम जिले के कागजनगर में आज प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य रैली निकाली गई। यह रैली गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कागजनगर की एनएसएस यूनिट, स्पर्श एनजीओ तथा एसपीएम पेपर मिल्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

रैली का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या सुश्री के. श्रीदेवी ने झंडा फहराकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज परिसर से हुई और यह बस स्टैंड तक जारी रही। रैली में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं ने हाथों में प्लेकार्ड लिए हुए नारे लगाएप्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करो, पर्यावरण को बचाओ, प्लास्टिक मुक्त भारत बनाओ और हरित धरती, स्वच्छ धरती जैसे संदेश दिए।

प्राचार्या सुश्री के. श्रीदेवी ने संबोधित करते हुए प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान, मिट्टी की उर्वरता में कमी, जल स्रोतों के प्रदूषण तथा जीव-जंतुओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

रैली में स्पर्श फाउंडेशन की प्रतिनिधि सुशीला, कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल डॉ. लक्ष्मी नरसिम्हन, कॉलेज कोऑर्डिनेटर श्री दुर्गम जनार्दन, एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर श्री तुदुर दत्त-त्रेय, फैकल्टी सदस्य, नॉन-टीचिंग स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति युवा पीढ़ी में जागरूकता बढ़ाने और प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

गांधीजी एक व्यक्ति नहीं, एक व्यवस्था हैं : उदय बाबू

आसिफाबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर वासवी इंटरनेशनल क्लब के सदस्यों ने शहर के गांधी चौक पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वासवी क्लब के अध्यक्ष मरियाला उदय बाबू ने कहा कि गांधीजी एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक व्यवस्था हैं। उन्होंने गांधीजी के अहिंसा, सत्य और सेवा के सिद्धांतों को याद करते हुए कहा कि सभी नागरिकों को हिंसा का त्याग कर अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए तथा गांधीजी को अपने जीवन का उदाहरण बनाना चाहिए।इस अवसर पर उन्होंने गांधीजी द्वारा राष्ट्र और समाज को दी गई अमूल्य सेवाओं तथा उनके आदर्शों की पुनः स्मरण कराया। कार्यक्रम में एककीराला श्रीनिवास, टीवी नंदी पुरस्कार विजेता नागबाला सुरेश सहित क्लब के अन्य पदाधिकारी और सदस्यों ने भाग लिया।श्रद्धांजलि सभा में वासवी क्लब के सचिव श्रीनिवास, कोषाध्यक्ष शीधर, पूर्व अध्यक्ष कोडिप्यका वेणुगोपाल, सैनी संतोष, कचम प्रकाश, टी. गिरीश, जी. विनेश, जी. प्रमोद, कचम विनेश, जी. वेणुगोपाल, आर. मुरली, गोगुला श्रीनिवास, विश्वेशर, बी. मुरली, राजू, वेंकन्ना आदि उपस्थित रहे।

बेल्लमपल्ली में चार जिला स्तरीय ओपन बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप की घोषणा

एसीपी ए. रविकुमार ने जारी किए दीवार पोस्टर

बेल्लमपल्ली, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेल्लमपल्ली एसीपी ए. रविकुमार ने शुक्रवार को सिंगरेनी क्लासिक बॉडीबिल्डिंग के नाम से आयोजित होने वाली चार जिला स्तरीय ओपन बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप के लिए दीवार पोस्टर जारी किए। यह प्रतियोगिता 12 फरवरी को बेल्लमपल्ली शहर में सिंगरेनी कलावेदिका में आयोजित की जाएगी।

तेलंगाना बॉडीबिल्डर्स फिजिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त आदिलाबाद, संयुक्त करीमनगर, संयुक्त वारंगल और संयुक्त खम्मम जिलों के एथलीटों के लिए आयोजित इस चैंपियनशिप में बॉडीबिल्डिंग के शौकीनों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।कार्यक्रम में स्काई जिम के आयोजक पी. सदानंदम और उनके सदस्यों ने विशेष रूप से भाग लिया। पी. सदानंदम ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने इच्छुक खिलाड़ी 9059540130 मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

इस आयोजन से स्थानीय स्तर पर फिटनेस और बॉडीबिल्डिंग के प्रति जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है। एसीपी द्वारा पोस्टर जारी करने से कार्यक्रम को प्रशासनिक समर्थन भी प्राप्त हुआ है।

नगरपालिका चुनाव कड़ाई से संचालित होने चाहिए : चुनाव महापर्यवेक्षक

सुरक्षित, पारदर्शी और नियमबद्ध चुनाव पर जोर

मंचेरियाल, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी नगरपालिका चुनावों को सुरक्षित, निष्पक्ष और चुनाव आचार संहिता के पूर्ण अनुपालन के साथ संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। यह बात चुनाव महापर्यवेक्षक खरताडे कालीचरण सुदामा राव ने कही।

कलेक्ट्रेट के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में नोडल अधिकारियों, विशेष अधिकारियों और अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि सौंपे गए कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया जाना चाहिए। जिला कलेक्टर बी. सत्य प्रसाद और चुनाव व्यय पर्यवेक्षक डी. श्रीनिवास ने भी बैठक में भाग लिया और अपने महत्वपूर्ण विचार रखे।

पर्यवेक्षकों ने जोर दिया कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी होने चाहिए तथा जिले में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी मिलकर इस दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि चुनाव में तैनात सभी अधिकारियों को नियमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए और नामांकन प्रक्रिया विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।नामांकन प्राप्त करने, उनकी जांच, अपीलों का निपटारा, चुनाव चिन्हों का आवंटन तथा अनुमति प्राप्त करने जैसे सभी पहलुओं पर सतर्कता बरती जाए। उम्मीदवारों को संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुसार पूरी करानी चाहिए।बैठक में स्थानीय निकायों के अतिरिक्त कलेक्टर बी. राजा गौड़, अतिरिक्त एसपी शेषाद्रीनी रेड्डी, जिला नोडल अधिकारी, विशेष अधिकारी तथा विभिन्न नगर निकायों के आयुक्त उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को सुचारु और कड़ाई से संचालित करना सुनिश्चित करना था।

किनवट में अजित दादा पवार की पुण्य स्मृति में सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा आयोजित

किनवट, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के विमान दुर्घटना में आकस्मिक निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। विभिन्न राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और नागरिकों ने दिवंगत नेता के प्रति गहन शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

किनवट शहर के जिजामाता चौक पर राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) की ओर से आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभा की शुरुआत दिवंगत अजित दादा पवार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई।

विधायक भिमराव केराम ने संबोधित करते हुए कहा, अजित दादा पवार के निधन से हमने एक बेहतरीन प्रशासक, जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं के मजबूत स्तंभ, स्पष्टवादी नेता, आमजन को न्याय दिलाने वाले जननायक को खो दिया है। उनके जाने से पवार परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है, साथ ही राष्ट्रीय राजनीति को भी ऐसी क्षति पहुंची है जिसे भर पाना मुश्किल है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा अजित दादा के राजनीतिक, सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में दिए योगदान को हमेशा स्मरणीय बताया।

सभा में डॉ. अशोक पाटील सुर्यवंशी, सुधाकर भोयर, इसाखान, व्यंकटराव नेमानीवार, नारायणराव सिडाम, साजीद खान, के. मूर्ती अण्णा, विनोद भरणे, मारोती सुंकलवाड, अनिल पाटील, प्रा. दगडु भरकड, प्रदिप वाकोडीकर, वैजनाथ करपुडे पाटील, बालु पवार पाटील सहित अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने भी शोक व्यक्त किया और दिवंगत नेता के कार्यों पर प्रकाश डाला।

सभी ने दो मिनट का मौन रखकर अपने प्रिय नेता अजित दादा पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता और शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अंडर-19 विश्व कप : भारत-पाकिस्तान के सुपर सिक्स मुकाबले से तय होगी सेमीफानल की टीमें

बुलवायो, 30 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी अंडर-19 विश्वकप सुपर सिक्स मुकाबले में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच एक फरवरी को यहां के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में मुकाबला होगा। इसमें जीत के साथ ही दोनो ही टीमें सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगी। इस प्रतियोगिता के दूसरे दौर में क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों में से पांच टीमें सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप 1 से आस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज जबकि जबकि ग्रुप 2 से भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान ग्रुप 2 सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल हैं। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमें छह-छह अंक लेकर शीर्ष पर हैं पर बेहतर रन रेट के कारण भारतीय टीम पहले जबकि इंग्लैंड दूसरे नंबर पर है। पाकिस्तान चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

अगर भारतीय टीम जीतती है या मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता है तो पाकिस्तान टीम पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएग। वहीं अगर पाकिस्तान बड़ी जीत हासिल करता है, तो भारतीय टीम के भी बाहर होने की संभावना है। हालांकि, अगर उनकी जीत का अंतर बहुत बड़ा नहीं होता, तो भारत और इंग्लैंड दोनों ही क्वालीफाई कर जाएंगे। ग्रुप 2 की तीनों दावेदार टीमों के सुपर सिक्स चरण में अभी एक-एक मैच होना है। ऐसे में इंग्लैंड का मुकाबला न्यूजीलैंड से 30 जनवरी को होगा। भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल की दौड़ में आगे हैं, वहीं पाक की संभावनाएं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच के परिणाम पर निर्भर रहेंगी। अगर इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर भारतीय टीम पाकिस्तान को हराया देती है या बारिश के कारण मैच रद्द होता है तो भी इंग्लैंड नाकआउट में पहुंच जाएगी। वहीं पाकिस्तान के पास भी अवसर हैं पर लेकिन इसके लिए उन्हें बड़ी जीत हासिल करनी होगी। वहीं अगर इंग्लैंड कीवी टीम से हार जाती है तो इंग्लैंड के नेट रनरेट में गिरावट आएगी और ऐसे में उनहें भारत और पाक मैच के परिणाम पर निर्भर रहना होगा।

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार में वाहन चलाने का आरोप, ओलंपिक चैंपियन शाकार्री रिचर्डसन गिरफ्तार

लास एंजिलिस। अमेरिका की स्टार स्प्रिंटर और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शाकार्री रिचर्डसन को

फ्लोरिडा के आरेंज काउंटी में गुरुवार को तेज रफ्तार से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरेंज काउंटी शेरिफ़ विभाग के अनुसार, रिचर्डसन पर खतरनाक अत्यधिक गति का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय रिचर्डसन को उस समय रोका गया, जब वह 104 मील प्रति घंटा (करीब 167 किमी/घंटा) की रफ्तार से गाड़ी चला रही थीं। विभाग ने बताया कि वह न सिर्फ तेज गति से चल रही थीं, बल्कि अन्य वाहनों को ओवरटेक करने के लिए खतरनाक तरीके से बहुत नजदीक से पीछा कर रही थीं और लेन बदलते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन कर रही थीं। इस मामले पर यूएसए ट्रैक एंड फील्ड की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। शाकार्री रिचर्डसन ने पेरिस ओलंपिक में 100 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था और वह अमेरिका की स्वर्ण पदक विजेता 4×100 मीटर रिले टीम का भी हिस्सा रहीं। ट्रैक पर अपनी तेज़ रफ्तार और आक्रामक शैली के लिए पहचानी जाने वाली रिचर्डसन का करियर हालांकि विवादों से भी जुड़ा रहा है। पिछले साल जुलाई में सिएटल एयरपोर्ट पर कथित तौर पर अपने बायफ्रेंड और साथी स्प्रिंटर क्रिश्चियन कोलमैन को धक्का देने के आरोप में उन्हें घरेलू हिंसा के मामले में भी गिरफ्तार किया गया था। बाद में रिचर्डसन ने कोलमैन से माफी मांगी थी और कहा था कि वह मदद लेने की योजना बना रही हैं। इससे पहले, 2021 में रिचर्डसन का कैनाबिस टेस्ट पाजिटिव आया था, जिसके चलते विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। उस निलंबन के कारण वह टोक्यो ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं।

विश्वकप के लिए रिजर्व तेज गेंदबाज सियर्स न्यूजीलैंड टीम से जुड़ेंगे

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह भारत और श्रीलंका में खेले जाने वाले टी20

विश्वकप में तेज गेंदबाज बेन सियर्स को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया है। सियर्स रविवार को मुंबई में होने वाले अंतिम टीटी20 के दौरान कीवी टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि सियर्स को तेज गेंदबाज काइल जैमीसन के कवर के तौर पर रखा गया है। जैमीसन को एडम मिल्ने के चोटिल होने के कारण टीम में शामिल किया गया है। मिल्ने एसए20 लीग में गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गये थे। सियर्स ने न्यूजीलैंड की ओर से घरेलू सुपर स्मैश में वेलिंगटन की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा कि सियर्स ने अच्छी वापसी कर टीम में जगह हासिल की है। उन्होंने कहा, सियर्स ने अपनी वापसी के लिए काफी प्रयास किया है। उसने घरेलू क्रिकेट में फायरबर्ड्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपने नौ मैचों में 15 विकेट लिए थे। वाल्टर ने कहा, सियर्सका भारत में टीम के साथ होना फायदेमंद रहेगा। किसी के चोटिल होने पर उन्हें शामिल किया जा सकता है। न्यूजीलैंड को टी20 विश्वकप में ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, साउथ अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। कीवी टीम का पहला मैच 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ होगा। विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम : मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कानवे, जैकब डफी, लाकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

गिलेस्पी अब पाक सुपर लीग में किंग्समेन हैदराबाद के कोच बने

कराची। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की नई

फ्रेंचाइजी किंग्समेन हैदराबाद के मुख्य कोच बन गये हैं। गिलेस्पी के इस प्रकार पीएसएल में कोच बनने से सभी हैरान हैं क्योंकि उन्होंनें साल 2024 में अपमानजक व्यवहार का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान टीम का कोच छोड़ दिया था। वहीं एक साल के बाद वह एक बार फिर पाकिस्तान पहुंच गये हैं। इससे पहले टीम चयन सहित कई मामलों को लेकर इस तेज गेंदबाज ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर मतभेद होने के बाद दो साल का अनुबंध आठ महीने बाद ही समाप्त कर दिया था। किंग्समेन हैदराबाद फ्रैंचाइजी के मालिक फवाद सरवर ने भी कहा है कि गिलेस्पी पीएसएल के अगले सत्र में टीम के मुख्य कोच होंगे जबकि ग्रांट ब्रैडबर्न और क्रेग व्हाइट सहायक कोच रहेंगे। सरवर ने कहा, हम अपनी टीम के लिए सबसे बेहतर कोचिंग स्टाफ लेकर आए हैं जो 11 फरवरी को होने वाली नीलामी में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

डिकाक के तूफानी शतक से साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी 20 में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया, सीरीज जीती

सेंचुरियन, 30 जनवरी (एजेंसियां)। क्विंटन डिकाक के विस्फोटक शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल में सात विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मुकाबले में डिकाक ने उधार के बल्ले से ऐसी पारी खेली, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 221 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करते हुए डिकाक शानदार लय में नजर आए और उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के सामने कैरेबियाई गेंदबाज बेबस दिखे। साउथ अफ्रीका ने 15 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

33 वर्षीय डिकाक ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 115 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 10 छक्के जड़े। यह साउथ अफ्रीका का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले 2023 में इसी मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ ही 259 रन का लक्ष्य हासिल किया गया था, जिसमें डिकाक ने 44 गेंदों में 100 रन की पारी खेली थी।

मैच के बाद डिकाक ने खुलासा किया कि वह अपने कुछ बल्ले घर पर ही भूल गए थे और उन्होंने युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस से बल्ला उधार लिया था। डिकाक ने कहा, मैंने गलती से अपने कुछ बैट घर छोड़ दिए थे। सेंचुरियन में प्रोटियाज रंगों में फिर से बल्लेबाजी करना खास अनुभव रहा। यह मैदान हमेशा से हाई-स्कोरिंग रहा है।

डिकाक ने रयान रिकेल्टन के साथ दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। रिकेल्टन ने 36 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग (49) और शिमरोन हेटमायर (75) ने दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 126 रन जोड़कर मजबूत आधार तैयार किया। मध्य ओवरों में साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों ने रन गति पर लगाम लगाई, जिसमें केशव महाराज ने 4 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट झटके।

हालांकि, शेरफेन रदरफोर्ड ने अंतिम ओवरों में 24 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाकर टीम को तेज फिनिश दी। इस दौरान साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नार्खिया को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जिन्होंने तीन ओवर में 59 रन लुटा दिए।

गाडेकी-पीयर्स ने रचा इतिहास, आस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स खिताब बरकरार

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया की ओलिविया गाडेकी और जान पीयर्स की जोड़ी ने आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में इतिहास रच दिया। इस जोड़ी ने शुक्रवार को खेले गए मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना म्लादेनोविच और मैनुअल गुइनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही गाडेकी और पीयर्स 37 वर्षों में आस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब बचाने वाली पहली जोड़ी बन गई। इससे पहले आखिरी बार 1989 में जाना नोवोत्ना और जिम प्यूग की जोड़ी ने लगातार दो बार यह खिताब जीता था। वहीं, आस्ट्रेलिया की किसी जोड़ी द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने का रिकार्ड इससे भी पुराना है। 62 साल पहले मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर ने यह कारनामा किया था। फाइनल मुकाबले की बात करें तो फ्रांसीसी जोड़ी ने पहले सेट में बेहतर खेल दिखाते हुए कई ब्रेक के बीच 6-4 से बढ़त बनाई। हालांकि, घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित आस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शानदार वापसी की और दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच का फैसला 10 अंकों के सुपर टाईब्रेक में हुआ, जहां गाडेकी और पीयर्स एक समय 5-7 से पीछे चल रहे थे। लेकिन दबाव के इस क्षण में दोनों खिलाड़ियों ने संयम और साहस का परिचय देते हुए लगातार अंक बटोरे और दूसरे चैंपियनशिप पाइंट पर जीत दर्ज की। राड लेवर एरीना में मौजूद घरेलू दर्शक इस ऐतिहासिक जीत के साथ खुशी से झूम उठे।

छह साल बाद युवराज ने संन्यास के कारणों का खुलासा किया

समर्थन और सम्मान नहीं मिलने से आहत थे

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। दिग्गज आलराउंडर और 2011 विश्वकप जीत के हीरो रहे युवराज सिंह का दर्द आंखिर फूट पड़ा है। साल 2019 में अचानक ही खेल को अलविदा कहने वाले युवराज ने अब छह साल बाद खुलासा किया है। इस स्टार क्रिकेटर ने कहा था कि उन्हें न किसी का सहयोग मिला और न ही सम्मान। ऐसे में उनके पास संन्यास के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। को चौंका दिया था। साल 2019 में उन्हें विश्वकप के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी, जिसके बाद उन्होंने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेलना छोड़ दिया था। युवराज ने कहा कि कि वह क्रिकेट खेलते हुए खुश नहीं थे। पूर्व भारतीय खिलाड़ी सानिया मिर्जा के साथ बातचीत के दौरान युवराज ने कहा कि उनके अंदर खेल को लेकर उत्साह समाप्त हो गया था। इसका कारण ये था कि उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जो सीनियर खिलाड़ी को मिलना चाहिये था। युवराज ने कहा, मुझे अपने खेल में आनंद नहीं आ रहा था। मेरे मन में बार-बार सवाल उठता था कि जब क्रिकेट खेलने में ख़ुशी ही नहीं है, तो मैं इसे क्यों खेल रहा हूं मुझे लग रहा था कि न तो टीम का साथ मिल रहा है और न ही सम्मान। जब ये दोनों चीजें नहीं हों, तो खेलने से क्या लाभ होगा। तब वह अपने से ही यह पूछने लगे थे कि आखिर वह किसे और क्या साबित करना चाहते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि यह दौर उनके लिए मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद थकाने वाला था। युवराज के मुताबिक, अंदर ही अंदर यह सब मुझे तोड़ रहा था। जिस दिन मैंने क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया, उसी दिन मुझे फिर से अच्छा महसूस हुआ। युवराज ने इस दौरान कहा कि एक बार बचपन में भी उनकी प्रतिभा पर सवाल उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि अब पीछे मुड़कर देखने पर लगता है कि उस समय शायद किसी के पास उन्हें ठीक से देखने और समझने का समय ही नहीं था। युवराज ने बताया कि वह तब सिर्फ 13-14 साल के थे और खेल को समझ ही रहे थे। हालांकि उन्होंने इसे दिल पर नहीं लिया, लेकिन उनके पिता के लिए वह अनुभव काफी तकलीफदेह रहा। युवराज भारत के सबसे बड़े मैच विजेता रहे हैं। उन्होंने कई अवसरों पर अपने बल पर टीम इंडिया को जीत दिलाई है।

आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाया पीसीबी का मजाक

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप क्रिकेट में भाग लेने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक फैसला नहीं किया है हालांकि उसने अपनी टीम घोषित कर दी है। पीसीबी ने कहा था कि वह इस टूर्नामेंट से बाहर भी रह सकता है। इसी को लेकर अब आइसलैंड क्रिकेट ने पीसीबी पर व्यंग्य कसा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में लिखा कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है, तो वे उसकी जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें ये भी कहा है कि अगर 2 फरवरी तक फैसला हो जाए तो वे तत्काल ही श्रीलंका पहुंच सकते हैं। पाक को चिढ़ाते हुए आइसलैंड क्रिकेट ने केफ्लाविक से कोलंबो तक की यात्रा योजनाओं का स्क्रीनशाट भी साझा किया। साथ ही इस पोस्ट में आखिरी समय पर बुलाए जाने पर आने वाली व्यावहारिक परेशानियों को भी मजाकिया अंदाज में दिखाया गया। यहां तक कि उन्होंने अपने ओपनिंग बल्लेबाज की अनिद्रा का भी जिक्र कर दिया, जिसने प्रशंसकों को पीसीबी पर हंसने का अवसर जरुर मिल गया है।

आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2026 के फाइनल में मारी एंट्री, यूपी वारियर्स को 8 विकेट से हराया

वडोदरा, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली है। सीजन के 18वें मुकाबले में आरसीबी ने यूपी वारियर्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ आरसीबी के 8 मैचों में 12 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचकर सीधे फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं, सात मैचों में पांचवीं हार के बाद यूपी वारियर्स की प्लेआफ की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई हैं।

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वारियर्स की शुरुआत मजबूत रही। कप्तान मेग लैनिंग और दीप्ति शर्मा ने पहले विकेट के लिए 8.1 ओवर में 74 रन जोड़े। लैनिंग 30 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि दीप्ति शर्मा ने 43 गेंदों में 55 रनों की जुझारू पारी खेली। हालांकि, इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और यूपी की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। आरसीबी की ओर से नादिन डी क्लार्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि ग्रेस हैरिस ने 2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 108 रनों की साझेदारी कर मुकाबला एकतरफा बना दिया। हैरिस ने 37 गेंदों में 75 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों में 54 रन बनाकर टीम को 13.1 ओवर में ही जीत दिला दी।

इस जीत के साथ आरसीबी ने खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हाकी टूर्नामेंट का 12वां संस्करण 2 फरवरी से, प्रो. बालाराम पाणि करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल आमंत्रण हाकी टूर्नामेंट के 12वें संस्करण का आयोजन 2 से 9 फरवरी, 2026 तक किया जाएगा। इसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के टाप कालेजों की पुरुष व महिला टीमें शिरकत करेंगी।

मेजबान श्याम लाल कालेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रबि नारायण कर के अनुसार मुख्य अतिथि प्रोफेसर बालाराम पाणि, डीन आफ कालेजेस, दिल्ली यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट का उद्घाटन सोमवार को सुबह 10.30 बजे, श्याम लाल कालेज, शाहदरा के मैदान पर करेंगे।

इस अवसर पर प्रो. सरिता त्यागी, एचओडी, डीपीईएसएस, डीयू, डा. ज्योति मान, असिस्टेंट डारेक्टर, डीयूएससी, संजीव गौतम, एसीपी, शाहदरा, सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। खेल समिति के संयोजक वी एस जग्गी ने बताया कि पुरुष वर्ग में दस टीमें तथा महिला वर्ग में छह टीमें लीग और नाकआउट आधार पर खेलेंगी। टाप चार टीमों के बीच सेमीफाइनल और फिर दो टीमों के बीच फाइनल मैच होगा। पिछले वर्ष पुरुष वर्ग में मेजबान श्याम लाल कालेज और महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की टीम चैंपियन रहीं थी। श्याम लाल कालेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रबि नारायण कर के अनुसार कालेज स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और फिट इंडिया अभियान के तहत बच्चों को खेलों के माध्यम से फिटनेस के प्रति जागरुक रखने के लिए ऐसे टूर्नामेंट बेहद जरूरी हैं।

टीमें :

पुरुष वर्ग: श्याम लाल कालेज (प्रातः), इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस, किरोड़ी मल कालेज, एमिटी यूनिवर्सिटी, श्याम लाल कालेज बी, श्री राम कालेज आफ कामर्स, श्याम लाल कालेज (सांध्य), हंसराज कालेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज, श्याम लाल कालेज (एलुमनस)।

महिला वर्ग: इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस, भारती कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना, विवेकानंद कालेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज, जानकी देवी मेमोरियल कालेज।

साल 2013 में लॉन्च हुए आईफोन 5एस के लिए नया सॉफ्टवेयर अपडेट जारी

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

पापुलर कंपनी एप्पल ने साल 2013 में लॉन्च हुए आईफोन 5एस समेत कई पुराने डिवाइसेज के लिए नया सॉफ्टवेयर अपडेट जारी किया है। करीब 13 साल पुराने फोन को अपडेट मिलना अपने आप में एक रिकॉर्ड माना जा रहा है और यही वजह है कि यूजर्स के साथ-साथ बाकी स्मार्टफोन कंपनियां भी हैरान हैं। एप्पल ने हाल ही में आईओएस 12.5.8 अपडेट रोलआउट किया है, जो उन डिवाइसेज के लिए लाया गया है, जिन पर नया आईओएस वर्जन चलाना संभव नहीं है। इस अपडेट की लिस्ट में आईफोन 5एस, आईफोन 6, आईफोन 6 प्लस के अलावा ओरिजिनल आईपेड एयर, आईपेड मिनी 2 और 3 और 6वीं-जेनरेशन आईपेड टच शामिल हैं।

आमतौर पर इतनी पुरानी डिवाइस को कंपनियां सालों पहले पूरी तरह भूल चुकी होती हैं, लेकिन एप्पल ने इन्हें अभी भी जरूरी माना है। इस अपडेट का मकसद सिर्फ औपचारिकता नहीं है। एप्पल ने इन पुराने डिवाइसेज के डिजिटल सर्टिफिकेट को एक्सटेंड किया है। अगर यह अपडेट जारी नहीं किया जाता, तो जनवरी 2027 के बाद इन डिवाइसेज पर आईमैसेज, फेस टाइम और डिवाइस एक्टिवेशन जैसी जरूरी सेवाएं काम करना बंद कर सकती थीं। डिजिटल सर्टिफिकेट किसी भी स्मार्टफोन के लिए बेहद अहम होते हैं, क्योंकि इनके जरिए ही डिवाइस कंपनी के सर्वर से सुरक्षित रूप से कनेक्ट हो पाता है।

दूसरी कंपनियों की बात करें तो गुगल और सैमसंग ने हाल ही में अपने नए फ्लैगशिप फोन्स के लिए 7 साल तक अपडेट देने का वादा किया है, जो अपने आप में बड़ा कदम है। इसके बावजूद एप्पल का एक दशक से ज्यादा पुराने फोन को सपोर्ट देना बिल्कुल अलग स्तर की प्रतिबद्धता दिखाता है। भले ही इस अपडेट से आईफोन 5एस आज के समय का स्मार्टफोन न बन जाए, लेकिन सेकेंडरी फोन, बच्चों के इस्तेमाल या म्यूजिक डिवाइस के तौर पर ये अभी भी कुछ साल तक काम करता रहेगा। बता दें कि स्मार्टफोन बाजार में जहां ज्यादातर कंपनियां दो-तीन साल पुराने फोन को ही सपोर्ट लिस्ट से बाहर कर देती हैं, वहीं एप्पल ने एक बार फिर ऐसा कदम उठाया है, जिसने पूरी इंडस्ट्री का ध्यान खींच लिया है।

न्यूज ब्रीफ

गुगल ने एंड्राएड के प्रोटेक्शन फीचर्स किए ज्यादा मजबूत

नई दिल्ली। वर्तमान समय में स्मार्टफोन चोरी होना केवल डिवाइस के नुकसान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह सीधे डाटा और पैसों के जोखिम से जुड़ा होता है। डाटा चोरी के खतरे को कम करने के लिए गुगल ने एंड्राएड के थेफ्ट प्रोटेक्शन फीचर्स को और ज्यादा मजबूत बना दिया है, ताकि चोरी की स्थिति में यूजर्स को तुरंत सुरक्षा मिल सके। नए अपडेट के साथ एंड्राएड में पिन, पैटर्न और पासवर्ड से जुड़ी सुरक्षा को और सख्त किया गया है। अगर कोई व्यक्ति बार-बार गलत लॉगिन डिटेल डालने की कोशिश करता है, तो फोन अपने आप लॉक हो जाएगा। इससे चोर के लिए डिवाइस तक पहुंच बनाना काफी मुश्किल हो जाएगा। वहीं, असली यूजर को गलती से लॉक आउट होने से बचाने के लिए सिस्टम एक जैसी गलत एंट्री को बार-बार गिनता नहीं है, जिससे अनजाने में परेशानी नहीं होगी। गुगल ने बैंकिंग ऐप्स और पासवर्ड मैनेजर की सुरक्षा भी पहले से ज्यादा मजबूत कर दी है। आईडेंटीटी चेक फीचर के जरिए अब गुगल पासवर्ड मैनेजर और थर्ड-पार्टी बैंकिंग ऐप्स जैसे संवेदनशील ऐप्स को खोलने के लिए बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन जरूरी होगा। यानी फोन चोरी हो जाने की स्थिति में भी बिना फिंगरप्रिंट या फेस अनलॉक के कोई भी आपके अकाउंट या पैसों तक नहीं पहुंच पाएगा।

इसके अलावा झपट्टा मारकर फोन चोरी करने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए थेफ्ट डेटेक्शन लॉक फीचर जोड़ा गया है। यह फीचर ऑन-डिवाइस एआई की मदद से अचानक मूवमेंट और संदिग्ध हालात को पहचान लेता है और जरूरत पड़ने पर फोन को खुद ही लॉक कर देता है। साथ ही रिमोट लॉक की सुविधा से यूजर किसी भी इंटरनेट वाले डिवाइस से अपने फोन को तुरंत लॉक कर सकता है।

वॉट्सऐप में लाया स्ट्रीक्ट अकाउंट सेटिंग्स फीचर

नई दिल्ली। पापुलर सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने एक नया और तगड़ा सिक्योरिटी फीचर पेश किया है। नए सिक्यूरिटी फीचर का नाम स्ट्रीक्ट अकाउंट सेटिंग्स है, जिसे कंपनी एडवांस्ड सिक्योरिटी मोड के तौर पर पेश कर रही है।

वॉट्सऐप इसे 'लॉकडाउन-स्टाइल फीचर' बता रहा है, जिसका मकसद यूजर्स को साइबर अटैक, हैकिंग और डिजिटल जासूसी से बचाना है। यह फीचर खास तौर पर जर्नलिस्ट्स, सेलिब्रिटीज और हाई-प्रोफाइल यूजर्स के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है। जारी ब्लॉग पोस्ट में वॉट्सऐप ने अपने डिफॉल्ट एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन पर जोर देते हुए कहा कि कंपनी सभी यूजर्स की प्राइवेसी और निजता के अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। स्ट्रीक्ट अकाउंट सेटिंग्स को ऑन करने के बाद वॉट्सऐप अकाउंट की कुछ सेटिंग्स सबसे सख्त लेवल पर लॉक हो जाती हैं। इससे ऐप का सामान्य कामकाज कुछ हद तक सीमित हो जाता है, लेकिन सुरक्षा कई गुना बढ़ जाती है। इस मोड में अनजान यूजर्स से आने वाले मीडिया और अटैचमेंट्स अपने आप ब्लॉक हो जाते हैं। इसके अलावा चैट में भेजे गए लिंक का प्रीव्यू दिखाई नहीं देता, जिससे किसी भी खतरनाक या संदिग्ध लिंक से होने वाले साइबर हमले का खतरा कम हो जाता है। अनजान नंबरों से आने वाली कॉल्स को भी यह फीचर साइलेंट कर देता है, जिससे यूजर को परेशान या ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। इस फीचर को इनेबल करने के लिए यूजर्स को वॉट्सऐप के प्राइवेसी सेक्शन में जाकर एडवांस्ड ऑप्शन चुनना होगा। कंपनी के मुताबिक, स्ट्रीक्ट अकाउंट सेटिंग्स उन कई उपायों में से एक है, जिनके जरिए वह यूजर्स को सबसे सोफिस्टिकेटेड साइबर अटैक्स से बचाने की दिशा में काम कर रही है।

पेंशन कराधान में सुधार की मांग; फिक्स्ड-इंटरेस्ट साधनों के समकक्ष हो टैक्स व्यवस्था : वेंकी अय्यर

मुंबई/इंदौर। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल की इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी) के को-चेयरपर्सन वेंकी

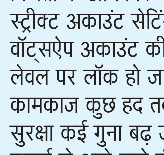

अय्यर ने पेंशनधारकों को बड़ी राहत देने की वकालत करते हुए मौजूदा कर व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पेंशन भोगियों पर टैक्स का बोझ तुलनात्मक रूप से अधिक है, जिसे अन्य फिक्स्ड-इंटरेस्ट (निश्चित ब्याज) वाले निवेश साधनों के अनुरूप बनाना आवश्यक है। वेंकी अय्यर के अनुसार, पेंशन पर टैक्स की व्यवस्था को मुनाफे आधारित बनाया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कराधान केवल अर्जित ब्याज या मुनाफे पर ही लागू होना चाहिए, न कि पेंशन की पूरी राशि पर। इस बदलाव से रिटायरमेंट के बाद वरिष्ठ नागरिकों के पास उपलब्ध होने वाली शुद्ध आय में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें महंगाई के दौर में बेहतर जीवन स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशिया में आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जोरदार बिकवाली के बाद निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी भी हुई। डाउ जॉन्स दिन के निचले स्तर से करीब 450 अंक सुधर कर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स भी निचले स्तर से एक सौ अंक की रिकवरी करने में सफल रहा। इस रिकवरी के बावजूद ये सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,973.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसके अलावा नैस्डेक ने 166.36 अंक यानी 0.70 प्रतिशत टूट कर 23,691.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 196.34 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,875.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,171.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,071.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डी ए एक्स इंडेक्स 513.33 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 24,309.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आम तौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स लगातार 2 दिन तक बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद 113.53 अंक यानी 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,345.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत उछल कर 5,229.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 192 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,324.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत टूट कर 4,919.48 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 486.09 अंक यानी 1.74 प्रतिशत फिसल कर 27,482 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.19 प्रतिशत लुढ़क कर 4,108.46 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 323.65 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 32,212.62 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.45 प्रतिशत टूट कर 1,325.04 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 137.60 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,238 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

यूरोपीय संघ-भारत के बीच व्यापार समझौता अमेरिका के लिए रणनीतिक संकेत, नोबेल विजेता अर्थशास्त्री का बयान

कोलकाता, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को एक रणनीतिक तालमेल करार दिया। उन्होंने कहा कि यह व्यापार समझौता अमेरिका को साफ संदेश देता है कि भारत और यूरोप, वाशिंगटन पर उतना निर्भर नहीं हैं, जितना वह सोचता है। अभिजीत ने कहा, ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच यह व्यापार समझौता वॉशिंगटन के लिए एक रणनीतिक संकेत है। अर्थशास्त्री बनर्जी ने चेतावनी देते हुए कहा कि मदर ऑफ ऑल डील्स कहे जा रहे इस व्यापार समझौते से अपने-आप व्यापक आर्थिक लाभ नहीं मिलेंगे, इसके लिए भारत को अपनी कार्यकुशलता और आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा सुधार करना होगा।

वियतनाम-बांग्लादेश से कड़ी स्पर्धा

बनर्जी ने कहा, भारत टेक्सटाइल, चमड़ा और ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों पर जोर दे रहा है, उनमें परिणाम अलग-अलग हो सकते हैं। भारत ज्वेलरी और चमड़ा उद्योग में मजबूत है, लेकिन टेक्सटाइल में वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा है। बनर्जी ने असली समस्या आपूर्ति श्रृंखला और डिलीवरी की गति को बताया। वियतनाम ने ईयू को दिया अमेरिका के बराबर राजनयिक दर्जा वियतनाम व यूरोपीय संघ (ईयू) ने बृहस्पतिवार को अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का एलान किया। यह वियतनाम का सर्वोच्च राजनयिक स्तर है। इस उन्नयन से यूरोपीय संघ को अमेरिका, चीन व रूस के समान राजनयिक स्तर प्राप्त हो गया है। यह कदम अमेरिकी शुल्क दबाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल के बीच दोनों देशों की तरफ से व्यापार की नई रणनीति बनाने के लिए उठाया गया है। इसकी घोषणा यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने हनोई यात्रा के दौरान की। कोस्टा ने कहा, ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था कई पक्षों से खतरे में है हमें विश्वसनीय और भरोसेमंद साझेदारों के रूप में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की जरूरत है। यह साझेदारी साझा समृद्धि के क्षेत्रों को विकसित करने के बारे में है।

इंदौर के राऊ में कैंटाबिल रिटेल का नया स्टोर लॉन्च

इंदौर। भारत की प्रमुख परिधान निर्माता कंपनी कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने इंदौर के उभरते उपनगरीय क्षेत्र राऊ में अपना भव्य एक्सक्लूसिव स्टोर शुरू कर व्यावसायिक विस्तार की घोषणा की है। राऊ स्थित रॉयल पार्क में 1367 वर्ग फीट में फैला यह नया आउटलेट विशेष रूप से पुरुषों के प्रीमियम फैशन और एक्सेसरीज कलेक्शन के लिए तैयार किया गया है। यहाँ फॉर्मल, कैजुअल और पार्टी वियर की विस्तृत श्रृंखला प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध कराई गई है। कंपनी के डायरेक्टर दीपक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि इंदौर के फैशन के प्रति जागरूक युवाओं और प्रोफेशनल्स की मांग को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि मिड-प्रीमियम सेगमेंट में ब्रांड की पकड़ इस नए स्टोर के माध्यम से और मजबूत होगी। उच्च गुणवत्ता और आधुनिक स्टाइल के प्रति प्रतिबद्ध कैंटाबिल का यह विस्तार इंदौर के नए रिहायशी इलाकों के ग्राहकों को उनके नजदीक ही विश्वस्तरीय शॉपिंग अनुभव प्रदान करेगा।

कमजोर विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के दबाव से धराशायी हुआ रुपया

डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड 92 के निचले स्तर पर पहुंचा रूपया

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)।

बजट से पहले भारत के रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया रिकॉर्ड लगभग 92 रुपये (91.98) के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसने अपने पिछले सबसे निचले स्तर 91.9650 को भी पीछे छोड़ दिया। गुरुवार को भारत का रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी प्रवाह में लगातार कमजोरी और आगे गिरावट से बचने के लिए हेजिंग की होड़ ने मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था से मिलने वाले संकेतों पर पानी फेर दिया।

फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और लगातार विदेशी फंड के बाहर जाने के कारण भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा और इंट्राडे ट्रेड में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.99 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल का भी रुपये पर दबाव पड़ा। गोल्डमैन सैक्स के एनालिस्ट्स ने एक नोट में कहा है कि हमें उम्मीद है कि भारतीय एक्सपोर्ट पर मौजूदा ऊंचे अमेरिकी टैरिफ आखिरकार कम हो जाएंगे, लेकिन इस बीच हो रही देरी भारत के बाहरी बैलेंस पर दबाव डाल रही है। फर्म को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में रुपया गिरकर 94 प्रति डॉलर तक जाएगा।

इस साल अब तक 2 प्रतिशत की गिरावट

इस साल अब तक करेंसी में 2 प्रतिशत की गिरावट आई है और अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाने के बाद से इसमें लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह तब हुआ है जब आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही में भारत की जीडीपी 8.2 प्रतिशत बढ़ी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सोना-चांदी...

क्योंकि और गिरावट की संभावना बनी हुई है। जिन निवेशकों का सोने-चांदी में ज्यादा निवेश है, वे थोड़ा प्रॉफिट बुक कर सकते हैं और बाकी हिस्से को लॉन्ग टर्म नजरिए से होल्ड रख सकते हैं।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट अस्थायी हो सकती है, लेकिन फिलहाल सतर्कता बरतना जरूरी है।

मेडीगड्डा...

जिससे कांग्रेस और भाजपा को तत्कालीन सत्ताधारी बीआरएस पर हमला करने का मौका मिला। दोनों विपक्षी दलों ने कालेश्वरम परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों को पुष्ट करने के लिए इस घटना का हवाला दिया और तर्क दिया कि संरचनात्मक विफलता ने योजना, निष्पादन और निरीक्षण में गंभीर खामियों को उजागर किया है।

अभियान के दौरान, कांग्रेस नेता और वर्तमान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया था कि के. चंद्रशेखर राव के परिवार ने इस परियोजना से लाभ कमाया है। उन्होंने केसीआर के कालेश्वरम को दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई परियोजना बताने के दावे का उपहास करते हुए कहा था कि कमीशन होने के कुछ ही वर्षों के भीतर करोड़ों के पंप डूब गए और खंभों के धंसने ने परियोजना के टिकाऊपन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के तहत अनिवार्य निरीक्षण

संदर्भ देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एनडीएसए ने देश के उन सभी 1,681 बांधों का विवरण संकलित किया है जो 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं। बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के तहत, बांधों की सुरक्षा, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी मुख्य रूप से उनके मालिकों (ज्यादातर राज्य सरकारों) की होती है। कानून यह अनिवार्य करता है कि प्रत्येक निर्दिष्ट बांध का सालाना मानसून-पूर्व और मानसून-पश्चात निरीक्षण किया जाए। 2025 के लिए क्रमशः 6,524 और 6,553 बांधों के निरीक्षण की रिपोर्ट दी गई है, जिसके आधार पर मरम्मत की तात्कालिकता के अनुसार उन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

तेलंगाना...

और आंध्र प्रदेश के बंदर पोर्ट के बीच ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए 17,000 करोड़, आदिलाबाद, पालवंचा और बसंतनगर में प्रस्तावित हवाई अड्डों के लिए मंजूरी और आठ नई रेलवे लाइनों के प्रस्ताव भी रखे हैं।

अन्य प्रमुख मांगों में हैदराबाद-श्रीशैलम एलिवेटेड कॉरिडोर, एनएच -65 का छह-लेन विस्तार और हैदराबाद मेट्रो रेल चरण 2-ए और 2-बी के लिए 44,000 करोड़ के निवेश की मंजूरी शामिल है, जिसे केंद्र और राज्य के बीच 50:50 के संयुक्त उद्यम के रूप में प्रस्तावित किया गया है।

औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर कदम

औद्योगिक विकास के लिए, राज्य ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत शामिल होने, खम्मम क्षेत्र में एकीकृत इस्पात संयंत्र के व्यवहार्यता अध्ययन को जल्द पूरा करने और पीएम मित्र योजना के तहत काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिए केंद्रीय वित्त पोषण की मांग की है।

ऊर्जा क्षेत्र में, पीएम कुसुम योजना के तहत 4,000 मेगावाट सौर आवंटन की बहाली और तीन लाख सौर पंपों के आवंटन का आग्रह किया गया है। साथ ही, सिंगरेनी कोलियरीज (एससीसीएल) के कमांड एरिया कोयला ब्लॉकों को मान्यता देने और तादिचेरला कोल ब्लॉक-2 के लिए खनन पट्टे की मंजूरी मांगी गई है।

शहरी विकास और शिक्षा: मूसी पुनरुद्धार और नए आईआईएम का प्रस्ताव

शहरी विकास के तहत, राज्य ने मूसी रिवरफ्रंट और बापू घाट विकास के लिए भूमि हस्तांतरण और 60 प्रतिशत केंद्रीय अनुदान की मांग की है। इसके अतिरिक्त, हैदराबाद सीवरेज मास्टर प्लान के लिए 17,212.69 करोड़ और गोदावरी-मूसी नदी लिंक के लिए 6,000 करोड़ का अनुरोध किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में, तेलंगाना ने हैदराबाद में एक नए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), 16 जिलों में जवाहर नवोदय विद्यालय और 9 जिलों में केंद्रीय विद्यालयों की मांग की है। आवास क्षेत्र में, पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 1,800 करोड़ की लागत से तीन लाख ग्रामीण घरों की मंजूरी मांगी गई है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 31 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

महेश बैंक ने लॉन्च किया स्कैन एंड पे 'क्यूआर कोड' सर्विस

ग्राहकों और व्यापारियों को आसान डिजिटल पेमेंट से सशक्त बनाने की पहल

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, एक प्रमुख मल्टी स्टेट शेड्यूल्ड बैंक ने डिजिटल बैंकिंग की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्कैन एंड पे ङ्क्यूआर कोड स्कैनर सर्विस विद साउंड बॉक्सफ का शुभारंभ किया। इस सेवा का औपचारिक लॉन्च बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने हैदराबाद स्थित बैंक के मुख्यालय में किया।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, बैंक के अन्य बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जनरल मैनेजर तथा बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज़, सुरक्षित और कॉन्टैक्टलेस भुगतान की सुविधा

नव-लॉन्च क्यूआर कोड स्कैनर सर्विस बैंक के ग्राहकों को तेज़, सुरक्षित और कॉन्टैक्टलेस डिजिटल पेमेंट करने में सक्षम बनाती है। यह सेवा कम लागत वाली, इंटरऑपरेबल और सुरक्षित भुगतान समाधान प्रदान करती है, जो रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के लेस-कैश सोसाइटी के विज़न के अनुरूप है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के डिजिटल अनुभव को बेहतर बनाना है, साथ ही छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमईएस) को सरल और परेशानी-मुक्त मर्चेंट ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से डिजिटल भुगतान से जोड़ना है।

अर्बन बैंकिंग में तकनीकी नवाचार की मिसाल

अपने मुख्य भाषण में बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि महेश बैंक अपने ग्राहकों के हित में अगली पीढ़ी की तकनीकों को अपनाने और उन्हें उपलब्ध कराने में हमेशा अग्रणी रहा है। बैंक का लक्ष्य है कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जाएं।

इस अवसर पर बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ वी. अरविंद ने विश्वास जताया कि यह क्यूआर कोड सेवाएं न केवल ग्राहकों और व्यापारियों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी, बल्कि बैंक के सीएएसए पोर्टफोलियो को सशक्त और विस्तारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

चार राज्यों में 45 शाखाओं का मजबूत नेटवर्क

महेश बैंक वर्तमान में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है, जो तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान इन चार राज्यों में फैला हुआ है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए, स्वयं को एक ऐसे आधुनिक संगठन में परिवर्तित कर रहा है, जो स्पष्ट भविष्य दृष्टि और नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है। बैंक का कुल बिज़नेस मिक्स वर्तमान में 2817.40 करोड़ रुपये का है, जो इसकी निरंतर प्रगति और ग्राहकों के विश्वास को दर्शाता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रसारण क्षेत्र के स्वदेशीकरण में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. अनेश कुमार शर्मा सम्मानित

नई दिल्ली, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक (तकनीकी), डॉ. अनेश कुमार शर्मा को इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रसारण क्षेत्र के स्वदेशीकरण में उनके असाधारण योगदान के लिए आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन अवार्ड और ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसाइटी (इंडिया) की मानद फेलोशिप से सम्मानित किया गया है।

बेज एक्सपो 2026 में मिला प्रतिष्ठित सम्मान

यह प्रतिष्ठित सम्मान ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसाइटी (इंडिया) बीईएस द्वारा बेज एक्सपो 2026 के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रदान किया गया। यह ब्रॉडकास्ट और मीडिया टेक्नोलॉजी पर आधारित 30वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी थी, जिसका आयोजन नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया गया। यह पुरस्कार 29 जनवरी 2026 को अध्यक्ष (टीआरएआई) द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव, प्रसार भारती के सीईओ, ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसाइटी के अध्यक्ष सहित कई प्रतिष्ठित प्रसारण पेशेवर, उद्योग जगत के नेता, नीति निर्माता और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा

यह सम्मान डॉ. शर्मा के इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के स्वदेशीकरण और भारत में प्रसारण व मीडिया प्रौद्योगिकियों की उन्नति में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देता है। इस वर्ष के आयोजन का विषय ब्रॉडकास्ट इंटेलिजेंस इनोवेशन: मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड रखा गया था, जो वैश्विक स्तर पर भारतीय नवाचार की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

दूरदर्शी नेतृत्व और स्वदेशीकरण के प्रति प्रतिबद्धता

यह सम्मान डॉ. अनेश कुमार शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी उत्कृष्टता और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है। उनके इन प्रयासों ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और ब्रॉडकास्ट इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ किया है, जिससे देश इस क्षेत्र में स्वावलंबन की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

महावीर हरीणा वनस्थली राष्ट्रीय पार्क का अवलोकन

जीवदया संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडल ने किया भ्रमण, संरक्षण व सौंदर्यकरण पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विजयवाड़ा हाईवे पर वनस्थलीपुरम के समीप स्थित महावीर हरीणा वनस्थली राष्ट्रीय पार्क का शुक्रवार को जीवदया संस्थाओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने अवलोकन किया। यह जानकारी भारतीय प्राणीमित्र संघ की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भगवान महावीर फाउंडेशन, चेन्नई के चेयरमैन सुभाषचंद जैन की प्रेरणा से भारतीय प्राणीमित्र संघ के अध्यक्ष जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, करुणा इंटरनेशनल एवं भगवान महावीर केमल सेंचुरी के ट्रस्टी निर्मल सिंघवी, द ग्लोबल एकेडमी ऑफ लॉ टेक एजुकेशन एंड रिसर्च के संस्थापक निदेशक प्रो. (डॉ.) एम. के. भंडारी, तथा प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार ने राष्ट्रीय पार्क का विस्तृत अवलोकन किया।

पार्क विकास और महावीर प्रतिमा के सौंदर्यकरण पर चर्चा

इस अवसर पर रंगारेड्डी जिले के फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर एवं पार्क प्रभारी साई प्रकाश ने प्रतिनिधि मंडल को महावीर हरीणा वनस्थली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भगवान महावीर के नाम पर स्थापित इस राष्ट्रीय पार्क के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की।आरएफओ साई प्रकाश ने बताया कि पार्क के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थापित भगवान महावीर की प्रतिमा सड़क के विस्तारीकरण के कारण ढलान पर आ गई है तथा उसकी स्थिति और दशा भी संतोषजनक नहीं है। ऐसे में प्रतिमा के नवनिर्माण एवं आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यकरण की आवश्यकता है। उन्होंने जैन समाज से आगे आकर सहयोग करने का निवेदन किया, जिससे यह स्थान एक अत्यंत सुंदर और प्रेरणादायी स्थल के रूप में विकसित हो सके।

1977 में हुई थी वनस्थली की स्थापना

इस अवसर पर जसराज श्रीश्रीमाल ने कहा कि महावीर हरीणा वनस्थली की स्थापना वर्ष 1977 में 3000 एकड़ क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा भगवान महावीर के 2500वें निर्वाणोत्सव के उपलक्ष्य में की गई थी। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय समिति के तत्वावधान में यह घोषणा की गई थी, जिसे तत्कालीन एकीकृत आंध्र प्रदेश सरकार की निर्वाणोत्सव समिति द्वारा क्रियान्वित किया गया। प्रो. (डॉ.) एम. के. भंडारी ने महावीर हरीणा वनस्थली राष्ट्रीय पार्क में स्थापित लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं, जीवदया प्रेमी निर्मल सिंघवी ने श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष उमेश बागरेचा से चर्चा कर जैन समाज द्वारा अधिक से अधिक सहयोग का विश्वास दिलाया।

वन्यजीवों और संग्रहालय का किया अवलोकन

प्रतिनिधि मंडल ने पूरे राष्ट्रीय पार्क का भ्रमण किया, जहां हिरण, मोर, बंदर तथा विभिन्न प्रकार के पक्षियों को देखकर सभी अत्यंत प्रसन्न हुए। पार्क प्रभारी साई प्रकाश ने इन जीव-जंतुओं के बारे में आवश्यक जानकारी दी। इसके पश्चात प्रतिनिधि मंडल ने भगवान महावीर संग्रहालय एवं लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया, जहां पर्यावरण और वन्यजीवों से संबंधित बहुमूल्य साहित्य उपलब्ध है। संग्रहालय में भगवान महावीर की शिक्षाओं और उद्देश्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।इस अवसर पर फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर एवं पार्क प्रभारी साई प्रकाश ने प्रतिनिधि मंडल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

महावीर जयंती पर ङ्कस्वस्थ जीवनशैली-शाकाहारफविषय पर संगोष्ठी

भारतीय प्राणीमित्र संघ के अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल ने बताया कि अहिंसा के अग्रदूत श्रमण भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में आगामी भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत करुणा दिवस पर स्वस्थ जीवनशैली – शाकाहार विषय पर एक विशाल संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए शीघ्र ही एक बैठक आयोजित की जाएगी तथा नगर के विभिन्न जीवदया संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में यह संगोष्ठी संपन्न होगी।

कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश विशिष्ट उपाध्यक्ष राजुराम बाकरेचा का जोरदार सम्मान

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश के विशिष्ट उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त राजुराम बाकरेचा का समाज के प्रमुख पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर ओमप्रकाश बाकरेचा, पारस दुबलदिया, श्रीनीवास, राकेश ऐकलिया सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्यों ने राजुराम बाकरेचा को शाल ओढ़ाकर, माला पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वागत समारोह में उपस्थित सभी ने राजुराम बाकरेचा की समाजसेवा, संगठन क्षमता और कुमावत समाज के उत्थान में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में तेलंगाना प्रदेश में कुमावत समाज और अधिक संगठित एवं मजबूत होगा तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं विकास संबंधी कार्यों को नई गति मिलेगी।

राजुराम बाकरेचा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है। वे समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर काम करने और कुमावत बंधुओं के हितों की रक्षा के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया।

अपोलो आईएचडी 2026 : रोगी सुरक्षा पर भारत ने निर्धारित किया वैश्विक एजेंडा

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में आयोजित अपोलो हॉस्पिटल्स इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग (आईएचडी) 2026 के पहले दिन रोगी सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा शासन में भारत के बढ़ते नेतृत्व को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इस सम्मेलन में दुनिया भर के चिकित्सकों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया, जहाँ सुरक्षित और न्यायसंगत स्वास्थ्य सेवा के वैश्विक विजन को आकार देने में भारत की भूमिका पर चर्चा की गई।

ग्लोबल वॉयस, वन विजन विषय के तहत आयोजित इस संवाद में रोगी सुरक्षा को नेतृत्व और सुशासन की प्राथमिकता बताया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के भारत के अनुभव अब वैश्विक सोच को प्रभावित कर रहे हैं।

अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक, डॉ. संगीता रेड्डी ने बताया कि आईएचडी 2026 में दुनिया भर के 75 संस्थानों के 5,000 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। वहीं, तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. जयेश रंजन ने डिजिटल समावेश और समानता पर जोर दिया। अपोलो हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष एवं सीईओ डॉ. मधु शशिधर ने कहा कि रोगी सुरक्षा किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे संगठन की जिम्मेदारी है। एनएबीएच के सीईओ डॉ. अतुल मोहन कोचर ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवा में शून्य नुकसान (ज़ीरो हार्म) ही एकमात्र स्वीकार्य मानक है।

दिन का समापन डिजिटल हेल्थ स्टार्टअप शोकेस के साथ हुआ, जिसमें नवाचार को सुरक्षित देखभाल में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

त्वरित कार्रवाई से टली बछड़े की अवैध हत्या, पुलिस-प्रशासन की सराहना

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंजीकृत पशु कल्याण संगठन गौ ज्ञान फाउंडेशन ने तेलंगाना पुलिस और जिला प्रशासन की त्वरित व निर्णायक कार्रवाई की सराहना की है। यह कार्रवाई राजापेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र के चल्लूर गांव, यादद्री-भुवनगिरी जिला में चल रहे एक मेले के दौरान की गई, जिसके चलते एक बछड़े की अवैध हत्या को समय रहते रोका जा सका।29 जनवरी की शाम पशु कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि भीड़-भाड़ वाले मेला स्थल के पास झील किनारे एक बछड़े को वध के लिए ले जाया गया है। बताया गया कि उसी स्थान पर पहले ही एक सूअर का वध किया जा चुका था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक हो गया, ताकि एक और अवैध कृत्य को रोका जा सके।

पुलिस-प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, बछड़ा सुरक्षित

सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन ने सराहनीय तत्परता दिखाते हुए अल्प समय में मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया। समन्वित कार्रवाई के जरिए बछड़े को सुरक्षित बचा लिया गया और इस अवैध घटना को घटित होने से रोक दिया गया।गौ ज्ञान फाउंडेशन ने अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। जिसमें- एसपी (यादद्री-भुवनगिरी/राचकोंडा): अक्षांश यादव (आईपीएस), एसीपी (एसडीपीओ) यादद्री: पी. श्रीनिवास नायडू और जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट: श्री एम. हनुमंत राव (आईएएस) शामिल हैं।

इसके साथ ही, उन सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों और फील्ड स्टाफ का भी आभार जताया गया, जिन्होंने बेजुबानों के पक्ष में खड़े होकर समन्वित और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की और यह संदेश दिया कि न्याय और करुणा की जीत होती है।इस त्वरित कार्रवाई ने न केवल कानून की मर्यादा बनाए रखी, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि पशु संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यह दोहराना महत्वपूर्ण है कि तेलंगाना गौवध निषेध और पशु संरक्षण अधिनियम, 1977 के तहत गाय या बछड़े की हत्या या बलि पूरी तरह से प्रतिबंधित है, चाहे परिस्थिति कोई भी हो। ऐसे अपराध संज्ञेय हैं और इनमें तत्काल हस्तक्षेप अनिवार्य है।यह सफल बचाव अभियान इस बात का सशक्त प्रमाण है कि नागरिक दायित्व और पुलिस की कर्तव्यनिष्ठा का समन्वय बेजुबानों की जान बचाने में कितना महत्वपूर्ण है।

केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना से सजा अन्नदान

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप फैजाबाद के सौजन्य से शुक्रवार को इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान किया गया। सेवा भाव से किए गए इस अन्नदान में जरूरतमंदों को प्रेम और करुणा के साथ भोजन कराया गया।इस पुनीत सेवा में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सरड़ा, हरीश तोल-ाराम हिंदुजा, तेजप्रकाश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

भाजपा में शामिल हुए प्रमुख हस्तियां, राजस्थानी फाउंडेशन ने किया जोरदार स्वागत

तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, उद्योगपति मनोज अग्रवाल एवं एडवोकेट मोहित जैन का सम्मान

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले प्रमुख व्यक्तियों का राजस्थानी फाउंडेशन ने हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, राजस्थानी समाज उद्य-ोगपति मनोज अग्रवाल तथा युवा कर्मठ कार्यकर्ता एडवोकेट मोहित जैन राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा शाल ओढ़ाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह में रामदेव नागला, अनील जायलवाल, संदीप जायलवाल, भगवानदास कौशिक, महेश उपाध्याय, दिनेश खंडेलवाल, दुर्गा शर्मा तथा मीनाक्षी सिखवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी ने इन नेताओं के भाजपा में शामिल होने को पार्टी की मजबूती और राजस्थानी समाज के साथ गहरा जुड़ाव बढ़ाने वाला कदम बताया।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के 493वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा महाराष्ट्र राज्य के बुलढाणा जिले के हिंदी अध्यापकों के लिए आयोजित 493वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन समारोह आज संपन्न हुआ। यह 12 दिवसीय पाठ्यक्रम 19 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक चला, जिसमें कुल 33 अध्यापकों (7 महिला एवं 26 पुरुष) ने भाग लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त उपनिदेशक एवं क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (भारत सरकार) श्री अनिल कुमार रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद प्रतिभागियों ने संस्थान गीत एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार ने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा कौशल के साथ-साथ शिक्षण की नवीन विधियों का विकास करना है। उन्होंने मराठी और हिंदी की देवनागरी लिपि में मात्राओं के अंतर पर प्रकाश डालते हुए कक्षाओं में हिंदी वातावरण बनाने और बोलचाल में हिंदी के अधिक प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों से हिंदी के प्रचार-प्रसार में योगदान देने की अपील की।

पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे ग्रामीण विद्यालयों में प्राप्त ज्ञान को विद्यार्थियों तक पहुंचाएं और हिंदी के प्रति सम्मान की भावना जागृत करें। डॉ. राजीव कुमार, डॉ. एस. राधा तथा डॉ. दीपेश व्यास ने भी शिक्षकों की जिम्मेदारी, भाषायी कौशल के महत्व और जीवनपर्यंत सीखने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

समारोह में प्रतिभागियों द्वारा तैयार हस्तलिखित पत्रिका ज्ञमातृतीर्थ बुलढाणा जिलाफ का लोकार्पण किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रमाण-पत्र वितरण के साथ पुरस्कार भी दिए गए। प्रथम पुरस्कार सुनिल मधुकर अरबट, द्वितीय सैय्यद वहीद सैय्यद नजीर, तृतीय नंदकिशोर अबगड़ तथा प्रोत्साहन पुरस्कार शिल्पा नतिनी मल्लावत को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, देशभक्ति गीत, स्वरचित कविता, सामूहिक नृत्य आदि शामिल रहे। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम पर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम का संचालन सीमा मुकेश निमोदिया ने किया तथा आभार ज्ञापन संगीता संदीप शुक्ला ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ। इस सफल आयोजन में केंद्रीय हिंदी संस्थान परिवार का पूर्ण सहयोग रहा।

जया एकादशी पर श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्याम के बावरे भाग्यनगर द्वारा जया एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा में किया गया। कार्यक्रम में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और श्री श्याम बाबा के भजनों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा।कानपुर से पधारे श्रेष्ठ दीक्षित तथा भाग्यनगर के सागर व्यास ने अपनी मधुर आवाज में श्री श्याम के भजन प्रस्तुत किए, जिससे श्रद्धालुओं का मन भक्ति रस में डूब गया। संकीर्तन के दौरान भक्तों ने एक साथ श्याम बाबा की जय के उद्घोष के साथ तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया।इस अवसर पर श्याम मंदिर सेवा समिति के मंत्री इन्द्रकरण अग्रवाल, सह मंत्री रामदेव अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, जीवन भाटी, करण गोयल, श्याम के बावरे भाग्यनगर के रामदेव अग्रवाल, ईशांत अग्रवाल, भूपेश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, पियूष गोयल, ए. नागराज, स्वबोध, राहुल तथा संदीप सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्देश्य जया एकादशी के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री श्याम बाबा की भक्ति में वृद्धि करना था। सभी ने श्री श्याम बाबा से सुख-समृद्धि और भक्ति भाव की कामना की।

अधिवक्ता बालाजी मेदामल्ली को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश

नई दिल्ली, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक अधिवक्ता को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह सिफारिश अधिवक्ता बालाजी मेदामल्ली के नाम पर की गई है।उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कॉलेजियम की बैठक में इस प्रस्ताव पर विचार किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से अधिवक्ता बालाजी मेदामल्ली को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई।कॉलेजियम द्वारा जारी प्रस्ताव में कहा गया है कि 28 जनवरी, 2026 को हुई अपनी बैठक में उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने अधिवक्ता श्री बालाजी मेदामल्ली, जिन्हें एम. बालाजी के नाम से भी जाना जाता है, को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

तापमा ने लॉन्च किया सस्टेनेबिलिटी एंबेसडर कार्यक्रम

स्कूली बच्चों को सर्कुलर इकोनॉमी और जिम्मेदार प्लास्टिक प्रबंधन की शिक्षा

कोठी विद्या स्कूल में वेस्ट टू वेल्थ चैलेंज के तहत ऐतिहासिक बहस और जागरूकता सत्र

प्लास्टिक पर बैन नहीं, बेहतर रीसाइक्लिंग आदतें जरूरी : राधेश्याम लोया

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और आंध्र प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) की पर्यावरण एवं जागरूकता समिति ने शुक्रवार को कोठी विद्या स्कूल, श्रीराम कॉलोनी, कट्टेदान में वेस्ट टू वेल्थ: द सर्कुलर इकोनॉमी चैलेंज शीर्षक से एक महत्वपूर्ण बहस एवं जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर तापमा ने स्कूली बच्चों को सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों से परिचित कराने और जिम्मेद-ाराना प्लास्टिक प्रबंधन की शिक्षा देने के लिए सस्टेनेबिलिटी एंबेसडर प्रोग्राम की औपचारिक शुरुआत की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय सर्कुलर इकोनॉमी के माध्यम से इसे जिम्मेदारी से प्रबंधित करने पर जोर देना था। तापमा पर्यावरण समिति के चेयरमैन श्री राधेश्याम लोया के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में 170 से अधिक छात्रों ने मटेरियल साइंस और वेस्ट मैनेजमेंट पर जोरदार बहस में भाग लिया। पारंपरिक एंटी-प्लास्टिक दृष्टिकोण के बजाय कार्यक्रम में टू-बिन कल्चर और सोर्स सेग्रीगेशन के महत्व पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

राधेश्याम लोया ने अपने मुख्य भाषण में कहा, हम हादसों की वजह से कारों पर बैन नहीं लगाते, बल्कि बेहतर सड़कें बनाते हैं। प्रदूषण के कारण कारों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता, बल्कि बेहतर ईवी कारें विकसित की जाती हैं। इसी तरह, कचरे की वजह से प्लास्टिक पर बैन नहीं लगाना चाहिए, बल्कि हमें रीसाइक्लिंग की बेहतर आदतें बनानी चाहिए। उन्होंने प्लास्टिक को दवाइयों में जीवन रक्षक संसाधन और लॉजिस्टिक्स में कार्बन-कुशल विकल्प बताते हुए जोर दिया कि इसे लैंडफिल से दूर रखकर ब्लू बिन के माध्यम से प्रोसेस किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विकल्पों की सच्चाई वर्कशॉप: छात्रों ने सीखा कि प्लास्टिक-कोटेड पेपर कप को 100% मोनो-मटेरियल प्लास्टिक की तुलना में रीसाइक्ल करना अक्सर अधिक जटिल क्यों होता है।

सॉर्टिंग चैलेंज: लाइव डेमोंस्ट्रेशन में छात्रों ने खाली, धोए और सूखे प्लास्टिक को ब्लू बिन में सही तरीके से अलग करने की प्रतियोगिता की।

एंबेसडर इंडक्शन: उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को तापमा सस्टेनेबिलिटी एंबेसडर सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इन बच्चों ने अपने घरों में 100% सोर्स सेग्रीगेशन लागू करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों को दो समूहों में बांटकर प्लास्टिक के सही उपयोग और इससे जुड़ी गलतफहमियों पर बहस कराई गई। बहस के अंत में सभी छात्र प्लास्टिक के सकारात्मक पहलुओं को समझते हुए रीसाइक्ल होने वाले सूखे कचरे और गीले कचरे (खाद के लिए) को सोर्स पर अलग करने की शपथ ली।

तापमा का लक्ष्य इस वर्ष हैदराबाद के 50 और स्कूलों में इस पहल को विस्तार देना है। एसोसिएशन का मानना है कि बच्चोंजो भारत का भविष्य हैंको सशक्त बनाकर कचरे से धन (वेस्ट टू वेल्थ) आंदोलन घर-घर की सच्चाई बन सकता है।तेलंगाना और आंध्र प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन एक प्रमुख इंडस्ट्री बॉडी है, जो इनोवेशन और रीसाइक्लिंग की वकालत के जरिए पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित करते हुए पॉलीमर इंडस्ट्री के विकास के लिए समर्पित है।कार्यक्रम में तापमा के नरेंद्र बाल्डवा (अध्यक्ष), एन. भास्कर रेड्डी (सीनियर उपाध्यक्ष), अरुण लाहोटी (उपाध्यक्ष), किशोर कुमार (संयुक्त सचिव), विमलेश गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष), वर्किंग कमेटी सदस्य संजीव जैन, नवनीत चैगर, अनिल चपरवाल, भोला त्रिपाठी तथा कोठी विद्या स्कूल के डायरेक्टर सचिन सोनी उपस्थित रहे।

पहाड़ी श्याम मंदिर में जया एकादशी पर भव्य 'एकादशी संकीर्तन' का आयोजन

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में जया एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित 'एकादशी संकीर्तन' कार्यक्रम में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रतीक दाहिमा ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया।कार्यक्रम के दौरान भजन गायकों राजू मुरारी दाहिमा सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों का मंदिर प्रबंधन की ओर से सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में मंदिर की चेयरमैन अरुणा डाकोतिया एवं ट्रस्टी प्रवीण अग्रवाल के साथ-साथ अशोक सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, रूपेश सिंघानिया, ब्रिजेश मोदी, पंकज सिंगला, प्रवीण लाला, सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तगण मौजूद रहे।भजनों और संकीर्तन से मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया, वहीं श्रद्धालुओं ने जया एकादशी के अवसर पर भगवान श्याम के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा में सहभागी बनना गर्व की बात : स्वाति अग्रवाल

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनते जा रहे हैं। बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास संचालित राधे-राधे ग्रुप के अन्नदान केंद्र पर आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वाति अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का सेवा कार्य दिन-प्रतिदिन और भी बेहतर होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वह पिछले आठ दिनों से नियमित रूप से राधे-राधे ग्रुप की सेवा में सहभागी बन रही हैं। यह सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक भावना और मानवता का जीवंत उदाहरण है। स्वाति अग्रवाल ने स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि उन्हें राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से सेवा करने का अवसर मिला, जो उनके लिए गर्व की बात है।

यहां आकर व्यक्ति गो सेवा भी कर सकता है अन्न में शामिल हो सकता है और कबूतर को दाना भी डाल सकता है ऐसा स्थान राधे-राधे ग्रुप ने चुना है उसके लिए मैं उनको साधुवाद तो क्या दू लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि शुभ अवसर हमें दिया इसके लिए हम राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के आभारी है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राजेश सर (योग), विनोद तोष्णीवाल, अनिल भाई, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, पूजा संघी एवं स्वाति अग्रवाल उपस्थित रहे।

माँ बनभौरी वाली जी के 8वें अमृतमहोत्सव में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष को विशेष निमंत्रण

हरियाणा भवन में होगा भव्य आयोजन कल

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 01 फरवरी को हरियाणा भवन में माँ बनभौरी वाली जी के आठवें अमृतमहोत्सव के अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता जी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

संस्था के प्रमुख पदाधिकारी सुशील मित्तल, कपिल गर्ग सहित अन्य सदस्यों ने श्री अनिरुद्ध गुप्ता जी से व्यक्तिगत मुलाकात कर निमंत्रण पत्र सौंपा और उन्हें कार्यक्रम में अवश्य शामिल होने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्री गुप्ता जी का समाज में योगदान और नेतृत्व अतुलनीय है, इसलिए उनके सान्निध्य से अमृतमहोत्सव की शोभा और बढ़ेगी। अनिरुद्ध गुप्ता जी ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि वे अवश्य उपस्थित रहेंगे और समाज के साथ मिलकर माँ बनभौरी वाली जी के चरणों में श्रद्धा अर्पित करेंगे।

माँ बनभौरी वाली जी के इस पावन आयोजन में भजन-कीर्तन, आरती, प्रसाद वितरण तथा सामूहिक भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कविसम्मेलन एवं सम्मान समारोह आज

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। काव्य कौमुदी बहुभाषी अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक एवं काव्य संस्था द्वारा आज शनिवार को एक भव्य अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कविसम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आरोग्य अस्पताल के सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में राजन चौधरी साहित्य पुरस्कार, डॉ रामचंद्र प्रसाद सिन्हा साहित्य पुरस्कार, द्वारिका प्रसाद मौर्य साहित्य पुरस्कार तथा काव्य कौमुदी उत्कृष्ट साहित्य पुरस्कार से कुल 9 साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार के साथ शॉल, मोमेंटो और पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

पुरस्कृत साहित्यकारों में- श्रीमती मीना चौहान, दिल्ली (हिंदी),श्रीमती शालिनी नंदकेयोल्यार, कोलकाता (हिंदी), डॉ. के. तेजस्विनी, गीतम यूनिवर्सिटी, हैदराबाद (हिंदी), श्रीमती मोऊ मल्लिक दे, हैदराबाद (हिंदी), श्रीमती पी. पद्मावती, हैदराबाद (हिंदी), डॉ. दुलाल चंद्र मल्लिक, राँची यूनिवर्सिटी, राँची (बांग्ला), डॉ. शशिरेखा रेड्डी, हैदराबाद (संस्कृत), सुश्री के. गीता, हैदराबाद (हिंदी) और थानाफाट लैपसिरिकुल, थाईलैंड (काव्य कौमुदी उत्कृष्ट साहित्य पुरस्कार) शामिल हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्रुतिकांत भारती जी रहेंगे। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. मोहन गुप्ता जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री सुधा ठाकुर और राजन चौधरी जी के पुत्र रोहित आर. चौधरी मंच पर उपस्थित रहेंगे।

सुविख्यात शास्त्रीय गायक उदय भास्कर जी द्वारा सरस्वती वंदना ।

शास्त्रीय नृत्य विद्यालय की छात्राओं द्वारा श्रीमती ज्योति शेखर के निर्देशन में थाई और भरतनाट्यम का फ्यूजन नृत्य (थाईलैंड के भरतनाट्यम छात्र श्री पत्तरापोल टैंगुराय की विशेष भागीदारी)। इसके अलावा विभिन्न भाषाओं के प्रसिद्ध कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

यह आयोजन हिंदी, बांग्ला, संस्कृत तथा अन्य भाषाओं के साहित्यकारों की एकता और बहुभाषी साहित्यिक परंपरा को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।

सुषमा चोरडिया 'नाट्यशारदा मंदाश्री स्त्रीशक्ति पुरस्कार 2025' से सम्मानित

पुणे, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिक्षा, साहित्य, कला और सामाजिक क्षेत्र में बहुआयामी योगदान के लिए प्रसिद्ध ग्लोबल सेलिब्रिटी एवं सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन की उपाध्यक्ष सौ. सुषमा एस. चोरडिया को वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित ङ्गनाट्यशारदा मंदाश्री स्त्रीशक्ति पुरस्कारफ प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार महिला सशक्तिकरण, समाजसेवा और सकारात्मक परिवर्तन में उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए दिया गया।भव्य समारोह की अध्यक्षता सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने की। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन पद्मश्री गिरीश प्रभुणे और पद्मश्री उदय देशपांडे के करकमलों से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

दोनों अतिथियों ने साहित्य सेवा और कलात्मक संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा समाज में इन मूल्यों को संजोने का आह्वान किया।तितिक्षा इंटरनेशनल के अनुसार, ङ्गनाट्यशारदा मंदाश्री स्त्रीशक्ति पुरस्कारफ केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का सम्मान नहीं, बल्कि नारी शक्ति को समाज में परिवर्तन और प्रेरणा की वाहक के रूप में स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है।

सौ. सुषमा चोरडिया ने सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामाजिक चेतना का सुंदर संगम स्थापित किया है। वे सूर्यदत्त वीमेन एंटरप्रेन्योर्स एंड लीडर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष के रूप में महिला उद्यमिता और नेतृत्व विकास को भी मजबूत मंच प्रदान कर रही हैं। उनका लक्ष्य वंचित विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के द्वार खोलना और मूल्याधारित पीढ़ी का निर्माण करना है।

समारोह में समाजसेविका तृप्ती देसाई, सुप्रसिद्ध नंदेश उमप, चंद्रकांत कुलकर्णी (साहित्य एवं कला विभाग), अमित सिंह (संपादक, न्यायाधिकरण), गणेश जोशी (डीसीपी, पुणे), बाल पुजारे, क्षमा वैद्य, सुजीत दातार, योगेश सुपेकर सहित साहित्य, कला और सामाजिक क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

सौ. सुषमा चोरडिया के इस सम्मान से न केवल उनके निस्वार्थ कार्यों की सशक्त स्वीकृति हुई है, बल्कि साहित्य, कला और शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महिलाओं की भूमिका को भी नई प्रेरणा मिली है।

राधे-राधे की सेवा से मन प्रफुल्लित हुआ : पद्मिनी ठाकुर

हैदराबाद, 30 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास चल रहे नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में सेवा भाव और मानवीय संवेदना का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पद्मिनी देवी ठाकुर ने कहा कि उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा गतिविधियों के बारे में पहले अवश्य सुना था, लेकिन आज प्रत्यक्ष रूप से सेवा कार्य देखकर मन अत्यंत आनंदित और प्रफुल्लित हो उठा। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानवता है और राधे-राधे ग्रुप इस दिशा में समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर कार्य कर रहा है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवा-समर्पित सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। आज की सेवा ठाकुर परिवार की ओर से स्वर्गीय श्रीमती गंगा देवी की पुण्य स्मृति में की गई।इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, शैलेश जोशी (मध्यप्रदेश), सुरेश कासार (मध्यप्रदेश)।विशेष रूप से पद्मिनी सिंह ठाकुर एवं डॉ. तेजल सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

DAILY शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, BEENA R Spouse of No.RC00728N Lt Colonel V SIVADASAN, R/o. Flat No. C-501, Patel's Green Park, Yapral, Secunderabad, Telangana have changed my name from BEENA R to BEENA SIVADASAN vide Affidavit dated:30-01-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, S RANI Spouse of Service No. 14584310M Ex Sep S RAM REDDY, R/o.Villa No.5-7/15, Road No.1, Hill County, Bachupally, Medchal Malkajgiri Dist, Telangana hereby declare that my father name is to be changed from SRI I NAGA REDDY to PANUMATI NAGA NARSI REDDY vide affidavit dt:30-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, K GAYATHRI Spouse of Service No. 15231950M Nk (OPR) KESANNAGARI JANARDHANA REDDY, R/o. Vill: Vadigepalli, Post:Vadigepalli, Tehsil: Gorantla, Dist:Sri Sathyasai, Andhra Pradesh-515241 have changed my name from K GAYATHRI to KOLUKULA GAYATHRI vide affidavit dt:5-1-2026 before K.C.Thippa Naik, Advocate and Notary, Penukonda, Andhra Pradesh.

CHANGE OF DOB
I, Service No. 15420454P Nk/DVR (MT) SOMAYYA HIREMATH, Resident of Vill:Honnidibba, PO:Hoolikatti (KTR), Teh:Kittur, Dist:Belagavi, Karnataka-591112 hereby declare that my mother KASHAVVA HIREMATH Date of Birth is to be changed from 01-07-1956 to 01-01-1958 vide affidavit dt:23-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, MERUPULA LAKSHMI MADHURI is legally wedded Spouse of service No-17008769L, Rank-CFN, Name-Karteek Naidu Merupula R/o H.No-1-57/1, Vill-Mallammapeta, Near Ramalayam, PO&Teh- Bobbili,Distt-R.S Vizianagaram, State- Andhra Pradesh, PIN-535558, I have changed my name from MERUPULA LAKSHMI MADHURI to POLA LAKSHMI MADHURI add in my husband service documents date 27 Jan 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-17025095P, Rank-HAV, Name- Ratendra Kumar Ram R/o H.No-34 B, L.No-7, Vill - Jagatdal,PO-Bhatpara,Distt-North 24 Parganas, State-West Bengal, PIN-743125, I have changed my Father name from DHARMDEO RAM to DHARAM DEO RAM and DOB is 01/06/1961 add in my service documents vide affidavit date 29 Jan 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-17025095P, Rank-HAV, Name- Ratendra Kumar Ram R/o H.No-34 B, L.No-7, Vill - Jagatdal,PO-Bhatpara,Distt-North 24 Parganas, State-West Bengal, PIN-743125, I have changed my Mother name from TETARI DEBI RAM to TATRI DEVI and also DOB changed from 05/08/1971 to 01/01/1975 add in my service documents vide affidavit date 29 Jan 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14686907H, Rank-NK, Name- Ratan Lal R/o Vill & PO-Jasrapur,Teh-Khetri,Distt-Jhunjhunu State-Rajasthan, PIN-333514, I have changed my Father name and DOB from OMPRAKASH to OMPRAKASH JANGIR and from 01/07/1963 to 01/01/1957 add in my service documents vide affidavit date 29 Jan 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14686907H, Rank-NK, Name- Ratan Lal R/o Vill & PO-Jasrapur,Teh-Khetri,Distt-Jhunjhunu State-Rajasthan, PIN-333514, I have changed my Mother name and DOB from RUKMANI DEVI to RUKMANI and from 01/07/1965 to 01/01/1961 add in my service documents vide affidavit date 29 Jan 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAROJ, is legally Wedded Wife of Service No. 17016561X, Rank: HAV/CLK (SD), Name: SATBEER, Unit: HQ, 1 EME Centre Secunderabad, residing at VILL: NAPLA, PO: CHHILRO, TEH: Nangal Choudhary, DIST: MAHENDER GARH, STATE: HARYANA, PIN: 123001, I have Changed my Name from SAROJ to SAROJ KAJALA, That my Date of Birth is 10-10-1992, Affidavit date 27.01.2026.

CHANGE OF NAME & DOB
I, VICTORIA, is legally wedded spouse of Service No. 13914660Y, Rank: EX-NK, Name: Late ALBERT, residing at House No. 29-1446/3, Kakatiya Nagar, Neredmet, Teh: Malkajgiri, Dist:Medchal-Malkajgiri, State:TELANGANA, Pin:500056, I have Changed My name & DOB, Name from VICTORIA to VICTORIA ALBERT and DOB from 17/05/1950 to 18/08/1949.

CHANGE OF NAME
I, ANITHA HARIMON is legal spouse of No- 15211451W, Rank- L/HAV, Name- HARI MON KP, Residing at Vill & PO- Punnakunnu West Eleri, The- Plachikara, Dist- Kasaragodm Kerala, I have to change my Name from ANITHA to ANITHA HARIMON for all purpose vide affidavit dated: 28/01/2026

CHANGE OF NAME
I, No 15412162X, Rank- HAV (AA), KRUSHNA CHANDRA BISWAL, Residing at Vill- Kumbhari, Po– Kalio, Teh– Balikuda, Distt– Jagatsinghpur, Odisha, I have to change my Son Name from BISWJEET BISWAL to BISWAJEET BISWAL for all purpose vide affidavit dated: 29/01/2026.

LOST OF PASSPORT
I, Chittari Rajesh S/o late Chittari Pentaiah, R/o. H.No. 13-1-1236/476, New Indira Nagar, Bangaru Maisamma Kaman, Asifnagar, Hyderabad, T.G. I have Lost / Misplaced my Original Passport No. P8321201 on 15.01.2026, while I was going from Habeeb Nagar Nala to Yousuf Baba Darga for taking Xerox. If anybody found please contact: 8247722779

पासपोर्ट खो गया
मैं, शुमैला अकबर, मोहम्मद अकबर की बेटी, मेरा भारतीय पासपोर्ट नंबर H–1810332, जो 11–11–2008 को हैदराबाद में जारी हुआ था और 10–11–2013 तक वैलिड था, 22–01–2026 को भारत ग्राउंड, मल्लेपल्ली से बड़ी मस्जिद, मल्लेपल्ली, हैदराबाद जाते समय खो गया है। यह सूचना जानकारी और ज़रूरी औपचारिकताओं के लिए है। अगर मिले, तो कृपया 9177402280 पर या D.NO. 11-3-16, भारत ग्राउंड, मल्लेपल्ली, हैदराबाद या पुलिस स्टेशन हबीब नगर से संपर्क करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

प.पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज
गौशाला के सहयोगार्थ
विशाल लोक डायरो
दि. 15 फरवरी 2026
रविवार, सायं 6.33 बजे से
संत शिरोमणी प.पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज
जन्म शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत
महाशिवरात्री के पावन अवसर पर
स्थान : श्री उमिया धाम,
पुडूर गांव मेडचल मे
(Venue : Ground size 350 Feet Lenth X 250 feet)
सभी गौप्रेमी, गौभक्त सादर आमंत्रीत है।
Scan for Location
उमियाधाम मेडचल
Umiya Dhaam- Medchal
JANMA SHATABDI MAHOTSAV
SANT SHIROMANI
PUJYA RAMCHANDRA DONGREJI MAHARAJ
कामधेनु गौमाता मंदिर
प.पू. श्री महंत स्वामीजी महाराज
प.पू. श्री चिन्ना जियर स्वामी जी
प.पू. श्री गोविंदगिरी महाराज
प.पू. श्री देवकृष्ण दास महाराज
जैनाचार्य प.पू. श्री अभयसेन विजयजी म.सा.
प.पू. श्री हरीदर्शन स्वामी
गुजरात के गौरववंता सुप्रसिद्ध कलाकार
(लोक संगीत कार्यक्रम गुजराती एवं हिन्दी मे)
विवेक सांखला
विख्यात लोक गायक
श्रृति पटेल
विख्यात लोक गायीका
हक्का भा गढवी
विख्यात हास्य कलाकार
आयोजक एवं निवेदक:
पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला
Injapur, Sagar Road, Hyderabad. Telangana
जसमत पटेल 7288047779, अशोक पटेल 93910 43371
मनसुख पटेल 98850 30582, किरण पटेल 9885114502
जीवराम पटेल, वसंत पटेल, प्रभु पटेल, भरत पटेल, अनील पटेल
For Giving Advertisement Support, Sponsorship etc. for this event
Pls Call Jasmat Patel 72880 47779, Ashok Patel 93910 43371
इस भव्य लोक डायरो कार्यक्रम मे भूमी दान हेतु, मुख्य सहयोगी, सह-सहयोगी, प्रवेश द्वार, मुख्य स्टेज, बैनर सहयोग तथा किसी भी प्रकार के सहयोग करने एवं अन्य जानकारी हेतु संपक करें....
To Feed a Cow is not a Charity it's our obligation & our Duty
Donations towards Gaushala, Gau Grass can be done on
Pujya Sri Ramchandra Dongreji Maharaj Gowshala
State Bank of India A/C no : 62232749283
IFSC code : SBIN 0021227
Scan & Pay : Pujya Sri Ramchandra Dongreji
Advertisement courtesy
NSP
N.S. PATEL AGENCIES
Distributors For
VISAKA
Vnext
INFRA.MARKET AAC BLOCKS
MAHA CEMENT
UNICEIL
SOFFIT
ATUM
040-24756210, 24756212, 24756826
Jasmat Patel
Chairman
Ridesh Jagirdar
Trustee
Love for Cow
Love for Cow Foundation
SUNDAY 2 SUNDAY
CHALO GAUSHALA
atlas.jagirdar